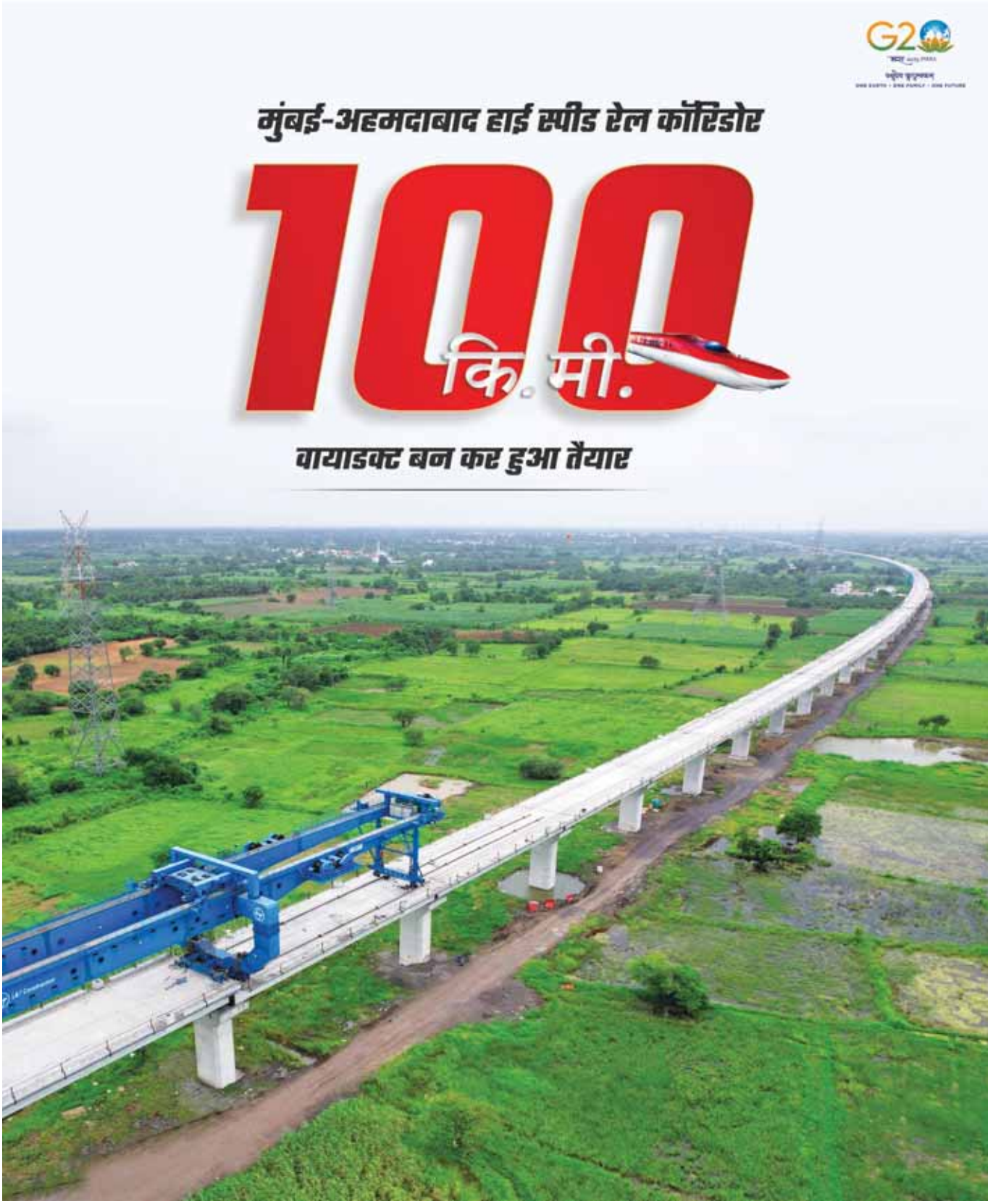
भारतीय रेल

दिसम्बर 2023

मूल्य ₹ 20



AAL®

Autometers Alliance Ltd

Energy & Efficiency / Safety & Reliability

POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY



DATA ACQUISITION & CONTROL DEVICE

Onboard Measurement Devices



Tachograph System for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Active Speed Sensor for Electric Locomotives



Opto Electronic Pulse Generator for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Hotel Load Current Sensor for Electric Locomotives



Primary Current Sensor for Electric Locomotives



Aspiration Smoke Detector for Coaches

Onboard Control Devices



Driver Display Unit LCD Displays for Electric Locomotives



Vigilance Control Device for Electric Locomotives



Fire Detector Equipment for Electric Locomotives



Diagnostics Terminal LCD Displays for Electric Locomotives

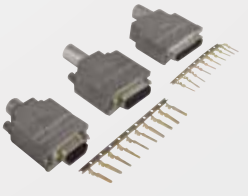


Event Recorder for Electric, Diesel Locomotives & EMUs

Electrical Connectors



Circular Connectors for Onboard & Stationary Traction



D Type Connectors for Onboard & Stationary Traction

mktre@autometers.com | C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

आरंभ: अगस्त-1960 | वर्ष: 64 | अंक: 05 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | दिसम्बर-2023 | मूल्य: ₹20

संपादक मंडल

श्रीमती जया वर्मा सिन्हा
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

सुश्री अंजलि गोयल
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

श्री मिलिन्द के देऊस्कर
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री शिवाजी मारुती सुतार
निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
ललित कुमार धनकड़
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

आवरण
मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का 100 किमी वायाडक्ट

फॉलो करें
Twitter :
@bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण -₹250
रेलकर्मियों के लिए -₹200

विदेश में
सी-मेल द्वारा -₹1,250
एयर-मेल द्वारा -₹2,500

एक प्रति-₹20
वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बम्ध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

5 **माननीय राष्ट्रपति ने बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की** आधारशिला रखी और तीन नई ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

6 **माननीय प्रधानमंत्री ने एकता नगर–अहमदाबाद स्टीम हेरिटेज विशेष ट्रेन** को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

7 **भारत और बांग्लादेश के बीच अखौरा-अगरतला अंतरराष्ट्रीय** कनेक्टिविटी रेल लाइन परियोजना का उद्घाटन

9 **रेल मंत्री ने दिखाई मऊ-मुंबई नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी**

10 **रेल मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुरक्षा समीक्षा बैठक की**

12 **माननीय सांसदों द्वारा ट्रेनों के ठहराव व अन्य सुविधाओं का उद्घाटन**

14 **अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने ईस्ट वेस्ट मेट्रो** (ग्रीन लाइन) के हावड़ा मैदान से एस्प्लानेड खंड का निरीक्षण किया

14 **रेलवे बोर्ड की अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी** द्वारा आरडीएसओ का दौरा

15 **सदस्य, इन्फ्रा., रेलवे बोर्ड द्वारा बाराबंकी-अयोध्या-शाहगंज रेलखंड** एवं अयोध्या जं. स्टेशन का निरीक्षण

16 **महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल, रेलवे बोर्ड द्वारा** उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज का दौरा

17 **एमएएचएसआर कॉरिडोर 100 किलोमीटर वायाडक्ट तैयार**

18 **भारतीय रेल ने भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बदलते भारत** की अवसंरचना की एक झलक दिखाई

20 **राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में सहेजकर रखे गये चार इंजनों** को मिला इंजीनियरिंग हैरिटेज पुरस्कार

22 **भारतीय रेल की 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना**

24 **आरडीएसओ द्वारा हाई-हॉर्स पॉवर डीजल लोकोमोटिव इंजन पर** 15% मेथनॉल मिश्रित डीजल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया

25 **आरपीएफ ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत अक्टूबर माह में 601** से अधिक बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया

26 **भारतीय रेल ने विशेष अभियान 3.0 सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया पूर्ण**

27 **क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाईओं के समाचार**

34 **खेलों में भारतीय रेल**

36 **तस्वीर दीर्घा**

40 **प्रगति रिपोर्ट**

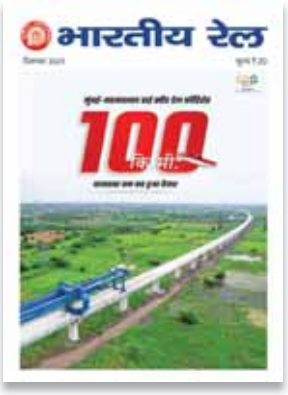
53 **स्टेशनों का पुनर्विकास**

58 **ईएमयू/एमईएमयू स्टॉक के लिए कम लागत वाली फायर डिटेक्शन सिस्टम** — श्री गौरव कुमार सिंह और श्री श्याम शंकर

63 **देवरगुड़िहल झील दक्षिण पश्चिम रेल का गौरव** — श्री अजय सिंह

66 **भारतीय रेल के 7 दशक** — डॉ. सोपान काशीनाथ

संपादकीय



उच्च गति से प्रगति के पथ पर भारतीय रेल

भारतीय रेल की 'मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर परियोजना' बुलेट ट्रेन की गति की तरह ही आगे बढ़ रही है। इस परियोजना की जिम्मेदारी संभाल रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने हाल ही 100 कि.मी. का वायाडक्ट बनाने का कार्य पूर्ण कर लिया है। यहाँ पर उल्लेखनीय है कि इस परियोजना के लिए विश्व स्तर की टेक्नोलॉजी में से एक-जापानी शिकानसेन टेक्नोलॉजी को चुना गया है। शिकानसेन प्रणाली दुनिया में सबसे सुरक्षित मानी जाती है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर गुजरात और दादर एवं नगर हवेली में 352 कि.मी. तथा महाराष्ट्र में 156 कि.मी. को मिला कर कुल 508 कि.मी. का कॉरिडोर होगा। इस कॉरिडोर में विश्वस्तरीय सुविधाओं से सज्जित 12 स्टेशन तैयार किए जा रहे हैं। मुंबई से अहमदाबाद तक की यात्रा लगभग दो घंटे 7 मिनट में तय की जा सकेगी। इस पूरे कॉरिडोर में 456 कि.मी. का वायाडक्ट होगा, जिसमें से 100 कि.मी. का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

इस हाई-स्पीड रेलवे कॉरिडोर का लगभग 92% हिस्सा वायाडक्ट्स और पुलों के जरिये ऊंचा हो जाएगा। 508.09 किमी की दूरी में से, 460.3 किमी (90.5%) वायाडक्ट होगा, 9.22 किमी (1.8%) पुलों पर, 25.87 किमी सुरंगें (7 किमी लंबी समुद्र की नीचे सुरंग सहित) और 12.9 किमी (2.5%) तटबंध/उपमार्ग पर होगा।

वायाडक्ट्स और पुलों से ऊपर उठे हुए ट्रैक के कई लाभ हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण बात, यह सुनिश्चित करेगा कि इससे पानी के प्राकृतिक प्रवाह में कोई रुकावट ना हो। यह सभी जगहों पर क्रॉसिंग प्रदान करता है। मौजूदा सड़क नेटवर्क पर 5.5 मीटर (यानी सड़कों के लिए उच्चतम) की पर्याप्त निकासी उपलब्ध है, यह बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ सुरक्षा और बचाव की धारणा को बेहतर बनाता है और भूमि की आवश्यकता को कम करता है (36 मीटर चौड़ी परंपरागत रेल की पटरियों की बजाय 17.5 मीटर चौड़ाई प्रदान करता है)।

वायाडक्ट के निर्माण में तेजी लाने हेतु सेग्मेंटल लॉन्चिंग विधि के अलावा फुल स्पैन गर्डर लॉन्चिंग विधि का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। स्ट्रैडल कैरियर, गर्डर लॉन्चर तथा ट्रांसपोर्टर जैसे स्वदेशी उपकरण और मशीनरी का इस्तेमाल किया जा रहा है। कॉरिडोर के महाराष्ट्र वाले हिस्से का भी काम शुरू हो चुका है। इसके लिए जरूरी अनुबंध भी कर लिये गए हैं।

गुजरात के आणंद तथा सूरत जिले के पास हाई-स्पीड रेल ट्रैक स्लैब के बनाने की सुविधा शुरू कर दी गई है। हाल ही में इस कॉरिडोर की पहली माउंटेन टनल का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस कॉरिडोर में सात पर्वतीय सुरंगें होंगी, जिनका निर्माण एन.ए.टी.एम. विधि का उपयोग करके किया जाएगा। सूरत के पास पहले स्टील ब्रिज तथा एक महीने में ही तीन नदी पुलों के निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। निर्मित पुल पर ध्वनि अवरोधक लगाने का काम शुरू हो चुका है। ट्रैक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू हो गया है। यह पहली बार है जब भारत में जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।

इस परियोजना को तैयार करते समय पर्यावरण का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। यह कॉरिडोर मुंबई में ठाणे क्रीक से होकर गुजरेगा। क्योंकि इस क्षेत्र के आस-पास मैंग्रोव हैं और यह फ्लेमिंगो के लिए एक संरक्षित अभयारण्य है, इसलिए रेल ट्रैक को एक सुरंग के माध्यम से समुद्र के नीचे (अंडरसी) बनाया जाएगा, जिससे मौजूदा इकोसिस्टम को किसी तरह का नुकसान न पहुँचे। यह भारतीय रेल परिवहन की सबसे लंबी और पहली अंडरसी सुरंग होगी। सुरंग 13.2 मीटर व्यास वाली एकल ट्यूब होगी, जिसे विभिन्न विभागों में एनएटीएम और टीबीएम दोनों ही पद्धतियों द्वारा निष्पादित किया जाएगा। सर्वेक्षण कार्य के लिए पानी के नीचे की जाने वाली स्थैतिक अपवर्तन तकनीक का उपयोग किया गया था, जो अब पूरा हो चुका है।

यू.आई.सी के आंकडों के मुताबिक हाई-स्पीड ट्रेन परिवहन, प्रति यूनिट ऊर्जा में यात्री द्वारा प्रति कि.मी. तय की गई दूरी के संदर्भ में सबसे कुशल माध्यम है। रेल परिवहन का सबसे पर्यावरण अनुकूल साधन भी है, जिसमें सीओ2 उत्सर्जन हवाई परिवहन के मुकाबले एक चौथाई से कम और सड़क परिवहन (कार) के मुकाबले एक तिहाई से भी कम होता है।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा हमें जरूर बताएँ।

माननीय राष्ट्रपति ने बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी और तीन नई ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी



माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने दिनांक 21 नवंबर, 2023 को बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन, ओडिशा से तीन नई ट्रेनों यथा-बादामपहाड़-टाटानगर एमईएमयू; बादामपहाड़-राउरकेला वीकली एक्सप्रेस; और बादामपहाड़-शालीमार वीकली एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आपने बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखी।

इस अवसर पर माननीय राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी क्षेत्र का विकास उस क्षेत्र की कनेक्टिविटी पर निर्भर करता है। चाहे रेल हो, सड़क हो या डाक सेवाएँ हों-ये सभी सेवाएँ लोगों के जीवन को सुगम बनाती हैं। उन्होंने कहा कि आज शुरू की गई तीन ट्रेनें स्थानीय लोगों को झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे पड़ोसी राज्यों की यात्रा करने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि ओडिशा के औद्योगिक शहर राउरकेला जाने में भी लोगों को कोई असुविधा नहीं होगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र सरकार जनजातीय समुदायों के विकास के लिए विभिन्न कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2013-14 के बजट की तुलना में इसके लिए मौजूदा बजट में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है। जनजातीय लोगों के विकास के बिना समावेशी विकास अधूरा है, इसीलिए सरकार जनजातीय समुदायों के विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने जनजातीय युवाओं से सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आत्म विकास के लिए व्यक्ति का प्रयास भी आवश्यक है। इसलिए युवाओं को अपने जीवन में आगे बढ़ने का प्रयास करते रहना चाहिए।

इस अवसर पर ओडिशा के राज्यपाल श्री रघुवर दास, केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री, श्री धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव, जल शक्ति और जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री, श्री बिश्वेश्वर टुडु, राजस्व और आपदा प्रबंधन तथा स्कूल और जन शिक्षा मंत्री, ओडिशा सरकार, श्री सुदाम मरांडी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के सांसद और विधायक उपस्थित थे। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक, श्री अनिल कुमार मिश्रा, मंडल रेल प्रबंधक, चक्रधरपुर, विभागों के प्रधान प्रमुख और दक्षिण पूर्व रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति ने बादामपहाड़-शालीमार एक्सप्रेस में बादामपहाड़ से रायरंगपुर तक की यात्रा की।■



बादामपहाड़ रेलवे स्टेशन से तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करती हुईं माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु। साथ में हैं ओडिसा के राज्यपाल श्री रघुवर दास एवं रेल मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव



दिनांक 31 अक्टूबर, 2023 को एकता नगर (केवड़िया) से वीडियो लिंक के माध्यम से एकता नगर और अहमदाबाद के बीच स्टीम हेरिटेज स्पेशल ट्रेन की उद्घाटक सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री ने एकता नगर–अहमदाबाद स्टीम हेरिटेज विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 31 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एकता नगर (केवड़िया) से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से एकता नगर और अहमदाबाद के बीच स्टीम हेरिटेज स्पेशल ट्रेन की उद्घाटक सेवा को हरी झंडी दिखाई। एकता नगर रेलवे स्टेशन पर सांसद श्री मनसुखभाई वसावा, सांसद श्रीमती गीताबेन राठवा, विधायक डॉ. दर्शनाबेन देशमुख और अन्य गणमान्य व्यक्ति सहित पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ रेलवे अधिकारी उपस्थित थे।

स्टीम हेरिटेज स्पेशल ट्रेन हमारे देश के महान सपूत, भारत के लौह पुरुष–सरदार वल्लभभाई पटेल को एक सच्ची श्रद्धांजलि है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने आने वाले पर्यटकों के लिए हेरिटेज स्पेशल ट्रेन एक अतिरिक्त आकर्षण होगी। अपने अनूठे विरासत स्वरूप के साथ, यात्रियों को भाप इंजनों के बीते युग में ले जाया जाएगा। यह ट्रेन यात्रियों को एक यादगार यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए उन्नत आंतरिक सज्जा और शानदार सुविधाओं से सुसज्जित है। ट्रेन में चार एसी विस्टाडोम प्रकार के कोच शामिल हैं, जिसमें 144 यात्रियों की बैठने की क्षमता वाले तीन वातानुकूलित एग्जीक्यूटिव चेयर कार कोच शामिल हैं। बढ़िया भोजन अनुभव के लिए एक एसी रेस्तरां डाइनिंग कार भी है, जिसमें 28 यात्री बैठ सकते हैं।

स्टीम हेरिटेज स्पेशल ट्रेन पर्यटक–अनुकूल ट्रेनों को बढ़ावा देने और भारतीय रेल की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने की दिशा में एक कदम है। इस विशेष ट्रेन में स्टीम लोको के समान संशोधित मेमू ड्राइविंग मोटर कार के दो लोको शामिल हैं जो ट्रेन के दोनों सिरों से जुड़े हुए हैं। स्टीम लोको पहले स्वदेश निर्मित स्टीम लोको नंबर F734 के लुक और अनुभव जैसे हैं। पुराने जमाने के भाप इंजन का अहसास कराने के लिए इसमें भाप की व्यवस्था और हॉर्न की आवाज की व्यवस्था शामिल की गई है, जो पुरानी यादें ताजा कर देगी। सुखद और आरामदायक यात्रा अनुभव के लिए इन चार कोचों को आधुनिक सुविधाओं के साथ इंटीरियर और फिटिंग को सौंदर्यपूर्ण रूप से डिज़ाइन किया गया है। इस विशेष ट्रेन की डिजाइनिंग और रेट्रोफिटमेंट का काम दक्षिणी रेलवे के ईएमयू कार शेड, आवडी और कैरिज वर्क्स, पेरम्बूर के संयुक्त प्रयासों से सफलतापूर्वक किया गया है।■

भारत और बांग्लादेश के बीच अखौरा-अगरतला अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी रेल लाइन परियोजना का उद्घाटन



भारत और बांग्लादेश के बीच अखौरा-अगरतला अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी रेल लाइन परियोजना का उद्घाटन करते हुए भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की माननीय प्रधानमंत्री, शेख हसीना

भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की माननीय प्रधानमंत्री, शेख हसीना ने दिनांक 1 नवंबर, 2023 को भारत और बांग्लादेश के बीच 'अखौरा-अगरतला अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी रेल लाइन परियोजना' का आभासी रूप से उद्घाटन किया। 12.24 किमी लंबी (भारत में 5.46 किमी और बांग्लादेश में 6.78 किमी) यह रेलवे लाइन बांग्लादेश के अखौरा को निश्चिंतपुर में एक अंतरराष्ट्रीय आव्रजन स्टेशन के माध्यम से जोड़ेगी, जो भारत और बांग्लादेश के बीच यात्री और माल दोनों के आदान-प्रदान के लिए एक दोहरे आमान वाला स्टेशन होगा।

इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि दोनों देश एक बार फिर भारत-बांग्लादेश सहयोग की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए हैं। बांग्लादेश पहली बार पूर्वोत्तर से रेल संपर्क से जुड़ा है। माननीय प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह रेल लिंक न सिर्फ पर्यटन क्षेत्र को बल्कि पूर्वोत्तर के आर्थिक विकास को भी काफी बढ़ावा देगा।

भारतीय रेल पड़ोसी देशों को जोड़ने वाली कई नई रेलवे लाइन परियोजनाओं को क्रियान्वित करके माननीय प्रधानमंत्री के 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और 'नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी' के दृष्टिकोण की दिशा में महत्त्वपूर्ण काम कर रही है। भारत और बांग्लादेश के बीच अखौरा-अगरतला अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी रेल लाइन परियोजना का निर्माण ऐसी महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है।

नई रेल परियोजना व्यापार और वाणिज्य को बढ़ाने के अलावा दोनों देशों के बीच लोगों के बीच संपर्क को काफी बढ़ावा देगी। पूरी तरह से चालू होने पर यह नई रेल लाइन सीमावर्ती क्षेत्रों में लघु उद्योगों को विकसित करने और दोनों देशों, विशेष रूप से त्रिपुरा में पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करेगी। इससे वस्तुओं के निर्यात और आयात में तेजी आएगी और स्थानीय उत्पादकों को अपनी उपज को देश के बाहर तेजी से निर्यात करने में मदद मिलेगी। भारत के विभिन्न हिस्सों से माल ढोने वाली रेलगाड़ियाँ बहुत कम परिवहन लागत के साथ बांग्लादेश के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र तक पहुँच सकती हैं। साथ ही, ढाका के रास्ते अगरतला और कोलकाता के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा।

त्रिपुरा में निश्चिंतपुर रेलवे स्टेशन, जिसे महत्त्वाकांक्षी अखौरा-अगरतला अंतरराष्ट्रीय रेल लिंक परियोजना के एक हिस्से के रूप में विकसित किया गया है, को भूमि सीमा शुल्क स्टेशन (एलसीएस) के रूप में चिह्नित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों और मालवाहक कार्गो की सुविधा के लिए एक यात्री और कार्गो टर्मिनल का निर्माण किया गया है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्टेशन यार्ड माल और यात्रियों की ट्रांसशिपमेंट सुविधा के साथ-साथ भारत-बांग्लादेश व्यापार के उद्देश्य को भी पूरा करेगा। इसके अलावा, स्टेशन यार्ड का उपयोग सुरक्षा उद्देश्यों और बांग्लादेश से आने-जाने वाले यात्रियों के दस्तावेजों की जाँच के लिए किया जाएगा।■

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर झारखण्ड के राज्यपाल श्री सी.पी. राधकृष्णन और झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन भी उपस्थित थे



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 15 नवम्बर, 2023 को झारखंड के खूंटी में जनजातीय गौरव दिवस, 2023 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान झारखंड में कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। जिसमें रेल की हटिया-पकरा खंड, तलगरिया-बोकारो खंड और जारंगडीह-पतरातू खंड का दोहरीकरण शामिल है। इसके अलावा, झारखंड राज्य में शत-प्रतिशत रेलवे विद्युतीकरण की उपलब्धि भी प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित की गई।

इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा झारखंड के राज्यपाल श्री सी. पी. राधाकृष्णन, झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन और केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा उपस्थित थे।■

रेल पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

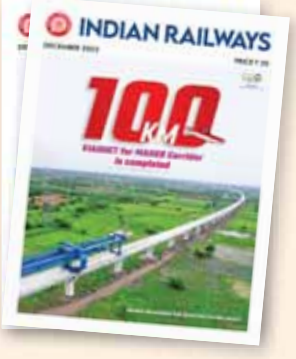
रेल मंत्रालय द्वारा
विगत 65 वर्षों से भी
अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं



भारतीय रेल
(हिन्दी)

की सदस्यता अब
ऑनलाइन
भी उपलब्ध

विज़िट करें



Indian Railways
(English)

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home

वरें एवं शर्तें लागू

रेल मंत्री ने दिखाई मऊ-मुंबई नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी



वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मऊ से मुंबई के लिए नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मऊ के मध्य साप्ताहिक नई ट्रेन का शुभारम्भ दिनांक 22 नवम्बर, 2023 को मऊ-प्रयागराज जं. उद्घाटन ट्रेन सेवा को केन्द्रीय रेल, संचार, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारतीय रेल को देश के विकास की एक बड़ी कड़ी मानते हैं। रेलवे को ट्रान्सफार्म किया जा रहा है और उत्तर प्रदेश में रेलवे का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण किया जा चुका है। रेलवे के इन्फ्रास्ट्रक्टचर को मजबूत किया जा रहा है। इसके लिए रेलवे में निवेश पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसके फलस्वरूप नई सुविधायें उपलब्ध कराने के साथ रोज़गार के अवसर बढ़ाये जा रहे हैं।

रेल मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश हर दृष्टि से महत्त्वपूर्ण एक विशाल राज्य है, जिसको देखते हुए वित्त वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश में रेलवे के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार एवं विकास हेतु बजट में ₹17,507 करोड़ का आवंटन किया गया जो वित्त वर्ष 2009-14 के औसत बजट आवंटन ₹1,109 करोड़ से लगभग 16 गुना अधिक है। इस समय उत्तर प्रदेश में ₹98,000 करोड़ की रेल परियोजनाएँ चल रही है। उत्तर प्रदेश में आगामी 50 वर्षों की आवागमन सम्बन्धी आवश्यकताओं को देखते हुए 156 स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य किया जा रहा है, जिसमें मऊ जं. स्टेशन भी सम्मिलित है। इन स्टेशनों को वर्ल्ड क्लास बनाया जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री ने 508 स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास किया था। मऊ जं. स्टेशन के पुनर्विकास की डिज़ाइन तैयार की जा चुकी है। श्री वैष्णव ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री ने 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना जारी की है, जिसके माध्यम से स्टेशनों पर स्टॉल उपलब्ध कराकर बुनकरों, शिल्पकारों आदि को रोज़गार उपलब्ध कराने के साथ ही उनके उत्पाद को विश्वस्तर पर पहचान दिलायी जा रही है।

मऊ में आयोजित समारोह में नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोज़गार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार श्री अरविन्द कुमार शर्मा, श्रम एवं सेवा योजना मंत्री, उत्तर प्रदेश श्री अनिल राजभर, सदस्य विधान परिषद श्री यशवन्त, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर, मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव सहित क्षेत्रीय जनता उपस्थित थी। समारोह का संचालन मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह ने किया।■



मऊ-मुंबई ट्रेन सेवा के अवसर पर मऊ तथा मुंबई स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम

रेल मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुरक्षा समीक्षा बैठक की

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर भारतीय रेल के संरक्षा पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की।

25 नवंबर, 2023 को रेल मंत्रालय के बोर्ड सदस्यों, जोनल अधिकारियों और मंडल अधिकारियों तथा आरडीएसओ के अधिकारियों के साथ बैठक में विभिन्न संरक्षा पहलुओं पर चर्चा की गई। स्वचालित सिग्नलिंग, चालक दल के लंबे घंटे, यार्ड आधुनिकीकरण और यार्ड बुनियादी ढांचे में सुरक्षा के विभिन्न सुरक्षा पहलुओं पर चर्चा की गई। डस्टर प्रबंधन टीम पर जोर दिया गया। इसके अलावा पाक्षिक सुरक्षा कार्ययोजना बनाने और उसकी नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गये।



रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने श्रीमती जया वर्मा सिन्हा, अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सुश्री अंजलि गोयल, सदस्य वित्त, श्री रूप नारायण सुनकर, सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर और अन्य बोर्ड सदस्यों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में भाग लिया



20 नवंबर, 2023 को विशाखापत्तनम तक विस्तारित बनारस-संबलपुर एक्सप्रेस को केन्द्रीय रेल, संचार, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव तथा शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस विस्तार से पश्चिमी और दक्षिणी ओडिशा के निवासियों के लिए आवागमन आसान हो गया।



दिनांक 27 अक्टूबर, 1860 को स्थापित सूरत रेलवे स्टेशन का स्थापना दिवस केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर उन्होंने केक कटिंग कर लोगों को बधाई दी।



उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दिनांक 28 अक्टूबर, 2023 को (ट्रेन संख्या 14090/14089) कोटद्वार–दिल्ली–कोटद्वार नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई गई। इस रेल सेवा के संचालन से उत्तराखंड और दिल्लीवासियों को रेल कनेक्टिविटी का एक और विकल्प मिलेगा।

माननीय सांसदों द्वारा ट्रेनों के ठहराव व अन्य सुविधाओं का उद्घाटन

एसएमवीटी बेंगलुरु रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म संख्या 2/3, 4/5 और 6/7 पर तीन यात्री लिफ्टें लगाई गईं और उन्हें दिनांक 1 नवंबर, 2023 से यात्रियों के उपयोग के लिए खोल दिया गया।



इस अवसर पर श्री पी.सी. मोहन, सांसद बेंगलुरु, सेंट्रल ने सुझाव दिया कि लिफ्टों का उद्घाटन नागरिक कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाए। सांसद के निर्देशानुसार हाउस कीपिंग स्टाफ, पोर्टर्स सहित अन्य सहकर्मियों ने रिबन काटकर लिफ्टों का उद्घाटन किया। लिफ्टों को ₹80.62 लाख की लागत से स्थापित किया गया है। प्रत्येक लिफ्ट की क्षमता 20 व्यक्तियों को ले जाने की है।■



सांसद, कुशीनगर श्री विजय कुमार दुबे ने दिनांक 30 सितम्बर, 2023 को पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के रामकोला स्टेशन पर ट्रेन संख्या 15113 गोमती नगर–छपरा कचहरी एक्सप्रेस का प्रायोगिक आधार पर नये ठहराव का शुभारम्भ रामकोला स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में किया।■

सांसद, गोरखपुर श्री रवि किशन शुक्ला ने दिनांक 7 अक्टूबर, 2023 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के पीपीगंज एवं कैम्पियरगंज स्टेशनों पर ट्रेन संख्या 15069/15070 गोरखपुर–ऐशबाग–गोरखपुर एक्सप्रेस का प्रायोगिक आधार पर नये ठहरावों का शुभारम्भ पीपीगंज एवं कैम्पियरगंज स्टेशनों पर आयोजित समारोह में किया। दिनांक 8 अक्टूबर, 2023 को एक अन्य कार्यक्रम



में सांसद श्री रवि किशन शुक्ला ने पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के सहजनवा स्टेशन पर ट्रेन संख्या 11123 ग्वालियर–बरौनी एक्सप्रेस का प्रायोगिक आधार पर नये ठहराव का शुभारम्भ सहजनवा स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में किया।■

सांसद श्री एस.एस. अहलूवालिया ने 18 अक्टूबर, 2023 को पानागढ़ स्टेशन पर नए स्टॉपेज के साथ सियालदह–बलिया एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्री अहलूवालिया ने 13019 हावड़ा–काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस एवं 13022 रक्सौल–हावड़ा मिथिला एक्सप्रेस के पानागढ़ स्टेशन पर ठहराव की भी घोषणा की।■



राज्य मंत्री समग्र ग्राम्य विकास तथा ग्रामीण अभियंत्रण, उत्तर प्रदेश सरकार श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम और सांसद, सलेमपुर श्री रविन्दर कुशवाहा ने दिनांक 13 अक्टूबर, 2023 को पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के सलेमपुर स्टेशन पर ट्रेन संख्या 11059 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा



एक्सप्रेस का प्रायोगिक आधार पर नये ठहराव का शुभारम्भ सलेमपुर स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर किया। दिनांक14 अक्टूबर, 2023 को एक अन्य कार्यक्रम में सांसद श्री रविन्दर कुशवाहा ने पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के बेलथरा रोड स्टेशन पर ट्रेन संख्या 11038 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस का प्रायोगिक आधार पर नये ठहराव का शुभारम्भ बेलथरा रोड स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर किया।■

सांसद, देवरिया श्री रमापति राम त्रिपाठी तथा सांसद, सलेमपुर श्री रविन्दर कुशवाहा ने दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 को पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के भटनी स्टेशन पर ट्रेन संख्या 19489 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस का प्रायोगिक आधार पर नये ठहराव का शुभारम्भ विधायक, रामपुर कारखाना श्री सुरेन्द्र चौरसिया की उपस्थिति में भटनी स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर किया।■



यात्रियों के लिए सुरक्षा और आराम को और बढ़ाने के लिए, ट्रेन संख्या 12510/12509 (गुवाहाटी-एसएमवीटी बेंगलुरु-गुवाहाटी) त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस के कोचों को आधुनिक एलएचबी (लिंके हॉफमैन बुश) कोचों में बदल दिया गया है। श्रीमती रानी ओजा, संसद सदस्य (लोकसभा) ने दिनांक 29 अक्टूबर, 2023 को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से एलएचबी रेक के साथ ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।■



सांसद सदस्य, विजयपुरा, श्री रमेश सी. जिगजिनगी, ने दिनांक 1 अक्टूबर, 2023 को अलियाबाद में गुड्स शेड का उद्घाटन किया। इस गुड्स शेड में दो 20 मीटर x 650 मीटर के प्लेटफॉर्म हैं, जो लोडिंग/अनलोडिंग को सुव्यवस्थित करते हैं, समय बचाते हैं और वैगन टर्नअराउंड में सुधार करते हैं। कार्यालय कर्मचारियों और व्यापारियों की सुविधा के लिए 2 मंजिला गुड्स शेड भवन भी बनाया गया है।■



अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने ईस्ट वेस्ट मेट्रो (ग्रीन लाइन) के हावड़ा मैदान से एस्प्लानेड खंड का निरीक्षण किया



दिनांक 28 नवम्बर, 2023 को श्रीमती जया वर्मा सिन्हा अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड द्वारा ईस्ट वेस्ट मेट्रो के हावड़ा मैदान से एस्प्लानेड तक के खंड का निरीक्षण किया गया।

हावड़ा मैदान स्टेशन से शुरुआत करते हुए श्रीमती सिन्हा अध्यक्षा महोदया ने हुगली नदी के नीचे एस्प्लानेड स्टेशन तक मेट्रो में यात्रा की। उन्होंने मेट्रो और कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस परियोजना के बारे में विस्तृत चर्चा की। महाप्रबंधक श्री रेड्डी ने उन्हें ईस्ट-वेस्ट मेट्रो परियोजना के 3-डी मॉडल और योजनाबद्ध आरेख के प्रदर्शन के माध्यम से काम की प्रगति से अवगत कराया। इसके बाद श्रीमती सिन्हा द्वारा टनल वेंटिलेशन प्रणाली और इस स्टेशन पर प्रदान की जाने वाली विभिन्न यात्री सुविधाओं के साथ-साथ लिफ्टों, एस्केलेटर और एएफसी-पीसी गेटों का भी निरीक्षण किया गया। हावड़ा मैदान से मेट्रो के मोटरमैन केबिन में सफर करते हुए वे हावड़ा स्टेशन पहुँचीं। वहाँ उन्होंने पूर्व और दक्षिण पूर्व रेलवे के साथ मेट्रो रेलवे के पैसेंजर इंटरचेंजिंग प्वाइंट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को तीन रेलवे के बीच यात्रियों के सुचारू आदान-प्रदान को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

यहां उन्होंने सभी एस्केलेटर और लिफ्ट के साथ-साथ स्टेशन कूलिंग सिस्टम की भी जाँच की जो यात्रियों को एक सुलभ यात्रा का अनुभव देगा। फिर, उन्होंने हुगली नदी के नीचे सुरंग के माध्यम से यात्रा की।

एस्प्लानेड मेट्रो स्टेशन में उन्होंने उपलब्ध कराई जानेवाली यात्री सुविधाओं, संरक्षा और सुरक्षा उपायों का निरीक्षण किया और साथ ही ब्लू लाइन और ग्रीन लाइन के बीच यात्री इंटरचेंजिंग व्यवस्था का भी निरीक्षण करते हुए उन्होंने अपना निरीक्षण समाप्त किया।

इस निरीक्षण के दौरान मेट्रो रेल के महाप्रबंधक श्री पी उदय कुमार रेड्डी और अन्य वरिष्ठ मेट्रो अधिकारी और कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केएमआरसीएल) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।■

रेलवे बोर्ड की अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा आरडीएसओ का दौरा

रेलवे बोर्ड की अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती जया वर्मा सिन्हा ने दिनांक 24 नवम्बर, 2023 को आरडीएसओ का दौरा किया। महानिदेशक, आरडीएसओ, श्री अजय कुमार राणा ने रेलवे बोर्ड की अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्रीमती जया वर्मा सिन्हा का स्वागत किया।

इस अवसर पर अधिकारियों ने आरडीएसओ की हाल की उपलब्धियों और वर्तमान में चल रही परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए विस्तृत प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति के दौरान अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रेलवे बोर्ड ने कई सुधारात्मक सुझाव दिए। उन्होंने आरडीएसओ की सभी प्रमुख परियोजनाओं एवं महत्त्वपूर्ण कार्यों की गहन समीक्षा की एवं उन्हें तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर, श्री आर. सिन्हा, महानिदेशक विशेष (वी.डी.), श्री शरद कुमार जैन, अपर महानिदेशक, आर.डी.एस.ओ, श्री संजय कुमार



श्रीवास्तव, पी.ई.डी. इन्फ्रा-I, श्री पी. के. ओझा, पी.ई.डी., टी.टी.एम., डॉ. आशीष अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक प्रशासन, आरडीएसओ एवं रेलवे बोर्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।■



रेलवे बोर्ड की अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती जया वर्मा सिन्हा ने अन्य बोर्ड सदस्यों के साथ 15 नवंबर, 2023 को रेल भवन में प्रसिद्ध आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की।

सदस्य, इन्फ्रा., रेलवे बोर्ड द्वारा बाराबंकी-अयोध्या-शाहगंज रेलखंड एवं अयोध्या जं. स्टेशन का निरीक्षण

उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के अयोध्या कैंट एवं अयोध्या स्टेशन के आधुनिकीकरण के कार्यों का जायजा लेने के लिए दिनांक 22 नवम्बर, 2023 को सदस्य (इन्फ्रा.), रेलवे बोर्ड श्री रूप नारायण सुनकर ने लखनऊ का दौरा किया। श्री सुनकर ने बाराबंकी–अयोध्या–शाहगंज रेलखंड की विंडो ट्रेलिंग करते हुए इस रेलखंड पर दोहरीकरण के कार्य एवं संरक्षा व्यवस्था को गहनता से परखा। तदोपरांत उन्होंने अयोध्या जं स्टेशन पर पहुँचकर स्टेशन के निर्माण, सर्कुलेटिंग एरिया सहित अन्य व्यवस्थाओं को भलीभांति परखते हुए इन कार्यों की समीक्षा की तथा इस विषय में सम्बन्धितों को अपने आवश्यक सुझाव एवं दिशा निर्देश पारित किए। इस निरीक्षण कार्यक्रम में मंडल के अधिकारियों सहित RITES के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।■



महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल द्वारा उत्तर मध्य रेलवे का दौरा



दिनांक 9 नवम्बर, 2023 को महानिदेशक को उत्तर मध्य रेलवे/मुख्यालय में रेलवे सुरक्षा बल की सम्मानगार्ड के द्वारा सलामी दी गई। प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त कार्यालय का निरीक्षण किया गया। प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री ए एन सिन्हा द्वारा तीनों मंडलों द्वारा किए कार्यों के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया गया एवं प्रयागराज में वर्ष 2025 में होने वाले महाकुंभ की तैयारी तथा अन्य क्षेत्रीय रेल से आने वाले बल सदस्यों के रहने हेतु बैरक के निर्माण के सम्बन्ध में विस्तृत समीक्षा की गयी, महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे एवं रेलवे के अन्य विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ समन्वय गोष्ठी की गई।■

रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य, कर्षण ने चिरेका का दौरा

रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य (कर्षण) श्री विजय प्रताप सिंह ने दिनांक 17 अक्टूबर, 2023 को चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) का दौरा किया। श्री सिंह ने शॉप फ्लोर परिसर के अंदर लोको असेंबली, टीएम, शेल, बोगी और व्हील शॉप के आसपास इलाके का स्थलीय जायजा लिया। इस दौरान श्री सिंह के साथ आर.यादव, पीसीईई और श्री ए.सिन्हा, पीसीएमई सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इसके पश्चात् श्री सिंह की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन स्थित बैठक कक्ष सभागार में श्री देबी प्रसाद दाश, महाप्रबंधक और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी, जिसमें विभिन्न मामलों पर विचार-विमर्श किया गया।■



आरेडिका में अपर सदस्य उत्पादन इकाई का दौरा



आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, में दिनांक 19 अक्टूबर, 2023 को रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य (उत्पादन इकाई) श्री आर.के. मंगला ने दौरा किया। श्री मंगला ने महाप्रबंधक सभागार में आरेडिका की कोच उत्पादकता के सम्बन्ध में आरेडिका प्रशासन के साथ गहन विचार विमर्श गया। इसके साथ-साथ अपर सदस्य श्री मंगला ने फोर्ज्ड व्हील फैक्ट्री का निरक्षण किया।■



आपको यह **अंक कैसा लगा**
हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक,** भारतीय रेल, कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001

एमएएचएसआर कॉरिडोर 100 किलोमीटर वायाडक्ट तैयार



मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर परियोजना के लिए 100 कि.मी. का वायाडक्ट पूरा हो गया है।

गर्डर/ वायाडक्ट	तारीख	समयावधि/ पूरा होने का समय
प्रथम गर्डर का शुभारंभ	25 नवंबर, 2021	–
वायाडक्ट के पहले किमी का समापन	30 जून, 2022	6 महीने
50 किमी वायाडक्ट का समापन	22 अप्रैल, 2023	10 महीने
100 किमी वायाडक्ट का समापन	9 नवंबर, 2023	6 महीने

- 40 मीटर लंबे फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स और सेगमेंटल गर्डर्स के लॉन्च के माध्यम से, परियोजना ने 100 किमी वायाडक्ट के निर्माण की इस उपलब्धि को हासिल किया है।
- फुल स्पैन लॉन्चिंग तकनीक (FSLM), (जहाँ अत्याधुनिक लॉन्चिंग उपकरणों के माध्यम से 40 मीटर लंबे बॉक्स गर्डर लॉन्च किए जाते हैं), और स्पैन बाय स्पैन लॉन्चिंग सेगमेंट का उपयोग साथ-साथ किया जा रहा है।
- एफएसएलएम (FSLM) विधि, स्पैन बाय स्पैन विधि की तुलना में 10 गुना तेज है, जिसका उपयोग आमतौर पर मेट्रो वायाडक्ट्स के निर्माण के लिए किया जाता है।
- वायाडक्ट में छह (6) नदियों पर बने पुल शामिल हैं : पार (वलसाड जिला), पूर्णा (नवसारी जिला), मिंधोला (नवसारी जिला), अंबिका (नवसारी जिला), औरंगा (वलसाड जिला) और वेंगनिया (नवसारी जिला), सभी गुजरात में हैं।
- निर्मित पुल पर ध्वनि अवरोधक लगाने का काम शुरू हो चुका है।
- जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले Reinforced Concrete (RC) ट्रैक सिस्टम के ट्रैक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू हो गया है। यह पहली बार है जब भारत में जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।
- गुजरात के वलसाड जिले में 350 मीटर की पहली पहाड़ी सुरंग बनकर तैयार हो गई है।
- गुजरात के सूरत जिले में 70 मीटर लंबा पहला स्टील पुल बनाया गया है। यह 28 स्टील पुलों में से पहला है जो एमएएचएसआर कॉरिडोर का हिस्सा होगा।



भारतीय रेल ने भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में

42वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए

भारतीय रेल के पैवेलियन को मिला कांस्य पदक

(मंत्रालय और विभाग के पैवेलियन में)



आईआईटीएफ-2023 में रेल मंत्रालय के मंडप में वंदे भारत ट्रेन के मॉडल और रघुनाथ मंदिर से प्रेरित जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित डिज़ाइन का प्रदर्शन किया गया।

रेल मंत्रालय ने दिनांक 14 से 27 नवंबर, 2023 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 42वें भारत अंतराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ)-2023 में हिस्सा लिया। मंत्रालय ने केन्द्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन में 'बदलते भारत की अवसंरचना' की विषयवस्तु के साथ हॉल नंबर-5 में एक मंडप स्थापित किया था। रेलवे बोर्ड की अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती जया वर्मा सिन्हा ने भारतीय रेल के मंडप का उद्घाटन किया था। 27 नवम्बर, 2023 तक चले इस मेले में भारतीय रेल का मंडप लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहा।



फीता काटकर भारतीय रेल के मंडप का उद्घाटन करती हुईं, श्रीमती जया वर्मा सिन्हा अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

आईआईटीएफ 2023 की विषयवस्तु- 'वसुधैव कुटुंबकम-व्यापार के माध्यम से एकता' से प्रेरणा लेते हुए भारतीय रेल ने इस मंडप में अपनी यात्रा को प्रदर्शित किया था। साथ ही यह बताया था कि कैसे भारतीय रेल ने विश्व के अन्य देशों में लोको, कोच और डेमू ट्रेनों का निर्यात करके वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। इसके अलावा मंडप में नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन को लेकर भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को भी दिखाया गया था।

इस मंडप में भारतीय रेल के कई पहलुओं को रेखांकित किया गया था, जहाँ विभिन्न विषयवस्तुओं को चित्रों, ट्रांसलाइट और मॉडल आदि के माध्यम से उनकी तकनीकी व संरचनात्मक प्रगति के साथ प्रदर्शित किया गया था।

रेल मंडप के बाहरी हिस्से में वंदे भारत ट्रेन के मॉडल व रघुनाथ मंदिर से प्रेरित जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के प्रस्तावित डिज़ाइन को दिखाया गया था, जो पूरे देश के 1,309 स्टेशनों के लिए शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास योजना को प्रदर्शित करता था।

'बदलते भारत की अवसंरचना' की एक झलक दिखाई



भारतीय रेल के मंडप में लगे मॉडल आम जनता के लिए बने आकर्षण का केन्द्र

इस मंडप में विभिन्न प्रारूपों को प्रदर्शित किया गया था। इनमें यूएसबीआरएल परियोजना (कटरा–बनिहाल खंड), राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल परियोजना पर प्रस्तावित सूरत स्टेशन, वंदे भारत ट्रेन, पंबन ब्रिज वर्टिकल गर्डर, बोगीबील ब्रिज और दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे आदि शामिल थे।

रेल मंडप को भारत के बुनियादी ढांचे में रूपांतरण, विरासत भी विकास भी, नारी शक्ति का उत्सव, ज्ञान वृक्ष जैसे खंडों में विभाजित किया गया था। कोई भी व्यक्ति हर एक खंड में मॉडल और उससे सम्बन्धित जानकारी प्राप्त कर सकता था। वहीं, नारी शक्ति खंड में एक सेल्फी बूथ आगंतुकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा था।

रेल मंडप में हर आयु वर्ग के दर्शकों के लिए दिलचस्प चीजें उपलब्ध थीं। इसके अलावा शैक्षणिक व ज्ञानप्रद होने और आनंद प्रदान करने के साथ बच्चों के मनोरंजन उद्देश्य से भारतीय रेल की प्राकृतिक सुंदरता के वीडियो प्रदर्शित करने वाली इंटरएक्टिव स्क्रीन,



श्रीमती जया वर्मा सिन्हा, अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने रेल मंत्रालय मंडप में लगे पत्रिका खंड की मुलाकात कर 'भारतीय रेल' तथा 'इंडियन रेलवेज' पत्रिकाओं में गहरी रुचि दिखाई

भारतीय रेल के बारे में अधिक जानने के लिए संवादात्मक प्रश्नोत्तरी और रेलवे की नौ साल की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया था। आईआईटीएफ–2023 में रेल के मंडप की यात्रा करना लोगों के लिए जानकारीपूर्ण एवं आनंददायक रहा।■



पुरस्कार के साथ जनसंपर्क निदेशालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ श्री शिवाजी मारुति सुतार, निदेशक (सूचना एवं प्रचार) रेलवे बोर्ड

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में सहेजकर रखे गये चार इंजनों को मिला इंजीनियरिंग हैरिटेज पुरस्कार



'इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स इंजीनियरिंग हैरिटेज अवॉर्ड' समारोह के दौरान रेलवे बोर्ड के सचिव श्री मिलिंद के. देउस्कर के साथ आईएमईसीएचई के अध्यक्ष श्री गाइल्स हार्टिल

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, भारतीय रेल के 170 वर्षों की समृद्ध विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। एक रेलवे यार्ड की स्थापना का अनुकरण करते हुए, इस संग्रहालय में भाप, डीजल और बिजली के अनेक प्रकार के इंजनों के साथ-साथ रॉयल सैलून, वैगन, कैरिज, बख्तरबंद गाड़ियां, रेलकार और एक टर्न-की (इंजन की दिशा बदलने वाला घूमता मंच) भी है। भीतरी गैलरी में प्रदर्शित किए गए इंटरएक्टिव डिस्पले, भारतीय रेल की शैशव अवस्था से आज तक के यातायात विकासक्रम को दर्शाते हैं।

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में बेहतर रख-रखाव के साथ रखे गए वास्तविक आकार के 4 रेल इंजनों को लंदन (यू.के.) स्थित इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स के प्रेसिडेंट मिस्टर गिल्स हार्टिल द्वारा दिनांक 28 नवम्बर, 2023 को राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि एवं रेलवे बोर्ड के सचिव श्री मिलिंद के. देउस्कर की उपस्थिति में 'इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स इंजीनियरिंग हैरिटेज अवॉर्ड' दिया गया।

इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स एक स्वायत्त और प्रबुद्ध पेशेवर संस्था है। इसका मुख्यालय लंदन, युनाइटेड किंगडम में है। यह संस्था यांत्रिक इंजीनियर और इंजीनियरिंग पेशे से जुड़े लोगों का प्रतिनिधित्व करती है। रेलवे, ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस, उत्पादन, ऊर्जा, बॉयोमेडिकल और निर्माण जैसे उद्योगों में काम कर रहे 140 देशों के 1,20,000 सदस्यों वाली इस संस्था को अपने रजिस्टर ऑफ चार्टर्ड इंजीनियर्स, इन-कॉरपोरेट इंजीनियर्स और इंजीनियरिंग टेक्नीशियन्स में उम्मीदवारों का निर्धारण करने का लाइसेंस प्राप्त है।



पुरस्कृत चार इंजनों की संक्षिप्त जानकारी



WAG1 20710 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव-भारत में निर्मित पहला 25kVAC इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव, 1963 में चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स से जारी किया गया था। ब्रॉड-गेज माल ढुलाई इंजनों की यह श्रेणी 2002 तक सेवा में थी, जिसने भारत के विकास में योगदान दिया। 85 टन वजनी यह 2840 एचपी लोकोमोटिव 80 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकता था।



जॉन मॉरिस फायर इंजन-1914 में सैलफोर्ड, मैनचेस्टर में निर्मित और हैदराबाद के सातवें और आखिरी निजाम, मीर उस्मान अली खान द्वारा निजाम स्टेट रेलवे के लालागुडा कैरिज एंड वैगन वर्कशॉप के लिए भारत लाया गया। यह लगभग चार दशकों के बाद, 1960 में सेवानिवृत्त हो गया और अभी भी कार्यशील स्थिति में है।



पटियाला स्टेट मोनोरेल ट्रामवे (पीएसएमटी)-भारत में पहली स्टीम मोनोरेल के लिए ओरेनस्टीन और कोप्पेल द्वारा निर्मित, सरहिंद से आलमपुर और पटियाला से पंजाब के सुनाम तक ट्रामवे को ईविंग सिस्टम का उपयोग करके सीडब्ल्यू बाउल्स द्वारा डिज़ाइन किया गया था। लोकोमोटिव 1909 से 1927 के आसपास तक संचालित हुआ। इसे 1976 में फिर से बहाल किया गया।



F1 734 स्टीम लोकोमोटिव-पूरी तरह से भारत में निर्मित पहला स्टीम लोकोमोटिव। 1895 में अजमेर वर्कशॉप में डब्स एंड कंपनी ग्लासगो द्वारा डिज़ाइन किया गया एक मीटर गेज लोकोमोटिव। इसका उपयोग 1958 तक राजपूताना-मालवा रेलवे (आरएमआर) और बाद में बॉम्बे, बड़ौदा और सैंट्रल इंडिया रेलवे (बीबी एंड सीआई) पर मिले-जुले यातायात के लिए किया जाता था।■



भारतीय रेल की 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना

यह कैसे शुरू हुआ ?

केंद्रीय बजट 2022-23 में वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (OSOP) योजना की घोषणा की गई थी। इस योजना का उद्देश्य देश भर के रेलवे स्टेशनों पर बिक्री आउटलेट के प्रावधान के माध्यम से स्थानीय कारीगरों, कुम्हारों, बुनकरों/हथकरघा बुनकरों, शिल्पकारों आदि को कौशल विकास के माध्यम से बढ़ी हुई आजीविका के अवसर प्रदान करना है। पायलट प्रोजेक्ट दिनांक 25 मार्च, 2022 को 19 स्टेशनों पर 15 दिनों के लिए लॉन्च किया गया था। पायलट परियोजनाओं से प्राप्त अनुभव के आधार पर, ओएसओपी नीति 2022 के वाणिज्यिक परिपत्र संख्या 12 के माध्यम से दिनांक 20 मई, 2022 को जारी की गई थी।

9 नवंबर, 2023 तक, 1,037 स्टेशनों पर 1,134 ओएसओपी आउटलेट चालू हो चुके थे।



ओएसओपी स्टॉल कैसे आवंटित किए जाते हैं ?

इस योजना के तहत, भारतीय रेल स्वदेशी/स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने, बेचने और उच्च दृश्यता देने के लिए एनआईडी/अहमदाबाद द्वारा विकसित डिज़ाइन के अनुसार स्टेशनों पर विशिष्ट रूप, भाव और लोगो के साथ विशिष्ट रूप से डिज़ाइन किए गए बिक्री आउटलेट प्रदान कर रही है। आवेदकों को आवंटन निविदा प्रक्रिया द्वारा किया जाता है, जो स्टेशनों पर लॉटरी के माध्यम से रोटेशन के आधार पर योजना के उद्देश्यों को पूरा करते हैं।

कितने हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया ?



पटना जं. (पूर्व मध्य रेलवे)
'मधुबनी पेंटिंग और सम्बन्धित उत्पाद'

दिनांक 9 नवंबर, 2023 तक कुल 39,847 प्रत्यक्ष लाभार्थियों ने इस योजना के तहत दिए जा रहे अवसरों का लाभ उठाया है। प्रति

वोकल फॉर लोकल





आवंटन 5 की दर से अप्रत्यक्ष लाभार्थियों को माना जाए, कुल लाभार्थी 1,43,232 हो जाते हैं। कुल बिक्री ₹49.58 करोड़ दर्ज की जा चुकी है।



सिकंदराबाद (दक्षिण मध्य रेलवे)

ओएसओपी और आउटरीच के पीछे का दृष्टिकोण

ओएसओपी नीति में यह परिकल्पना की गई है कि इस योजना का लाभ लक्षित समूहों यानी सामाजिक पिरामिड की अंतिम पायदान पर मौजूद लोगों तक पहुँचना चाहिए और सभी आवेदकों को अवसर मिलना चाहिए। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, रेलवे अधिकारियों द्वारा समाचार-पत्रों में विज्ञापन, सोशल मीडिया, सार्वजनिक घोषणाएं, प्रेस सूचनाएं, कारीगरों से व्यक्तिगत मुलाकात आदि सहित सार्वजनिक संपर्क के विभिन्न उपाय अपनाए गए हैं।



ओएसओपी में उत्पाद

उत्पादों की श्रेणी उस स्थान के लिए स्वदेशी/स्थानीय होगी और इसमें स्थानीय कारीगरों, बुनकरों, शिल्पकारों, जनजातियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियां, हस्तशिल्प, कपड़ा और हथकरघा, खिलौने, चमड़े के उत्पाद, पारंपरिक उपकरण/उपकरण, वस्त्र, रत्न और आभूषण आदि और उस क्षेत्र में स्वदेशी रूप से निर्मित/उगाए गए प्रसंस्कृत, अर्ध प्रसंस्कृत और अन्य खाद्य उत्पाद शामिल हो सकते हैं।■



आरडीएसओ द्वारा हाई-हॉर्स पॉवर डीजल लोकोमोटिव इंजन पर 15% मेथनॉल मिश्रित डीजल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया



भारतीय रेल डीजल इंजनों में ईंधन के रूप में खनिज डीजल के स्थान पर मेथनॉल का उपयोग करने का प्रयास कर रही है, जिससे प्रति वर्ष लगभग 1.6 बिलियन लीटर डीजल ईंधन की खपत को कम किया जा सके, जिस पर ₹15,200 करोड़ का वार्षिक व्यय होता है। इस सम्बन्ध में आरडीएसओ भारतीय रेल में लोकोमोटिव इंजनों पर डीजल ईंधन की खपत को कम करने के लिए ईंधन के रूप में 15% मेथनॉल मिश्रित डीजल का उपयोग करने से सम्बंधित एक परियोजना पर कार्य कर रहा है। एक एकल अणु ईंधन एवं स्वच्छ दहन के कारण ईंधन के रूप में मेथनॉल का उपयोग भारत सरकार के मेथनॉल मिशन द्वारा संचालित है। दूसरी ओर खनिज डीजल को पूर्ण दहन के लिए अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है।

आरडीएसओ इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से MD15 ईंधन विकसित करने पर कार्य कर रहा है जिसमें डीजल और मेथनॉल के मिश्रण में (v/v) 71% खनिज डीजल, 15% मेथनॉल और 14% कपलर एडिटिव (आईओसीएल द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित) होता है। आरडीएसओ द्वारा आईओसीएल द्वारा आपूर्ति किए गए MD15 ईंधन के साथ अपने अनुसंधान इंजन परीक्षण बेड पर विस्तृत इंजन परीक्षण किए गए। खनिज डीजल की तुलना में MD15 ईंधन के साथ 4500 HP डीजल लोकोमोटिव इंजन के प्रदर्शन, उत्सर्जन और दहन से सम्बंधित प्रयोग किए गए। MD15 ईंधन के साथ 4500 एचपी डीजल इंजन के इष्टतम प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए इंजन के कुछ महत्त्वपूर्ण मापदंडों, जैसे ईंधन इंजेक्शन समय का पता लगाने के लिए विभिन्न परीक्षण किए गए।

इन परीक्षणों के बाद यह पाया गया कि MD15 ईंधन वाले इंजन की ब्रेक स्पेसिफिक एनर्जी कन्सप्शन (बीएसईसी) MD15 की उच्च दहन दक्षता के कारण डीजल ईंधन से कम है। यह प्रदर्शन सभी इंजन नॉच पर देखा गया और दो ईंधनों के बीच बीएसईसी में अंतर लगभग स्थिर पाया गया। यह भी देखा गया कि MD15 ईंधन वाले इंजन में, बेसलाइन डीजल की तुलना में सिलेंडर का तापमान सभी स्तरों पर कम था, जिसका इंजन घटकों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। MD15 ईंधन वाले इंजन के साथ NOx उत्सर्जन काफी कम था जो एक हानिकारक प्रदूषक है जो वायुमंडलीय धुंध और सतह के पास ओजोन गठन का कारण बनता है और फेफड़ों के लिए भी हानिकारक है। एमडी15 ईंधन वाले इंजन से पार्टिकुलेट मैटर का उत्सर्जन भी काफी कम था और एमडी15 इंजन से निकलने वाला धुंआ डीजल एग्जॉस्ट पार्टिकुलेट जो हानिकारक हैं और कार्सिनोजन के रूप में जाने जाते हैं की तुलना में बिना किसी अपारदर्शिता के साफ था।

समस्त रूप से MD15 ईंधन वाले इंजन ने खनिज डीजल ईंधन वाले इंजन की तुलना में बेहतर प्रदर्शन, उत्सर्जन और दहन विशेषताओं का प्रदर्शन किया और आशा है कि MD15 ईंधन के उपयोग से डीजल ईंधन की खपत को 15% कम किया जा सकेगा जिसके परिणामस्वरूप प्रति वर्ष ₹2,280 करोड़ की वार्षिक बचत होगी। आबू रोड डीजल शेड के दो डीजल लोकोमोटिव को फील्ड ट्रायल के लिए नामांकित किया गया है एवं एक महीने के फील्ड परीक्षण के बाद भारतीय रेल के सभी डीजल इंजनों पर एमडी15 ईंधन पर स्विच करने की योजना बनाई गई है।■

आरपीएफ ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत अक्टूबर माह में 601 से अधिक बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया

आरपीएफ यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और आराम सुनिश्चित करने का काम पूरी जिम्मेदारी से कर रहा है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) रेलवे संपत्ति, रेलवे प्लेटफॉर्मों तथा स्टेशनों के अन्य क्षेत्रों के साथ ही यात्रियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह बल यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और आराम के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है।

अक्टूबर 2023 में भी आरपीएफ ने अपनी इस प्रतिबद्धता को पूरा करने के साथ ही अपने ग्राहकों को विश्वसनीय माल ढुलाई सेवा प्रदान करने में भारतीय रेल की मदद की। आरपीएफ ने महती सुरक्षा उपायों और अपराध होने पर उनकी बखूबी जाँच कर देश भर में फैली रेलवे की विशाल संपत्ति की सुरक्षा का काम पूरी सफलता से अंजाम दिया।

अक्टूबर 2023 के दौरान आरपीएफ की उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है–

ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते'–खोए हुए बच्चों को बचाना : मिशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत, आरपीएफ ने 601 से अधिक बिछड़े हुए बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये बच्चे अलग-अलग वजहों से अपने परिवारों से बिछड़ गए थे। आरपीएफ ने उन्हें उनके परिवारों से मिलाने के लिए अथक प्रयास किया।

मानव तस्करी विरोधी प्रयास (ऑपरेशन एएएचटी) : आरपीएफ की मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (एएचटीयू) ने देशभर में भारतीय रेल के स्टेशनों पर मानव तस्करों की योजनाओं को विफल करने के लिए लगातार काम किया। अक्टूबर 2023 में आरपीएफ ने 39 लोगों को तस्करों के चंगुल से बचाया।

ऑपरेशन 'जीवन रक्षा'–जीवन बचाना : ऑपरेशन 'जीवन रक्षा' के तहत अक्टूबर 2023 में आरपीएफ की सतर्क और त्वरित कार्रवाई से प्लेटफॉर्म और रेलवे ट्रैकों पर ट्रेन के नीचे आने से पहले ही करीब 262 यात्रियों की जान बचाई गई।

महिला यात्रियों को सशक्त बनाना–'मेरी सहेली' पहल : आरपीएफ ने महिला यात्रियों की सुरक्षा को पूरी गंभीरता से लेते हुए 'मेरी सहेली' पहल शुरू की है। अक्टूबर 2023 के दौरान, 232 'मेरी सहेली' टीमों ने 13,664 ट्रेनों में 423,803 महिला यात्रियों की सुरक्षित यात्रा को सुनिश्चित किया। इसके अलावा आरपीएफ ने महिलाओं के लिए आरक्षित कोचों में सवार पाए गए 5,722 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की।

दलालों पर नकेल कसना (ऑपरेशन 'उपलब्ध') : दलालों के खिलाफ कार्रवाई में, आरपीएफ ने अक्टूबर 2023 में 490 लोगों



को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 42 अवैध सॉफ्टवेयर के साथ ही ₹43.96 लाख मूल्य के अगली तिथियों के टिकट भी जब्त किए।

ऑपरेशन 'नार्कोस'–नशीली दवाओं से जुड़े अपराधों का मुकाबला : आरपीएफ ने एक सराहनीय प्रयास में, अक्टूबर 2023 के दौरान 99 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनसे ₹5.99 करोड़ मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए। इन अपराधियों को कानूनी कार्रवाई के लिए अधिकार प्राप्त एजेंसियों को सौंप दिया गया।

यात्रियों की चिंताओं पर तत्काल ध्यान देना : आरपीएफ ने रेल मदद पोर्टल और हेल्पलाइन (नंबर 139 आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली नंबर 112 के साथ एकीकृत) के जरिये यात्रियों की सुरक्षा सम्बन्धी शिकायतों का तुरंत समाधान किया। आरपीएफ को अक्टूबर 2023 में इस तरह की 30,300 से अधिक शिकायतें मिलीं जिन्हें हल करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई।

ऑपरेशन 'यात्री सुरक्षा'–यात्रियों की सुरक्षा : आरपीएफ रेल यात्रियों के खिलाफ अपराधों को रोकने और उनका पता लगाने में पुलिस की मदद करती है। अक्टूबर 2023 में, आरपीएफ ने यात्रियों के खिलाफ अपराधों में शामिल 256 अपराधियों को गिरफ्तार किया और उन्हें सम्बन्धित जीआरपी/पुलिस को सौंप दिया।

'ऑपरेशन संरक्षा' के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करना : यात्री सुरक्षा और रेल सेवाओं की सुरक्षा के प्रयास के तहत आरपीएफ ने अक्टूबर 2023 में चलती ट्रेनों पर पथराव करने वाले 33 लोगों को गिरफ्तार किया।

जरूरतमंदों की सहायता (ऑपरेशन सेवा) : आरपीएफ ने अक्टूबर 2023 में अपनी रेल यात्रा के दौरान 272 बुजुर्ग, बीमार या घायल यात्रियों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए सहायता प्रदान की।

अवैध माल परिवहन पर अंकुश (ऑपरेशन सतर्क) : 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत, आरपीएफ ने ₹10,33,149 कीमत के अवैध तंबाकू उत्पाद जब्त किए और ₹26,12,656 की अवैध शराब के साथ 127 लोगों को गिरफ्तार किया और उन्हें सम्बन्धित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सौंप दिया गया।■

भारतीय रेल ने विशेष अभियान 3.0 सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया पूर्ण



- 11.80 लाख वर्ग फुट स्थान रिक्त हुआ और ₹224.95 करोड़ (लगभग) का राजस्व सृजित हुआ
- अभियान के दौरान 2.88 लाख से अधिक जन शिकायतों का समाधान किया गया
- रिकॉर्डिंग और छंटनी के उद्देश्य से 1.70 लाख से अधिक फाइलों की समीक्षा की गई

प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारत सरकार ने विशेष अभियान 3.0 आरंभ किया, जो सर्वत्र स्वच्छता, सार्वजनिक मामलों के लंबित मामलों को कम करने और कार्य स्थलों पर कार्य-संस्कृति में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है। उपर्युक्त पहल के भाग के रूप में भारतीय रेल द्वारा बढ़े हुए उत्साह और स्वच्छता तथा सुशासन को और बढ़ावा देने के व्यापक लक्ष्य के साथ 2 से 31 अक्टूबर, 2023 तक विशेष अभियान 3.0 चलाया गया।

यह अभियान भारतीय रेल में अत्यधिक सफल रहा है। देशव्यापी अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए देश भर में फैले भारतीय रेल के विभिन्न स्तरों पर नोडल अधिकारियों को नामित किया गया। सभी स्तर के कर्मचारी कार्यस्थलों पर स्वच्छता अर्जित करने और लंबित मामलों का निपटान करने के लिए सक्रिय रूप से शामिल थे। सभी नोडल अधिकारियों और कर्मचारियों के अथक प्रयासों के कारण रेलवे कई मानकों पर लगभग 100 प्रतिशत लक्ष्य अर्जित करने में सफल रहा।

अभियान के दौरान, क्षेत्रिय कार्यालयों, मंडल कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सार्वजनिक उपक्रमों, प्रशिक्षण संस्थानों, रेलवे कार्यशालाओं और स्टेशनों सहित संपूर्ण भारतीय रेल में 23,672 स्वच्छता अभियान आयोजित किए गए हैं। कार्यालयों और कार्यस्थलों में कबाड़ निपटान पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 11.80 लाख वर्ग फुट स्थान मुक्त कराया गया है और ₹224.95 करोड़ (लगभग) का राजस्व सृजित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, अभियान के दौरान 2.8 लाख से अधिक जन शिकायतों का समाधान किया गया है। रिकॉर्डिंग और छंटनी के उद्देश्य से 1.70 लाख से अधिक फाइलों की समीक्षा की गई है जिनमें से 1.00 लाख से अधिक अंतिम रूप से दर्ज किए गए हैं।



रेलवे स्वच्छता अभियान के आदर्शों के प्रति अपने प्रयासों को रेखांकित करने तथा कर्मचारियों और सामान्य रूप से आम लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए सोशल मीडिया (ट्विटर, फेसबुक आदि) और अन्य प्लेटफॉर्मों का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहा है। अभियान अवधि के दौरान रेलवे के विभिन्न हैंडल से 6,900 से अधिक सोशल मीडिया पोस्ट जारी किए गए और रेलवे द्वारा 114 प्रेस विज्ञप्तियाँ प्रकाशित की गईं।■



क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाईओं के समाचार



श्री आर. राजगोपाल ने महाप्रबंधक, रेल पहिया कारखाना के रूप में कार्यभार ग्रहण किया

श्री आर. राजगोपाल भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवा, 1987 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने रेल पहिया कारखाना, बेंगलूरु के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है। श्री राजगोपाल ने 6 मार्च 1989 को भारतीय रेल में कार्यग्रहण किया। उन्होंने रेलवे में विभिन्न पदों पर कार्य किया है, जिनमें अध्यक्ष रेलवे भर्ती बोर्ड/कोलकाता, मंडल रेल प्रबंधक/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे/बिलासपुर, प्रधान मुख्य यॉंत्रिक इंजीनियर/पूर्व तटीय रेलवे/भुवनेश्वर सहित विभिन्न क्षेत्रीय रेलों में प्रधान मुख्य यॉंत्रिक इंजीनियर का पद शामिल है।

उन्होंने शंघाई चाइना इंटरनेशनल रेलवे स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट एंड ल्योन, फ्रांस में रणनीतिक प्रबंधन पर आईआरएसएमआई वरिष्ठ प्रबंधक कार्यक्रम में भाग लिया है। उन्होंने एसडीए बोकोनी बिजनेस स्कूल, मिलान, इटली में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) प्रशिक्षण में भी भाग लिया है। इसके अलावा उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु से पब्लिक पॉलिसी में सफलतापूर्वक स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। पिछले सभी पदों पर सफलतापूर्वक और शानदार तरीके से प्रदर्शन करते हुए श्री आर. राजगोपाल अब रेल पहिया कारखाना, यलहंका, बेंगलुरु के शीर्ष पद महाप्रबंधक का कार्यभार संभाल रहे हैं।■

बैच से आंध्र यूनिवर्सिटी से बी. टेक और आपने आईआईटी/खड़गपुर से एम. टेक की पढ़ाई की है। श्री एस. श्रीनिवास को भारतीय रेल में 30 वर्ष से अधिक सेवा का अनुभव है। उन्होंने विभिन्न जोनल रेलवे, उत्पादन इकाइयों और आरडीएसओ में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। श्री एस. श्रीनिवास ने आरसीएफ के महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार संभालने से पहले आईसीएफ चेन्नई, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और दक्षिणी रेलवे में प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के रूप में कार्य कर चुके हैं। आरडीएसओ में कार्य करते हुए उन्होंने ईएमडी लोकोमोटिव के जीटीओ आधारित प्रणोदन को आईजीबीटी आधारित प्रणोदन में परिवर्तित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उनके पास रेल डिब्बों के संरचनात्मक और आंतरिक डिज़ाइन हेतु अंतरराष्ट्रीय परामर्श फर्मों के साथ समन्वय करने का व्यापक अनुभव है और उन्होंने एल्यूमीनियम कार डिब्बों सहित रोलिंग स्टॉक की कई विशिष्टताओं को तैयार किया है। उन्होंने 2017-18 में वंदे भारत ट्रेनों के डिज़ाइन और विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और फिर वंदे भारत ट्रेनों के डिज़ाइन के विकास और उत्पादन में विशेष योगदान दिया है। उनकी व्यवस्थित योजना और सावधानीपूर्वक अनुवर्ती कार्रवाई के कारण कम समय में 40 से अधिक वंदे भारत रेक का निर्माण हुआ।

उन्होंने वातानुकूलित ईएमयू, कोलकाता के लिए वातानुकूलित मेट्रो ट्रेन, श्रीलंका और नेपाल को निर्यात करने के लिए बने डिब्बे और विस्टाडोम यात्री डिब्बों जैसी प्रतिष्ठित परियोजनाओं में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निर्यात के लिए यात्री डिब्बों के डिज़ाइन और निर्माण में उनके योगदान के कारण भारतीय रेल को कई निर्यात के ऑर्डर प्राप्त हुए। रेलवे में अपने शानदार करियर में, उन्हें दो बार रेल मंत्री पुरस्कार और जीएम स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक पदों पर रहते हुए दुनिया के कई देशों में जाकर भारतीय रेल के लिए रोलिंग स्टॉक के विकास और निर्यात के कार्यों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।■



श्री एस. श्रीनिवास रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला के नए महाप्रबंधक

श्री एस. श्रीनिवास ने दिनांक 31 अक्टूबर, 2023 को रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। आज भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवा के 1986

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना के नए महाप्रबंधक श्री हितेंद्र मल्होत्रा ने पदभार ग्रहण किया



भारतीय रेल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर सेवा (आईआरएसईई) के 1987 बैच के अधिकारी श्री हितेंद्र मल्होत्रा ने दिनांक 1 नवंबर 2023 को आधिकारिक तौर पर चित्तरंजन रेल इंजन

कारखाना (चिरेका) के महाप्रबंधक के रूप में पदभार संभाल लिया है। इससे पूर्व, श्री मल्होत्रा प्रतिनियुक्ति पर मुख्य महाप्रबंधक (रोलिंग स्टॉक)/डीएमआरसी थे। 34 वर्षों से अधिक के अपने शानदार सेवा काल के दौरान, उन्होंने भारतीय रेल में सामान्य प्रबंधन के क्षेत्र में, डीआरएम,पश्चिम रेल और उत्तर रेल में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के संचालन और रख-रखाव तथा आरडीएसओ में स्व-उत्पादक कोचों के लिए डिज़ाइन मानकीकरण और विश्वसनीयता में सुधार के क्षेत्र में कई महत्त्वपूर्ण पदों पर सेवा प्रदान की है।■



श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय बनीं पश्चिम मध्य रेलवे की नई महाप्रबन्धक

श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने दिनांक 1 नवम्बर, 2023 को पश्चिम मध्य रेलवे में महाप्रबंधक पद का कार्यभार ग्रहण किया। श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ सिग्नल इंजीनियर्स (आईआरएसएसई) वर्ष-1987 बैच की वरिष्ठ रेल अधिकारी हैं। श्रीमती बंदोपाध्याय पश्चिम मध्य रेलवे में महाप्रबंधक के महत्त्वपूर्ण पद का कार्यभार ग्रहण करने वाली पहली महिला रेल अधिकारी हैं। महाप्रबंधक का कार्यभार ग्रहण करने से पहले वे रेलवे बोर्ड में प्रिन्सिपल एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (विजिलेंस) के पद पर कार्यरत थीं।

श्रीमती बंदोपाध्याय ने मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और उत्तर रेलवे के विभिन्न मंडलों के साथ-साथ उत्तर रेलवे के मुख्यालय एवं रेलवे बोर्ड में भी अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं। श्रीमती बंदोपाध्याय पहले भी पमरे में संकेत एवं दूरसंचार विभाग में विभिन्न पदों पर कार्यरत रही हैं।

श्रीमती बंदोपाध्याय भारतीय रेल की ऐसी विशिष्ट महिला इंजीनियर्स में से एक हैं जिन्हें रेलवे परिचालन प्रबन्धन, प्लानिंग, डिज़ाइन और नियंत्रण, रख-रखाव, निर्माण और विभिन्न परियोजना प्रबंधन में समृद्ध अनुभव प्राप्त है। उन्होंने रेलवे के कामकाजी बुनियादी ढांचे के विकास, आईटी, सिग्नल एवं टेलीकॉम सम्पत्तियों के आधुनिकीकरण, व्यवसाय विकास और ग्राहक सेवा, संरक्षा आदि विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दिया है।

रेल सेवा के दौरान उनके कार्य और नेतृत्व को विभिन्न मंचों पर सराहा गया और सम्मानित भी किया गया। नागपुर में मंडल रेल प्रबंधक के तौर पर कार्यरत रहते हुए उन्हें सम्पूर्ण भारतीय रेल में बेस्ट लीडरशीप एंड परफॉरमेंस एक्सीलेंस अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका है।■

पूर्वोत्तर रेलवे की नई महाप्रबंधक सुश्री सौम्या माथुर



सुश्री सौम्या माथुर ने दिनांक 1 नवम्बर, 2023 को पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पूर्व, आप रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में अपर सदस्य (वित्त) के पद पर कार्यरत थीं। 1952 में पूर्वोत्तर रेलवे के गठन के पश्चात् सुश्री माथुर पूर्वोत्तर रेलवे की प्रथम महिला महाप्रबंधक हैं।

सुश्री सौम्या माथुर ने भारतीय रेल लेखा सेवा (आई.आर.ए.एस.) के 1987 बैच के माध्यम से रेल सेवा में प्रवेश किया। आपकी पहली नियुक्ति वडोदरा, पश्चिम रेलवे में हुई। तत्पश्चात् आपने पश्चिम, उत्तर एवं मध्य रेलवे पर लेखा विभाग के अनेक महत्त्वपूर्ण पदों के उत्तरदायित्वों का निर्वहन बखूबी किया। सुश्री माथुर ने अपर मंडल रेल प्रबंधक, पश्चिम रेलवे/मुम्बई सेन्ट्रल, मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे/जयपुर, प्रधान वित्त सलाहकार/मेट्रो रेलवे/कोलकाता तथा प्रधान वित्त सलाहकार/दक्षिण पूर्व रेलवे/कोलकाता जैसे महत्त्वपूर्ण पदों पर कुशलतापूर्वक कार्य किया।■

पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में राजभाषा पखवाड़ा पुरस्कार वितरण समारोह



पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक कार्यालय, जबलपुर में 'राजभाषा पखवाड़ा-2023' का आयोजन किया गया। इस क्रम में दिनांक 17 अक्टूबर, 2023 को अपर महाप्रबंधक एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी, पश्चिम मध्य रेलवे, श्री रवि शंकर सक्सेना की अध्यक्षता एवं मुख्य आतिथ्य में दूसरे चरण के 'राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह' में वर्ष भर हिंदी में सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य करने वाले 64 रेलकर्मियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।■

एससीआर मुख्यालय भवन को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल द्वारा गोल्ड रेटिंग से सम्मानित किया गया

दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय प्रशासनिक भवन, रेल निलयम को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) द्वारा प्रतिष्ठित आईजीबीसी - ग्रीन मौजूदा बिल्डिंग गोल्ड रेटिंग से सम्मानित किया गया है। इमारत ने पहले गोल्ड रेटिंग हासिल की है और इसे गोल्ड रेटिंग के साथ दोबारा प्रमाणित किया गया है क्योंकि यह गोल्ड रेटिंग के लिए सभी निर्धारित आवश्यकताओं को पूरा करती है। यह प्रमाणीकरण जुलाई 2023 से तीन वर्षों के लिए वैध है।

भवन के लिए आईजीबीसी गोल्ड रेटिंग विभिन्न जल संरक्षण और अपशिष्ट जल उपचार, वर्षा जल संचयन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण अनुकूल भूदृश्य, विद्युत ऊर्जा बचत और उत्पादन, रहने वालों के आराम, भवन संचालन और रख-रखाव जैसे उपायों के माध्यम से हासिल की गई थी। आईजीबीसी ने भारतीय रेल के पर्यावरण निदेशालय के सहयोग से हरित अवधारणाओं को अपनाने की सुविधा के लिए ग्रीन रेलवे स्टेशन रेटिंग प्रणाली विकसित की है, जिससे स्टेशन संचालन और रख-रखाव के कारण प्रतिकूल पर्यावरणीय प्रभावों को कम किया जा सके और समग्र यात्री अनुभव में वृद्धि हो सके। रेटिंग प्रणाली जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा दक्षता, जीवाश्म ईंधन का कम उपयोग, नई सामग्रियों के उपयोग पर कम निर्भरता और रहने वालों के स्वास्थ्य और भलाई जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को सम्बोधित करने में मदद करती है। कार्य में शामिल छह मॉड्यूल हैं-टिकाऊ स्टेशन सुविधा; स्वास्थ्य, स्वच्छता; ऊर्जा दक्षता; जल दक्षता; स्मार्ट तथा हरित पहल; और नवाचार एवं विकास।



श्री अरुण कुमार जैन, जीएम/एससीआर ने आईजीबीसी से गोल्ड रेटिंग हासिल करने के लिए हैदराबाद डिवीजन के अधिकारियों और एससीआर मुख्यालय के अधिकारियों को बधाई दी।■



असम के 4 स्टेशनों की उपलब्धि 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाणन

यात्रियों को उच्च गुणवत्ता, पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए एन.एफ. रेलवे के हरिश्चंद्रपुर और लुमडिंग रेलवे स्टेशनों को एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) द्वारा 'ईट राइट स्टेशन' प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। ये स्टेशन एफएसएसएआई द्वारा स्थापित दिशानिर्देशों को पूरा करने में सक्षम हैं और यह दर्जा पाने वाले गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के बाद एन.एफ. रेलवे में क्रमशः दूसरे और तीसरे रेलवे स्टेशन बन गए हैं। दोनों स्टेशनों को यह प्रमाणन दिनांक 19 अक्टूबर, 2023 से 18 अक्टूबर, 2025 की अवधि के लिए प्रदान किया गया है।

असम में एन.एफ. रेलवे के रंगिया और मरियानी रेलवे स्टेशनों को यात्रियों को उच्च गुणवत्ता, पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) द्वारा ईट राइट स्टेशनश प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। यह प्रमाणन रंगिया रेलवे स्टेशन के लिए दिनांक 25 सितंबर, 2023 से 24 सितंबर, 2025 तक और मरियानी रेलवे स्टेशन के लिए दिनांक 19 अक्टूबर, 2023 से 18 अक्टूबर, 2025 तक की अवधि के लिए प्रदान किया गया है।

यह प्रमाणीकरण 'ईट राइट इंडिया' आंदोलन का हिस्सा है, जो सभी भारतीयों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और टिकाऊ भोजन सुनिश्चित करने के लिए देश की खाद्य प्रणाली को बदलने के लिए एफएसएसएआई द्वारा बड़े पैमाने पर किया गया प्रयास है।■





महाप्रबंधक ने दक्षिण मध्य रेलवे के 1000वें इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव 'सहस्रश्व' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने दिनांक 10 नवंबर, 2023 को इलेक्ट्रिकल लोको शेड (ईएलएस), लालागुडा में दक्षिण मध्य रेलवे के 1000वें इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव श्सहस्रश्वश् को हरी झंडी दिखाई और लोको को जीवंत और हरित भारत की सेवा के लिए समर्पित किया। दक्षिण मध्य रेलवे ने गौरव के साथ लोगों की सेवा करने की अपनी यात्रा में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। श्सहस्रश्वश् लोकोमोटिव मिशन जीवन और सतत विकास लक्ष्यों के प्रति समर्पण का प्रतीक है। तदनुसार, लोकोमोटिव अत्याधुनिक आईजीबीटी (इंसुलेटेड गेट बाइपोलर ट्रांजिस्टर) प्रणोदन प्रणाली से सुसज्जित है जो इसे पुनर्योजी ब्रेकिंग क्षमता प्रदान करता है। यह सुविधा अकेले लगभग 12.4% विद्युत ऊर्जा के साथ-साथ अन्य लाभों की बचत करती है जैसे प्रति लोकोमोटिव प्रति वर्ष 0.976 किलो टन कोयले की बचत और प्रति लोकोमोटिव प्रति वर्ष 2.362 किलो टन CO2(e) द्वारा कार्बन पदचिह्न को कम करना।■



महाप्रबंधक ने इस सराहनीय उपलब्धि तक पहुँचने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे की टीम को बधाई दी। श्री अरुण कुमार जैन ने इलेक्ट्रिक लोको शेड का भी विस्तृत निरीक्षण किया।■

मेट्रो रेलवे ने तीसरा जनजातीय गौरव दिवस मनाया

मेट्रो रेलवे ने दिनांक 17 नवंबर, 2023 को स्वतंत्रता सेनानी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाने के लिए तीसरा जनजातीय गौरव दिवस मनाया। भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बिरसामुंडा को मेट्रोकर्मियों की ओर से सम्मान देने के लिए मेट्रो रेल भवन में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक श्री पी. उदय कुमार रेड्डी ने पारंपरिक दीप जलाकर इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, मेट्रो रेलवे के कर्मचारियों और अखिल भारतीय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति रेलवे कर्मचारी संघ (जोनल कार्यकारी समिति) के सदस्यों के साथ धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की।■



कोलकाता मेट्रो में नए टोकन की शुरुआत

दिनांक 10 अक्टूबर, 2023 से मेट्रो रेलवे द्वारा एक नए टोकन की शुरुआत की गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आइएसआरओ) द्वारा आयोजित चंद्रयान-3 की चंद्र यात्रा की सफलता को ध्यान में रखते हुए, देश में पहली बार मेट्रो रेलवे, कोलकाता द्वारा इस नए टोकन का डिज़ाइन किया गया है। इस प्रकार से भारत में पहली बार मेट्रो ने अपने एक विशिष्ट तरीके से चंद्रमा की सतह पर देश की पहली सफल सॉफ्ट लैंडिंग की है।



दिनांक 10 अक्टूबर, 2023 को मेट्रो रेल भवन में मेट्रो रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री सौमित्र विश्वास द्वारा इस नए टोकन के डिज़ाइन का अनावरण किया गया। ये नए टोकन यात्रियों को टिकट काउंटर से उपलब्ध कराए जाएंगे। नए टोकन कोलकाता मेट्रो के तीनों कॉरिडोर में उपलब्ध होंगे।■

ईस्ट–वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर में कागज आधारित क्यूआर कोड टिकटिंग प्रणाली शुरू की गई

दिनांक 11 अक्टूबर, 2023 से कोलकाता मेट्रो में पेपर आधारित क्यूआर कोड टिकटिंग प्रणाली शुरू की गई है। मेट्रो रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री सौमित्र विश्वास ने ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के सियालदह मेट्रो स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर इस वैकल्पिक टिकटिंग प्रणाली का उद्घाटन किया। यात्री इस पेपर आधारित क्यूआर कोड टिकट को सियालदह मेट्रो स्टेशन के काउंटर से ही खरीदकर इस कॉरिडोर के किसी भी स्टेशन तक यात्रा कर सकेंगे। रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) ने इस प्रणाली को विकसित किया है भविष्य में इस प्रणाली के लोकप्रिय होने की संभावना है।■



महाप्रबंधक द्वारा पुस्तकालय का शुभारंभ



श्री संजीव किशोर, महाप्रबंधक ने 9 अक्टूबर, 2023 को रेल सौधा में एक नए केंद्रीय पुस्तकालय और अभिलेखागार का उद्घाटन किया। श्री यू सुब्बा राव, अपर महाप्रबंधक, और प्रमुख विभागाध्यक्ष इस अवसर पर उपस्थित थे। यह पुस्तकालय रेल सौधा के रेलकर्मियों के बीच नियमित पढ़ने और सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। अभिलेखागार दपरे की विरासत और ऐतिहासिक अभिलेखों के भंडार के रूप में काम करेगा।■

दक्षिण रेलवे मुख्यालय अस्पताल पेरम्बूर में ऐतिहासिक चिकित्सा उपलब्धि



पेरम्बूर स्थित दक्षिण रेलवे मुख्यालय अस्पताल एक चिकित्सा के क्षेत्र में एक असाधारण मील के पत्थर तक पहुँच गया है, जिसने एक सरकारी संस्थान में भारत का पहला उच्च जोखिम, गैर-सर्जिकल माइट्रल वाल्व प्रतिस्थापन हासिल किया है। यह अभूतपूर्व प्रक्रिया, भारत में अपनी तरह की तीसरी और किसी सरकारी संस्थान में पहली, अद्वितीय विशेषज्ञता और समर्पण के साथ क्रियान्वित की गई। सर्जरी के सफल समापन के परिणामस्वरूप मरीज तेजी से ठीक हो गया, जो जीवन बचाने में स्वास्थ्य पेशेवरों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।■

इंटीग्रिटी–जीवन जीने की एक शैली विषय पर वॉकथन

सत्यनिष्ठा और सतर्कता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए श्री संजीव किशोर, महाप्रबंधक, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने दिनांक 9 अक्टूबर, 2023 को एक वॉकथन का नेतृत्व किया। इस कार्यक्रम का विषय था-'इंटीग्रिटी-जीवन जीने की एक शैली।' यह वॉकथन भ्रष्टाचार से मुक्त समाज को बढ़ावा देने और न केवल अपने कर्मचारियों में बल्कि जनता और भावी पीढ़ियों में ईमानदारी के मूल्यों को स्थापित करने के लिए रेलवे के समर्पण का एक शक्तिशाली प्रदर्शन था।■



दक्षिण पश्चिम रेलवे व्यापक कानूनी ज्ञान के साथ कार्मिकों को सशक्त बनाता है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) की कानूनी प्रतिक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से 19 अक्टूबर, 2023 को दपरे की कानून शाखा द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यशाला को दपरे में कानूनी मामलों से निपटने वाले गैर-कानूनी कर्मियों को कानूनी मामलों, अदालती मामलों, वैकल्पिक विवाद समाधान और कानूनी अधिकारियों और अधिवक्ताओं के साथ समन्वय को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।



सत्र में विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया जिसमें अदालती आदेशों को नेविगेट करना, कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करना, विवादों को हल करना, अदालती नोटिसों को संभालना, सक्रिय रणनीतियाँ और कानूनी शब्दावली से परिचित होना, कानूनी बचाव का मसौदा तैयार करना और समन्वय में सुधार करना शामिल है।

श्री संजीव किशोर, महाप्रबंधक ने पूर्ण सत्र को सम्बोधित किया, जिसमें उन्होंने दपरे की कानूनी शाखा को अपने अधिकारियों और कर्मचारियों की कानूनी जागरुकता और समझ बढ़ाने के लिए एक त्रैमासिक कार्यशाला आयोजित करने की सलाह दी।■

महाप्रबंधक ने किया अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का दौरा



दिल्ली के प्रगति मैदान में 12 से 14 अक्टूबर, 2023 तक चले अंतरराष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी का महाप्रबंधक श्री प्रशांत कुमार मिश्रा ने दौरा किया। इसमें कई देशों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग कर अपने-अपने देश की तकनीकी दक्षताओं एवं अद्यतन तकनीकों का प्रदर्शन किया।■

द लोको मैन, चिरेका के श्रमिकों को समर्पित : चिरेका में रद्दी मटेरियल से तैयार द लोको मैन का हुआ लोकार्पण

चिरेका के हुनरमंद कर्मचारियों द्वारा स्क्रैप सामग्री का उपयोग कर निर्मित 'लोको मैन' को श्री देबी प्रसाद दाश, महाप्रबंधक, डॉ. आभाञ्जलि शतपथी, अध्यक्षा, चिरेका महिला कल्याण संगठन, संगठन की सदस्याओं, वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में 19 अक्टूबर को चिरेका श्रमिकों के सम्मान में समर्पित किया गया।



हेरिटेज मेंटेनेंस सेक्शन (एमटीएस-56 शॉप) के कर्मचारियों का सराहनीय समर्पित और रचनात्मक प्रयास और कला कार्य द्वारा इसे तैयार किया गया है, जिसकी शुरुआत महाप्रबंधक की कल्पना शक्ति और मार्ग दर्शन में की गई।

चिरेका परिवार के श्री राजेश कुमार सरकार तकनीशियन-1, श्री राज कृष्ण आचार्य, श्री गौतम प्रसाद, श्री मगाराम भंडारी सभी तकनीशियन-II, श्री सुमन बिस्वास, तकनीशियन-III, श्री डी. घोषाल, श्री पी.पी. मंडल दोनो एसएसई और श्री पार्थ चटर्जी, जूनियर इंजीनियर द्वारा इसे बहुत ही कम समय में पूरा किया गया। इसे जन दर्शन के लिए रेलनगरी मध्य स्थित लोको पार्क समीप चौक पर 5 फीट ऊंचे आसन पर 8 फीट ऊंची कलाकृति के रूप में स्थापित किया गया है, जो आम लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।■

दपरे द्वारा इंटर स्कूल भाषण प्रतियोगिता का आयोजन



सतर्कता जागरुकता सप्ताह-2023 के एक भाग के रूप में, भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए दपरे की सतर्कता टीम द्वारा इंटर स्कूल भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में हुब्बल्लि-धारवाड़ शहरी क्षेत्र के कुल 26 विद्यालयों ने भाग लिया।■

देशबंधु लोको पार्क चिरेका में अमृत डिजिटल गैलरी का महाप्रबंधक ने किया लोकार्पण



चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना/चिरेका रेलनगरी स्थित देशबंधु लोको पार्क में नवनिर्मित अमृत डिजिटल गैलरी का 19 अक्टूबर, 2023 को चिरेका महाप्रबंधक श्री देबी प्रसाद दाश द्वारा लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर डॉ. आभाञ्जलि शतपथी, अध्यक्षा, चिरेका महिला कल्याण संगठन, संगठन की अन्य सदस्याएं विभागों के प्रमुख अध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

इस नव उद्घाटित अमृत डिजिटल गैलरी में चिरेका की गौरवशाली विरासत और इतिहास, रेल इंजन उत्पादन के विकास और वनस्पतियों को खूबसूरती से चित्रित और प्रदर्शित किया गया है। चिरेका की स्थापना से अब तक की विकास यात्रा, जैसे स्टीम लोको से इलेक्ट्रिक लोको तक और महत्त्वपूर्ण यादगार वस्तुओं और उपलब्धियों को संक्षिप्त विवरण के साथ फोटो गैलरी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।■

दपरे क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक



75 वीं क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक रेल सौधा में आयोजित की गई। श्री संजीव किशोर, महाप्रबंधक ने हिंदी पखवाड़ा के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर श्री यू. सुब्बा राव, अपर महाप्रबंधक और सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री अरविंद कुमार सिरोही, मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक और मोहम्मद नुरुद्दीन, राजभाषा अधिकारी ने किया।■

पर्यावरण दिवस पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन



विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के एक भाग के रूप में, पर्यावरण पर केंद्रित एक भव्य समापन प्रश्नोत्तरी दिनांक 29 सितम्बर, 2023 को रेल सौधा, हुब्बल्लि में आयोजित की गई थी। इस आयोजन में पूरे दपरे जोन की विजेता टीमों ने भाग लिया था।

मुख्य जनसंपर्क कार्यालय की टीम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। हुब्बल्लि मंडल टीम और निर्माण यूनिट टीम, बेंगलुरु छावनी ने क्रमशः दूसरा और तीसरा पुरस्कार जीता। श्री संजीव किशोर, महाप्रबंधक ने विजेताओं और उपविजेताओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए।■

बरेका में साइबर सुरक्षा पर व्याख्यान

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दिनांक 26 अक्टूबर, 2023 को बनारस रेल इंजन कारखाना में साइबर सुरक्षा जागरुकता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता बी.एच.यू. के डॉ. रौशन सिंह ने साइबर सुरक्षा के बारे में सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विस्तारपूर्वक अवगत कराया। विदित हो कि इस वर्ष साइबर सुरक्षा अभियान का विषय है 'हमारी दुनिया



को सुरक्षित करें'। विश्व स्तर पर अक्टूबर महीने में राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरुकता माह के रूप में मनाया जाता है। प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री शिशिर दत्त ने भी साइबर सुरक्षा एवं अपने साथ घटित साइबर से सम्बन्धित घटनाओं के विषय में जानकारी साझा की।■

अखिल भारतीय रेल पुरुष एवं महिला हैण्डबॉल चैंपियनशिप संपन्न

पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ, इज्जतनगर मंडल के तत्त्वावधान में हल्द्वानी नैनीताल में आयोजित 16वीं अखिल भारतीय रेल पुरुष एवं महिला हैण्डबॉल चैंपियनशिप-2023 का आयोजन 11 से 14 अक्टूबर, 2023 तक किया गया। 14 अक्टूबर, 2023 को पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में पूर्वोत्तर रेलवे ने उत्तर रेलवे को कड़े मुकाबले में 33-29 से परास्त कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। इसी प्रकार, 13 अक्टूबर, 2023 को महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में पूर्वोत्तर रेलवे ने उत्तर रेलवे को 25-19 से परास्त कर ट्राफी पर कब्जा किया। पूर्वोत्तर रेलवे की पुरुष एवं महिला हैण्डबॉल टीम ने पूरे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। इस चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग में उत्तर रेलवे उपजेता एवं तृतीय स्थान पर पश्चिम रेलवे की टीम रही। इसी प्रकार, महिला वर्ग में उत्तर रेलवे उपजेता एवं तृतीय स्थान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम को प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक, इज्जतनगर सुश्री रेखा यादव ने विजेता एवं उपजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया।



हैण्डबॉल टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के अध्यक्ष श्री श्रीश चन्द्र श्रीवास्तव, महासचिव श्री पंकज कुमार सिंह, हैण्डबॉल/सचिव श्री कृष्ण चन्द्र सिंह, सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह एवं हैण्डबॉल कोच श्री अरविन्द कुमार यादव ने प्रसक्ता व्यक्त करते हुये टीम को बधाई एवं शुभकामनायें दी। हैण्डबॉल टीम का उत्कृष्ट प्रदर्शन पूर्वोत्तर रेलवे के अन्य खिलाड़ियों के लिए काफी प्रेरणादायी है।■

ऑयल इंडिया-एनएफआर पूर्वोत्तर हॉफ मैराथन का बोगीबील, डिब्रूगढ़ में सफल आयोजन



नॉर्थईस्ट हाफ मैराथन का तीसरा चरण दिनांक 5 नवंबर, 2023 को बड़े उत्साह के साथ पूरा हुआ। ऑयल इंडिया-एनएफआर नॉर्थईस्ट हाफ मैराथन को बोगीबील ब्रिज, डिब्रूगढ़ से पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव की उपस्थिति में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रतिभागियों ने तीन अलग-अलग दौड़ श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की-पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी दौड़। 21 किमी लंबे हाफ मैराथन धावकों में त्रिलोक के.आर. ने पुरुषों की दौड़ 01:08:44 के समय के साथ जीती जबकि नोडियापातर ने महिलाओं की दौड़ 01:37:05 के समय के साथ जीती। मोनोबी सिन्हा पुरुषों की दौड़ में 01:10:04 का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहे जबकि महिलाओं की दौड़ में माया मेधी 01:40:20 का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। दोनों श्रेणियों के 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी दौड़ के विजेताओं को पुरस्कार राशि, पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।■

भारतीय रेल
पत्रिका की सदस्यता एवं प्राप्ति हेतु
संपर्क करें 011-47845089
सोमवार से शुक्रवार (सुबह 10 से 1 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक) bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com

चिरेका में ओपन जिम का शुभारंभ : चिरेका की राष्ट्रीय तीरंदाज ने किया जिम का उद्घाटन

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) रेलनगरी स्थित स्ट्रीट नंबर 10 मोड़ पर योगा पार्क के पास ओलंपिक और एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी श्रीमती लक्ष्मी रानी मांझी, तीरंदाज/चिरेका के द्वारा श्री देबी प्रसाद दाश, महाप्रबंधक/चिरेका की उपस्थिति में 16 अक्टूबर, 2023 को ओपन जिम केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर सभी विभागों के प्रधान अध्यक्ष, वरीय पदाधिकारीगण तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस व्यायामशाला के आरंभ होने से स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए व्यायाम करने में सुविधा होगी। लोग सार्वजनिक रूप से इस हाई टेक ओपन जिम का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। जिमखाना के अंदर विभिन्न तरह के अत्याधुनिक सुविधायुक्त व्यायाम के संयंत्र लगाए गए हैं।■



52वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे जिम्नास्टिक चैंपियनशिप का हुआ समापन

दिनांक 14 से 16 अक्टूबर, 2023 तक खेलगाँव पब्लिक स्कूल प्रयागराज के जिम्नास्टिक हॉल में जिम्नास्टिक चैंपियनशिप का आयोजित किया गया। दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 को 52वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे जिम्नास्टिक चैंपियनशिप के समापन समारोह में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री सतीश कुमार, संस्थापक एवं अध्यक्ष खेलगाँव पब्लिक स्कूल डॉ. यू. के. मिश्रा सहित उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।



इस तीन दिवसीय समागम में भारतीय रेल के विभिन्न जोनों से आए लगभग 55 खिलाड़ियों ने भाग लिया। समापन समारोह में उपाध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ, श्री अभिजीत सिंह ने उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ की ओर से उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं खिलाड़ियों का स्वागत किया।

इसी क्रम में महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार ने फ्लोर, पोममेल, आर रींग्स खेल, वौलटिंग टेबल, पैरलल बार, हॉरिजेंटल बार में विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किया।

जिम्नास्टिक चैंपियनशिप के फ्लोर खेल में उजवल सी. नायडू (SER) ने स्वर्ण पदक, श्याम शर्मा (NR) ने रजत पदक, सिद्धार्थ वर्मा (NCR) ने काँस्य पदक, पोममेल खेल में आदित्य सिंह राणा (NCR) ने स्वर्ण पदक, सुमन हलदार (SER) ने रजत पदक, अंकुर शर्मा (NCR) काँस्य पदक, आर रींग्स खेल में स्वातीश के. पी. (SER) ने स्वर्ण पदक, आदित्य सिंह राणा (NCR) ने रजत पदक, उजवल सी नायडू (SER) ने काँस्य पदक, वौलटिंग टेबल खेल में उजवल सी नायडू (SER) ने स्वर्ण पदक, सिद्धार्थ वर्मा (NCR) रजत पदक, विशाल पी. (SER) ने स्वर्ण पदक, पैरलल बार खेल में आदित्य सिंह राणा (NCR) ने स्वर्ण पदक, श्याम शर्मा (NR) ने रजत पदक, अंकुर शर्मा (NCR) ने काँस्य पदक, हॉरिजेंटल बार खेल में आदित्य सिंह राणा (NCR) ने स्वर्ण पदक, सिद्धार्थ वर्मा (NCR) ने रजत पदक, वैभव चौरसिया ने (WR) ने काँस्य पदक, व्यक्तिगत चैंपियनशिप खेल में आदित्य सिंह राणा (NCR) ने स्वर्ण पदक, उजवल सी. नायडू (SER) ने रजत पदक, सिद्धार्थ वर्मा (NCR) ने काँस्य पदक, टीम चैंपियनशिप खेल में उत्तर मध्य रेलवे ने स्वर्ण पदक, दक्षिण पूर्व रेलवे ने रजत पदक, पूर्वी रेलवे ने काँस्य पदक प्राप्त किया।

इसके उपरांत समापन समारोह में महासचिव उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ, श्री हिमांशु शेखर उपाध्याय ने उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।■

तस्वीर दीर्घा



बेंगलुरु के केंगेरी के पास चेरी ब्लॉसम के रंगों और नीले रंग के शानदार सामंजस्य में सरपट दौड़ती मैसूर-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस

आभार : नटराजन सी

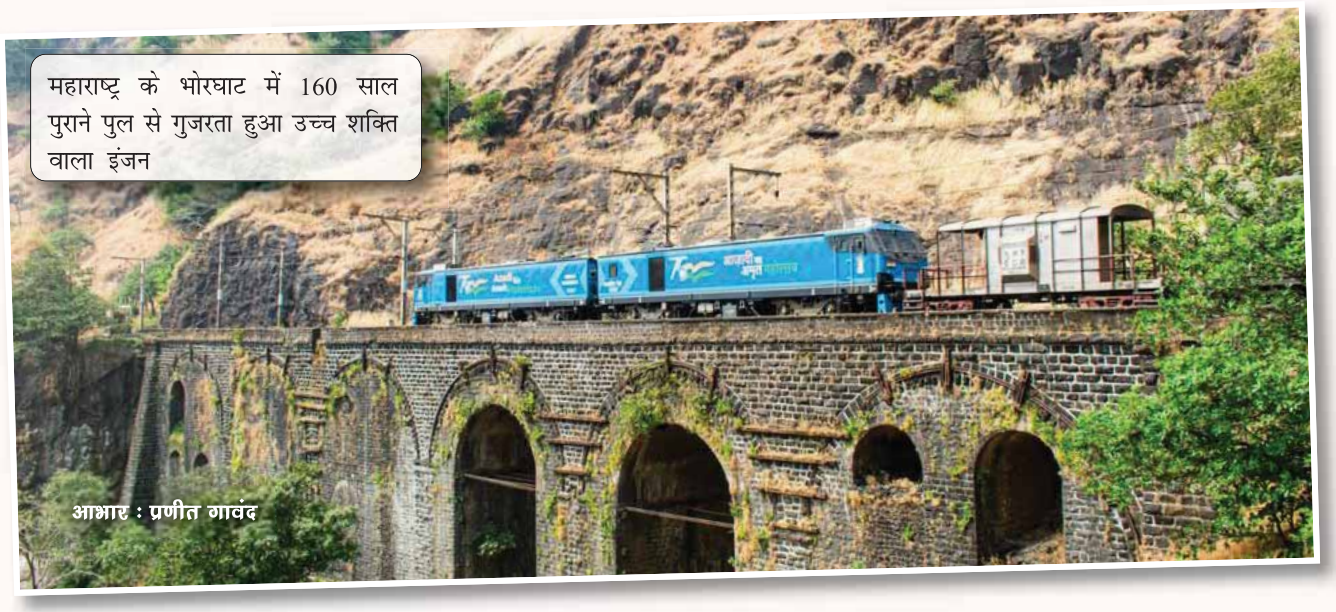


केरल के तिरुवनंतपुरम-कासरगोड खंड में वेल्लायिल स्टेशन पर नीले एवं नारंगी रंगों में वंदे भारत एक्सप्रेस



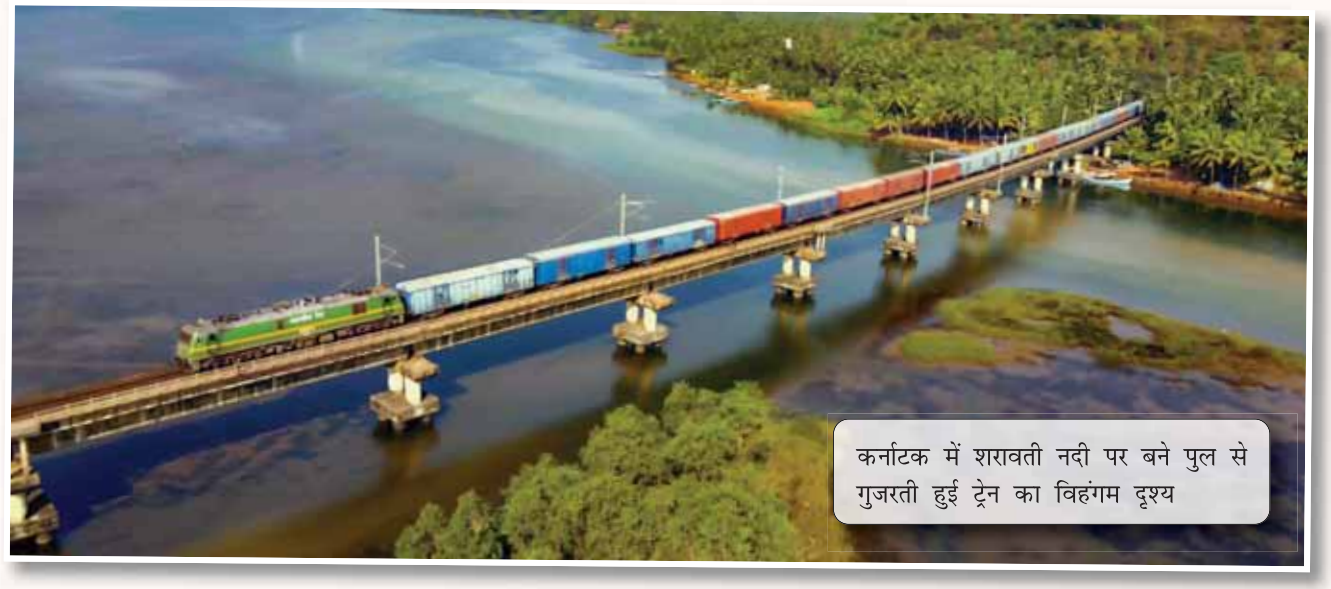
गर्म धूप के साथ ट्रेन का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए इंतजार करता हुआ गुजरात के वापी में दमन गंगा पुल।

तस्वीर दीर्घा



महाराष्ट्र के भोरघाट में 160 साल पुराने पुल से गुजरता हुआ उच्च शक्ति वाला इंजन

आभार : प्रणीत गावंद



कर्नाटक में शरावती नदी पर बने पुल से गुजरती हुई ट्रेन का विहंगम दृश्य



पश्चिम बंगाल के हावड़ा–खड़गपुर खंड में खिराई में एक सुंदर परिदृश्य सामने आता है, जिसमें ट्रेन सुंदर फूलों की सेज से गुजरती हुई प्रतीत होती है

भारतीय रेल 202

1960 से रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

विक्रमी संवत्-2080-2081 | शक

जनवरी पौष–माघ JANUARY

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
1 पंचमी	2 षष्ठी	3 सप्तमी	4 अष्टमी	5 नवमी	6 दशमी	7 एकादशी
8 द्वादशी	9 त्रयोदशी	10 चतुर्दशी	11 अमावस्या	12 एकम्	13 द्वितीया	14 तृतीया
15 चतुर्थी	16 पंचमी–षष्ठी	17 सप्तमी	18 अष्टमी	19 नवमी	20 दशमी	21 एकादशी
22 द्वादशी	23 त्रयोदशी	24 चतुर्दशी	25 पूर्णिमा	26 एकम्	27 द्वितीया	28 तृतीया
29 चतुर्थी	30 पंचमी	31 पंचमी				

01 नववर्ष दिवस / New Year's Day
13 लोहड़ी / Lohri
14 मकर संक्रांति / Makar Sankranti
15 माघ / बिहू / Magha / Bihu
17 गुरू रविदास जयन्ती / Guru Ravidas's Birthday
25 हजरत अली जयन्ती / Hazrat Ali's Birthday
26 गणतंत्र दिवस / Republic Day

फरवरी माघ–फाल्गुन FEBRUARY

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
			1 षष्ठी	2 सप्तमी	3 अष्टमी	4 नवमी
5 दशमी	6 एकादशी	7 द्वादशी	8 त्रयोदशी	9 चतुर्दशी-प्र.अमावस्या	10 एकम्	11 द्वितीया
12 तृतीया	13 चतुर्थी	14 पंचमी	15 षष्ठी	16 सप्तमी	17 अष्टमी	18 नवमी
19 दशमी	20 एकादशी	21 द्वादशी	22 त्रयोदशी	23 चतुर्दशी	24 पूर्णिमा	25 एकम्
26 द्वितीया	27 तृतीया	28 चतुर्थी	29 पंचमी			

14 बसंत पंचमी / श्री पंचमी / Basant Panchami / Sri Panchami
19 शिवाजी जयन्ती / Shiva Ji Birthday
24 गुरू रवीदास जयंती / Guru Ravi Das's Birthday

मार्च फाल्गुन–चैत्र MARCH

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
				1 षष्ठी	2 सप्तमी	3 अष्टमी
4 नवमी	5 दशमी	6 एकादशी	7 द्वादशी	8 त्रयोदशी	9 चतुर्दशी	10 अमावस्या
11 एकम्	12 द्वितीया	13 तृतीया	14 चतुर्थी-पंचमी	15 षष्ठी	16 सप्तमी	17 अष्टमी
18 नवमी	19 दशमी	20 एकादशी	21 द्वादशी	22 त्रयोदशी	23 त्रयोदशी	24 चतुर्दशी
25 पूर्णिमा	26 एकम्	27 द्वितीया	28 तृतीया	29 चतुर्थी	30 पंचमी	31 षष्ठी

06 स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती / Birthday of Swami Dayananda Saraswati
08 महा शिवरात्रि / Maha Shivratri
24 होलिका दहन / Holika Dahan
25 डोली यात्रा / Dolyatra
31 ईस्टर संडे / Easter Sunday
25 होली / Holi
29 गुड फ्राइडे / Good Friday

अप्रैल चैत्र–वैशाख APRIL

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
1 सप्तमी	2 अष्टमी	3 नवमी	4 दशमी	5 एकादशी	6 द्वादशी-त्रयोदशी	7 चतुर्दशी
8 अमावस्या	9 एकम्	10 द्वितीया	11 तृतीया	12 चतुर्थी	13 पंचमी	14 षष्ठी
15 सप्तमी	16 अष्टमी	17 नवमी	18 दशमी	19 एकादशी	20 द्वादशी	21 त्रयोदशी
22 चतुर्दशी	23 पूर्णिमा	24 एकम्	25 एकम्	26 द्वितीया	27 तृतीया	28 चतुर्थी-पंचमी
29 षष्ठी	30 सप्तमी					

05 जुमा अल-विदा / Juma Al-Vida
09 चैत्र शुक्लादि / गुढी पड़वा / उगादी / चैती चांद / Chaitra Sukladi / Gudi Padava / Ugadi / Cheti Chand
13 वैशाखी / विशु / Vaishakhi / Vishu
14 वैशाखड़ी (बंगाल) / मेशादी / बाहाग बिहू (असम) / Vaishakhadi (Bengal) / Meshadi / Bahag Bihu (Assam)
11 ईद-उल-फितर / Id-Ul-Fitr
17 राम नवमी / Ram Navami
21 महावीर जयंती / Mahavir Jayanti

मई वैशाख–ज्येष्ठ MAY

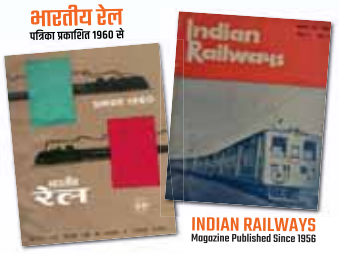
Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
		1 अष्टमी	2 नवमी	3 दशमी	4 एकादशी	5 द्वादशी
6 त्रयोदशी	7 चतुर्दशी	8 अमावस्या	9 एकम्	10 द्वितीया-तृतीया	11 चतुर्थी	12 पंचमी
13 षष्ठी	14 सप्तमी	15 सप्तमी	16 अष्टमी	17 नवमी	18 दशमी	19 एकादशी
20 द्वादशी	21 त्रयोदशी	22 चतुर्दशी	23 पूर्णिमा	24 एकम्	25 द्वितीया	26 तृतीया
27 चतुर्थी	28 पंचमी	29 षष्ठी	30 सप्तमी	31 अष्टमी		

08 गुरू रविन्द्र नाथ टैगोर जयंती / Guru Rabindra Nath Tagore's Birthday
23 बुद्ध पूर्णिमा / Budha Purnima

जून ज्येष्ठ–आषाढ़ JUNE

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
					1 नवमी–दशमी	2 एकादशी
3 द्वादशी	4 त्रयोदशी	5 चतुर्दशी	6 अमावस्या	7 एकम्	8 द्वितीया	9 तृतीया
10 चतुर्थी	11 पंचमी	12 षष्ठी	13 सप्तमी	14 अष्टमी	15 नवमी	16 दशमी
17 एकादशी	18 द्वादशी	19 द्वादशी	20 त्रयोदशी	21 चतुर्दशी	22 पूर्णिमा	23 एकम्-द्वितीया
24 तृतीया	25 चतुर्थी	26 पंचमी	27 षष्ठी	28 सप्तमी	29 अष्टमी	30 नवमी

17 ईद-उल-जुहा (बकरीद) / Eid-Ul-Zuha (Bakrid)



पत्रिकाओं की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

या क्यूआर कोड को स्कैन करें

■ शनिवार / रविवार / राजपत्रित अवकाश ■ प्रतिबन्धित अवकाश ©भारतीय रेल पत्रिका website: www.indianrailways.gov.in

24 INDIAN RAILWAYS

FROM 1956 MONTHLY PUBLICATIONS OF MINISTRY OF RAILWAYS

ह् संवत्-1945-1946

जुलाई आषाढ़-श्रावण JULY

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
1 दशमी	2 एकादशी	3 द्वादशी	4 त्रयोदशी-चतुर्दशी	5 अमावस्या	6 एकम्	7 द्वितीया
8 तृतीया	9 चतुर्थी	10 चतुर्थी	11 पंचमी	12 षष्ठी	13 सप्तमी	14 अष्टमी
15 नवमी	16 दशमी	17 एकादशी	18 द्वादशी	19 त्रयोदशी	20 चतुर्दशी	21 पूर्णिमा
22 एकम्	23 द्वितीया	24 तृतीया	25 चतुर्थी	26 पंचमी-षष्ठी	27 सप्तमी	28 अष्टमी
29 नवमी	30 दशमी	31 एकादशी				

07 रथ यात्रा / Rath Yatra
17 मुहर्रम / Muharram

अगस्त श्रावण-भाद्रपद AUGUST

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
			1 द्वादशी	2 त्रयोदशी	3 चतुर्दशी	4 अमावस्या
5 एकम्	6 द्वितीया	7 तृतीया	8 चतुर्थी	9 पंचमी	10 षष्ठी	11 सप्तमी
12 अष्टमी	13 नवमी	14 नवमी	15 दशमी	16 एकादशी-द्वादशी	17 त्रयोदशी	18 चतुर्दशी
19 पूर्णिमा	20 एकम्	21 द्वितीया	22 तृतीया	23 चतुर्थी	24 पंचमी	25 षष्ठी
26 सप्तमी	27 अष्टमी-नवमी	28 दशमी	29 एकादशी	30 द्वादशी	31 त्रयोदशी	

15 पारसी नववर्ष दिवस / नवरोज / Parsi New Year's Day / Navroz
19 रक्षा बंधन / Raksha Bandhan
15 स्वतंत्रता दिवस / Independence Day
26 जन्माष्टमी (वैष्णव) / Janamashtami (Vaishnav)

सितम्बर भाद्रपद-आश्विन SEPTEMBER

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
30 त्रयोदशी						1 चतुर्दशी
2 अमावस्या	3 अमावस्या	4 एकम्	5 द्वितीया	6 तृतीया	7 चतुर्थी	8 पंचमी
9 षष्ठी	10 सप्तमी	11 अष्टमी	12 नवमी	13 दशमी	14 एकादशी	15 द्वादशी
16 त्रयोदशी	17 चतुर्दशी	18 पूर्णिमा	19 एकम्-द्वितीया	20 तृतीया	21 चतुर्थी	22 पंचमी
23 षष्ठी	24 सप्तमी	25 अष्टमी	26 नवमी	27 दशमी	28 एकादशी	29 द्वादशी

07 गणेश / विनायक चतुर्थी/ Ganesh / Vinayaka Chaturthi
15 ओणम / Onam
16 ईद-ए-मिलाद / Id-e-Milad

अक्टूबर आश्विन-कार्तिक OCTOBER

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
	1 चतुर्दशी	2 अमावस्या	3 एकम्	4 द्वितीया	5 तृतीया	6 चतुर्थी
7 चतुर्थी	8 पंचमी	9 षष्ठी	10 सप्तमी	11 अष्टमी-नवमी	12 दशमी	13 एकादशी
14 द्वादशी	15 त्रयोदशी	16 चतुर्दशी	17 पूर्णिमा	18 एकम्	19 द्वितीया	20 तृतीया
21 चतुर्थी	22 पंचमी	23 षष्ठी-सप्तमी	24 अष्टमी	25 नवमी	26 नवमी	27 दशमी
28 एकादशी	29 द्वादशी	30 त्रयोदशी	31 चतुर्दशी			

10 दशहरा (सप्तमी) / Dussehra (Saptami)
11 दशहरा (महाष्टमी / महानवमी) / Dussehra (Mahastami / Mahanavmi)
17 महर्षि वाल्मीकि जयंती / Maharshi Valmiki Jayanti
20 करक चतुर्थी (करवाचौथ) / Karaka Chaturthi (Karwachauth)
31 नरक चतुर्दशी / Naraka Chaturdashi
02 महात्मा गांधी जयंती / Mahatma Gandhi Jayanti
12 दशहरा / Dussehra
31 दिवाली (दीपावली) / Diwali (Deepavali)

नवम्बर कार्तिक-मार्गशीर्ष NOVEMBER

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
				1 अमावस्या	2 एकम्	3 द्वितीया
4 तृतीया	5 चतुर्थी	6 पंचमी	7 षष्ठी	8 सप्तमी	9 अष्टमी	10 नवमी
11 दशमी	12 एकादशी	13 द्वादशी	14 त्रयोदशी-चतुर्दशी	15 पूर्णिमा	16 एकम्	17 द्वितीया
18 तृतीया	19 चतुर्थी	20 पंचमी	21 षष्ठी	22 सप्तमी	23 अष्टमी	24 नवमी
25 दशमी	26 एकादशी	27 द्वादशी	28 त्रयोदशी	29 त्रयोदशी	30 चतुर्दशी	

02 गोवर्धन पूजा / Govardhan Pooja
03 भाई दूज / Bhai Duj
07 प्रतिहारी षष्ठी या सूर्य षष्ठी / छठ पूजा / Pratihar Shashthi or Surya Shashthi / Chhat Puja
24 गुरु तेग बहादूर शहीदी दिवस / Guru Teg Bahadur's Martyrdom Day
15 गुरूनानक जयंती / Gurunanak Jayanti

दिसम्बर मार्गशीर्ष-पौष DECEMBER

Mon सोम	Tue मंगल	Wed बुध	Thu गुरु	Fri शुक्र	Sat शनि	Sun रवि
30 अमावस्या	31 एकम्					1 अमावस्या
2 एकम्	3 द्वितीया	4 तृतीया	5 चतुर्थी	6 पंचमी	7 षष्ठी	8 सप्तमी-अष्टमी
9 नवमी	10 दशमी	11 एकादशी	12 द्वादशी	13 त्रयोदशी	14 चतुर्दशी	15 पूर्णिमा
16 एकम्	17 द्वितीया	18 तृतीया	19 चतुर्थी	20 पंचमी	21 षष्ठी	22 सप्तमी
23 अष्टमी	24 नवमी	25 दशमी	26 एकादशी	27 द्वादशी	28 त्रयोदशी	29 चतुर्दशी

24 क्रिसमस पूर्व / Christmas Eve.
25 क्रिसमस दिवस / Christmas Day



Email for Hindi : editorbhartiyarailrb@gmail.com | Email for English : editorindianrailways@gmail.com

प्रगति रिपोर्ट

चेन्नई बीच–चेन्नई एग्मोर चौथी लाइन परियोजना



चेन्नई बीच–चेन्नई एग्मोर चौथी लाइन परियोजना का उद्देश्य चेन्नई शहर के रेल नेटवर्क की परिचालन दक्षता को बढ़ाना और अतिरिक्त यात्री और माल ढुलाई सेवाओं को सुविधाजनक बनाना है। यह परियोजना चेन्नई बीच और चेन्नई एग्मोर के बीच 4.30 कि.मी. की दूरी तय करेगी और इस पर ₹279 करोड़ की लागत आयेगी। निर्माण कार्य जोरों पर है।



5 नवम्बर, 2023

कवि सुभाष–बिमानबंदर (ऑरेंज लाइन), कोलकाता पर गौर किशोर घोष मेट्रो स्टेशन





29 अक्टूबर, 2023

प्लेटफॉर्म का काम पूरा हो गया है
प्रवेश/निकास बिंदु प्रगति पर हैं
वायाडक्ट प्रगति पर है
पूरा होने पर, यह साल्ट लेक और सुकांत नगर क्षेत्र की यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को सेवा प्रदान करेगा।

अगस्तयमपल्ली गुड्स शेड



अगस्तयमपल्ली गुड्स शेड को यातायात के लिए चालू कर दिया गया है, इसकी पहली खेप कांचीपुरम, तमिलनाडु भेजी गई है। इससे क्षेत्र में व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों को सुविधा होगी और माल का इष्टतम परिवहन सुनिश्चित होगा।

6 नवम्बर, 2023

बिहार के जमालपुर जंक्शन स्टेशन पर तीसरे फुट ओवर ब्रिज के कार्य की प्रगति





यात्रियों के लिए बेहतर संपर्क मार्ग सुविधा स्थापित करने के उद्देश्य से, बिहार में जमालपुर जंक्शन स्टेशन पर तीसरे फुट ओवर ब्रिज का काम तेजी से किया जा रहा है। पूरा होने पर यह पुल प्लेटफॉर्म नंबर 1, 2 और 3 को जोड़ेगा।

5 नवम्बर, 2023

भारत के सबसे गहरे मेट्रो स्टेशन का निर्माण जोरों पर



भारत का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन, हावड़ा मेट्रो स्टेशन का निर्माण जोरों पर है। यह 35 मीटर गहरा होगा। पूरा होने पर, स्टेशन कोलकाता के लाखों दैनिक यात्रियों के लिए एक क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक होगा।

4 नवम्बर, 2023

असम के कामाख्या जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यार्ड में संशोधन किया जा रहा है



इसमें नई लाइनें, प्लेटफॉर्म, बेहतर सुविधाएं और स्टेशन भवन जोड़े जा रहे हैं।

इन कार्यों से इस प्रमुख स्टेशन की ट्रेन संचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।



3 नवम्बर, 2023

असम में न्यू बोंगाईगाँव और कामाख्या के बीच वाया गोलपारा रेलवे लाइन का दोहरीकरण





क्षेत्र में रेल परिचालन को बढ़ाना, जिससे बड़ी संख्या में व्यापार और रोजगार के लिए गुवाहाटी जाने वाले दैनिक यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

2 नवम्बर, 2023

घाटकोपर रेलवे स्टेशन का चौथा फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) पूरा होने की कगार पर





गर्डर लॉन्च किया जा चुका है

डेक का कार्य प्रगति पर है

यह यात्री सुविधा और सुरक्षा को बढ़ाएगा और निर्बाध ट्रेन परिचालन प्रदान करेगा।

2 नवम्बर, 2023

एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन, कोलकाता (ग्रीन लाइन) कार्य



पुरा होना :
ग्रेनाइट फर्श कवरिंग
प्लेटफॉर्म स्क्रीन दरवाजे
प्रगति पर है :
लिफ्ट और एस्केलेटर
वेंटिलेशन और कूलिंग
प्रवेश/निकास द्वार
पूरा होने पर, यह कोलकाता मेट्रो का सबसे बड़ा इंटरचेंज स्टेशन होगा।



9 नवम्बर, 2023

कामाख्या जंक्शन रेलवे स्टेशन–समपार फाटक की जगह रोड अंडर ब्रिज





13 नवम्बर, 2023

कामाख्या जंक्शन रेलवे स्टेशन के पास समपार फाटक संख्या एसटी–1 की जगह एक रोड अंडर ब्रिज जल्द ही पूरा होने वाला है, जिसका उद्देश्य सड़क यातायात के प्रवाह को सुचारू बनाना और सुरक्षित और निर्बाध ट्रेन संचालन को बढ़ावा देना है।

मुंबई और बोरीवली के बीच छठी लाइन



खार–गोरेगाँव खंड (8.8 किमी) चालू किया गया

112 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक किया गया

प्रगति पर : मौजूदा पैदल ऊपरी पुलों के बदले 27 नए पैदल ऊपरी पुलों का निर्माण

14 नवम्बर, 2023

पूर्वोत्तर का उभरता हुआ ताज





111 किमी लंबी जिरीबाम–इम्फाल रेलवे लाइन का हिस्सा नोनी ब्रिज, जो दुनिया का सबसे ऊंचा (141 मीटर) रेलवे घाट पुल है, उसका 80% काम पूरा होने के करीब है। यह मणिपुर को जोड़ने और पूर्वोत्तर में रेल अवसंरचना की एक नई लहर पैदा करने में महत्त्वपूर्ण कड़ी साबित होगा।

16 नवम्बर, 2023

यात्रियों की सुविधा के लिए, तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को निम्नलिखित गंतव्यों तक विस्तारित किया गया है



20661/62 केएसआर बेंगलुरु–धरवाड़ वंदे भारत एक्सप्रेस का बेलगावी तक विस्तार
22925/26 अहमदाबाद–जामनगर वंदे भारत एक्सप्रेस का उधना तक विस्तार
22549/50 गोरखपुर–लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस का प्रयागराज तक विस्तार

16 नवम्बर, 2023

शिवमोग्गा टाउन–तालगुप्पा खंड के बीच समपाल फाटक संख्या 52 को बदलने के लिए बनाए गए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का शानदार दृश्य



गर्डर लॉन्च किया गया
डेक का कार्य प्रगति पर है
यह यात्री सुविधा और संरक्षा को बढ़ाएगा और निर्बाध ट्रेन परिचालन प्रदान करेगा।

18 नवम्बर, 2023

पश्चिम बंगाल के माथाभांगा रेलवे स्टेशन पर ट्रैक्शन सबस्टेशन का निर्माण कार्य प्रगति पर



मिशन 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के हिस्से के रूप में, पश्चिम बंगाल के माथाभांगा रेलवे स्टेशन पर एक ट्रैक्शन सबस्टेशन का निर्माण किया जा रहा है, जो न्यू कूचबिहार–माथाभांगा–जलपाईगुड़ी रोड खंड पर पर्यावरण–अनुकूल ट्रेन संचालन को सक्षम करेगा।



20 नवम्बर, 2023

गुजरात के न्यू मकरपुरा यार्ड में एक नया आरओबी चालू किया गया



सुचारू रेलवे आवागमन सुनिश्चित करने के लिए डीएफसीसीआईएल न्यू मकरपुरा यार्ड, गुजरात में एक नया आरओबी चालू किया गया है। डीएफसी संरेखणे के माध्यम से मकरपुरा को गोथंगम से जोड़ेगा।



21 नवम्बर, 2023

गडग–होटगी दोहरीकरण परियोजना का हिस्सा बागलकोट और मुगलोली खंडों के बीच एक प्रमुख पुल का निर्माण जारी





घाटप्रभा नदी पर, बागलकोट और मुगलोली खंडों के बीच एक प्रमुख पुल का निर्माण किया जा रहा है, जो गडग–होटगी दोहरीकरण परियोजना का हिस्सा है। पूरा होने पर, यह परियोजना दक्षिणी महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच निर्बाध रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

22 नवम्बर, 2023

फास्ट–ट्रैकिंग ट्रेन परिचालन कल्याण जंक्शन स्टेशन पर यार्ड रूपांतरण



प्रगति :
60% मिट्टी का कार्य
चरण–I का 95% पुल कार्य
पुरानी पटरियों को तोड़ना
इससे मुंबई उपनगरीय ट्रेनों और मेल एक्सप्रेस ट्रेनों की गतिशीलता में उल्लेखनीय सुधार होगा।



24 नवम्बर, 2023

अयोध्या स्टेशन पर प्लेटफॉर्मों पर एयर कॉनकोर्स का निर्माण





पारंपरिक डेक स्लैब से हटकर, उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्टेशन पर प्लेटफॉर्मों पर एयर कॉनकोर्स के निर्माण के लिए 128 मीटर चौड़ा गर्डर लॉन्च किया गया। 58 मीटर तक फैले इस कॉन्कोर्स में रिटेल शॉप, कैफेटेरिया जैसी आधुनिक सुविधाएं एक ही स्थान पर होंगी।

25 नवम्बर, 2023

माझेरहाट मेट्रो स्टेशन, कोलकाता (बैंगनी लाइन) की प्रगति का विवरण :



पूर्ण : कंक्रीट संरचना
स्टेशन की छत को ढंकना।
कार्य प्रगति पर : लिफ्ट और एस्केलेटर की स्थापना, फर्श, विद्युतीकरण कार्य।
यह स्टेशन उपनगरीय लाइन और मेट्रो लाइन के इंटरचेंजिंग पॉइंट के रूप में काम करेगा।

28 नवम्बर, 2023

कराईकल–पेरलम नई लाइन परियोजना, तमिलनाडु



कार्य पूरा : अंबागारथुर में स्टेशन भवन की नींव
75/77 छोटे पुल
कार्य प्रगति पर है :
तिरुनल्लर में स्टेशन भवन
एक बार पूरा होने पर, इस परियोजना से कराईकल से मयिलादुथुराई के बीच यात्रा का समय कम हो जाएगा।

8 नवम्बर, 2023

एर्नाकुलम टाउन स्टेशन–पुनर्विकास



एर्नाकुलम टाउन रेलवे स्टेशन (जिसे एर्नाकुलम नॉर्थ स्टेशन के नाम से भी जाना जाता है) को ग्रीन रेटिंग फॉर इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट (जीआरआईएचए) द्वारा निर्धारित मानकों का अनुपालन करते हुए 'हरित भवन' के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है।



14 नवम्बर, 2023

राजा भातखावा स्टेशन पर रेल कोच रेस्तरां





अब डुआर्स क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों और स्थानीय लोगों को स्वादिष्ट भोजन परोसने के लिए बंगाल की पहाड़ियों का 'प्रवेश द्वार' राजा भातखावा स्टेशन पर रेल कोच रेस्तरां शुरू होगा।

कोकराझार में रेल कोच रेस्तरां





कोकराझार रेलवे स्टेशन के भीतर स्थित असम रेल कोच रेस्तरां में बहु–व्यंजन दावत के लिए पधारिये और संसाधन पुनर्चक्रण की सुंदरता को अपनाते हुए स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लीजिए। रेस्तरां 18 अक्टूबर, 2023 से जनता के लिए खुल गया है।

उत्तर प्रदेश के गोमती नगर रेलवे स्टेशन के परिसर में 'रेल कोच रेस्तरां'



उत्तर प्रदेश के गोमती नगर रेलवे स्टेशन के परिसर में एक पुराने कोच को संशोधित करके बनाए गए 'रेल कोच रेस्तरां' का उद्घाटन किया गया है। अब इस रेस्टोरेंट में लखनऊ के स्थानीय लोग और रेल यात्री लजीज व्यंजनों का आनंद ले रहे हैं

पुणे जंक्शन पर एक पुराने कोच का प्राचीन रेस्तरां में रूपांतरण





महाराष्ट्र में पुणे जंक्शन पर एक पुराने कोच का पुन: उपयोग करने के क्रम में एक प्राचीन रेस्तरां का रूप देकर 'कोच रेस्तरां' का उद्घाटन किया गया। इसमें स्वादिष्ट भोजन परोसा जाता है।

स्टेशनों का पुनर्विकास





हरियाणा के अंबाला सिटी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास पूरा होने के बाद, इस स्टेशन में अत्याधुनिक सुविधाएं और एक विशाल परिसर होगा।





'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत उत्तर प्रदेश के देवरिया सदर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। पुनर्विकसित स्टेशन भवन आकर्षक डिजाइन के साथ आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित होगा।





हरियाणा में कालका रेलवे स्टेशन वर्तमान में अमृत भारत स्टेशन योजना के एक भाग के रूप में पुनर्विकास के दौर से गुजर रहा है। पूरा होने पर, स्टेशन आधुनिक सुविधाएं और बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेगा।





उत्तर प्रदेश के गोमती नगर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। पूरा होने पर, स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान करेगा।





चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन वर्तमान में 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पुनर्विकास के दौर से गुजर रहा है, जो आधुनिक और उत्कृष्ट यात्री सुविधाओं का मिश्रण पेश करेगा।





बिहार के सबौर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर: ओएफसी भवन की छत की बीम और स्लैब कास्टिंग, वीआईपी कक्ष और फूड प्लाजा की रीमॉडलिंग। यह यात्रियों की सुविधा और पहुँच बढ़ाने के लिए आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा।





केरल के कोल्लम जंक्शन रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है: सब स्टेशन नींव का काम, प्लेटफॉर्म संख्या 1, 4 और 5 को जोड़ने वाले पैदल ऊपरी पुल की नींव, मल्टी लेवल कार पार्किंग, पूरा होने पर, स्टेशन आधुनिक और उत्तम यात्री सुविधाओं का मिश्रण पेश करेगा।





उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास का काम जोरों पर है। पूरा होने पर, इससे आसानी, आराम और पहुँच बढ़ेगी और स्टेशन अधिक संख्या में यात्रियों को सुविधा प्रदान करेगा।





पंजाब में फिल्लौर जंक्शन रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास तेजी से चल रहा है। एक बार पूरा होने पर, स्टेशन यात्री सुविधा और आराम को बढ़ाने के लिए आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा।

भारतीय
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यता

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु **www.irctc.co.in** पर जाएं।

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं।

आप सीधे
www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn
पर भी जा सकते हैं।



❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग–इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

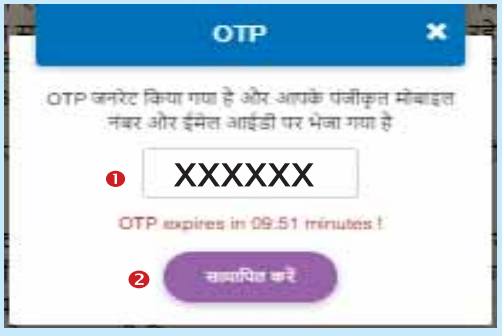


❷ लॉग–इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग–इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई–मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई–मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट–वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

रेल
प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

1. यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।
2. यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
3. 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।
4. एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



5. नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

सबमिट (जमा) का बटन दबाएं।

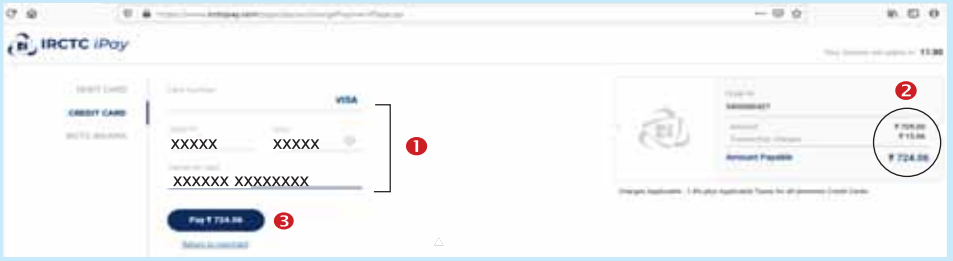
STEP 4



1. अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें

2. सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



1. पेमेंट मोड की डीटेल भरें
2. पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।
3. संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।

➲ बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

ईएमयू/एमईएमयू स्टॉक के लिए कम लागत वाली फायर डिटेक्शन सिस्टम

श्री गौरव कुमार सिंह
कार्यकारी निदेशक/कैरिज-II
आरडीएसओ, लखनऊ

श्री श्याम शंकर
एसएसई/कैरिज
आरडीएसओ, लखनऊ

सारांश : भारतीय रेल, यात्री रेल वाहन अग्नि सुरक्षा के लिए मुख्य रूप से अग्निरोधी फर्निशिंग सामग्री जैसे, सीट, दीवार और छत पैनल, पर्दे, फर्श सामग्री इत्यादि के निष्पादन मानदंडों पर निर्भर करती है। जहाँ तक अग्नि पहचान प्रणाली का सम्बन्ध है, भारतीय रेल ने एसी कोचों के लिए फायर डिटेक्शन सह अलार्म सिस्टम और पॉवर कार/पैंट्री कारों के लिए फायर डिटेक्शन सह दमन प्रणाली विकसित की है। प्राप्त अनुभव और तकनीकी साहित्य और बाजार सर्वेक्षण के आधार पर, आरडीएसओ ने हाल ही में वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित स्टॉक दोनों के लिए ईएमयू और मेमू ट्रेनों के लिए आग का पता लगाने हेतु सह अलार्म प्रणाली विकसित की है।

यह लेख ईएमयू और मेमू कोचों में उपयोग के लिए पॉइंट टाइप डिटेक्टरों (जो धुएं के सिद्धांत के साथ-साथ हीट सेंसिंग पर काम करता है) के उपयोग के बारे में बताता है और खोजने का प्रयास करता है क्योंकि ये डिटेक्टर अपेक्षाकृत सस्ते और बनाए रखने में आसान होते हैं।

1. परिचय

भारतीय रेल, यात्री रेल वाहन अग्नि सुरक्षा के लिए मुख्य रूप से अग्निरोधी फर्निशिंग सामग्री जैसे, सीट, दीवार और छत पैनल, पर्दे, फर्श सामग्री इत्यादि के निष्पादन मानदंडों पर निर्भर करती है। जहाँ तक अग्नि पहचान प्रणाली का सम्बन्ध है, भारतीय रेल ने एसी कोचों के लिए फायर डिटेक्शन सह अलार्म सिस्टम और पॉवर कार/पैंट्री कारों के लिए फायर डिटेक्शन-सह-दमन प्रणाली विकसित की है। हाल ही में, आरडीएसओ ने प्राप्त अनुभव और तकनीकी साहित्य और बाजार सर्वेक्षण के आधार पर ईएमयू और मेमू ट्रेनों के वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित स्टॉक दोनों के लिए आग का पता लगाने-सह-अलार्म प्रणाली विकसित की है।

एआरजीई दिशानिर्देश (भाग-1) पहचान-प्रणाली का विकल्प, कार्यात्मक आवश्यकताओं के साथ-साथ पता लगाने के समय को मापने के लिए लक्ष्य समय आदि से सम्बन्धित आवश्यकताओं का विवरण देता है। एसी कोचों के लिए भारतीय रेल द्वारा विकसित प्रणालियों का परीक्षण और प्रमाणीकरण इन्हीं एआरजीई दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है, हालांकि ईएमयू और मेमू कोचों के अंदर की स्थिति के साथ ईएमयू/एमईएमयू स्टॉक के लिए इन प्रणालियों के रख-रखाव के साथ-साथ खरीद-व्यय का अनुकूलन एसी कोचों के अंदर की स्थिति से अलग है। ईएमयू और मेमू कोचों हेतु प्रासंगिक मानकों/विनिर्देशों को पूरा करने के लिए कम लागत वाली आग का पता लगाने वाली प्रणाली-सह-अलार्म सिस्टम वैकल्पिक प्रणाली को विकसित किया गया।

यह पेपर ईएमयू और मेमू कोचों में उपयोग के लिए पॉइंट टाइप डिटेक्टरों (जो धुएं के सिद्धांत के साथ-साथ हीट सेंसिंग पर काम करता है) के उपयोग के बारे में बताता है और खोजने का प्रयास करता है क्योंकि ये डिटेक्टर अपेक्षाकृत सस्ते और बनाए रखने में आसान होते हैं।

2. वर्तमान में उपलब्ध भारतीय रेल प्रौद्योगिकियां-

2.1 आरडीएसओ/2013/सीजी-06 में फायर डिटेक्शन सह सप्रेशन सिस्टम

यह सिस्टम पेंट्री कार और पॉवर कार में दिया जाता है। इस प्रणाली की मुख्य विशेषता आग का पता लगाने के लिए स्मोक और हीट डिटेक्टरों के साथ-साथ वाटर-मिस्ट का उपयोग करके आग को दबाने के लिए एक स्वचालित शमन-प्रणाली का प्रावधान है। यह प्रणाली आग बुझाने के लिए पानी को जल-धुंध में परिवर्तित करने के लिए 200 बार पर संग्रहीत कर उच्च दबाव नाइट्रोजन का उपयोग करती है। आग का पता ईएन 54-7 अनुपालित बिंदु प्रकार के स्मोक डिटेक्टरों (3% ऑब्स/एम) तथा/या EN 54-5 अनुरूप बिंदु प्रकार के ताप डिटेक्टरों (900C) द्वारा जेनरेटर/पैंट्री क्षेत्र में लगाया जाता है। इसके अलावा, इन क्षेत्रों की छत में एलएचडी केबल (लीनियर हीट डिटेक्टर 105-1100C) भी प्रदान किया जाता है, ताकि अनावश्यक निर्माण को रोका जा सके। जनरेटर/पैंट्री क्षेत्र के अलावा, स्मोक डिटेक्टर गार्ड क्षेत्र, स्टाफ क्षेत्र, पॉवर कार और पेंट्री कार आदि में स्टोर क्षेत्र में भी प्रदान किए जाते हैं। जहाँ तक हीट डिटेक्टर द्वारा पता लगाने का सम्बन्ध है, दमन प्रणाली की सक्रियता स्वचालित है, हालांकि स्मोक डिटेक्टर द्वारा पता लगाना, दमन प्रणाली की सक्रियता मैनुअल है।

2.2 आरडीएसओ/2008/सीजी-04 को एस्पिरेशन टाइप स्मोक डिटेक्शन सिस्टम

इस सिस्टम का इस्तेमाल ए.सी. कोच में स्मोक डिटेक्शन के लिए किया जाता है। धुएं का पता एस्पिरेशन सिस्टम के माध्यम से लगाया

जाता है जो विभिन्न स्थानों पर हवा का नमूना लेता है और एक केंद्रीकृत डिटेक्टर में इसका विश्लेषण करता है। प्वाइंट टाइप स्मोक डिटेक्टर की तुलना में एस्पिरेशन टाइप स्मोक डिटेक्शन सिस्टम सक्रिय स्मोक डिटेक्शन सिस्टम है जिसके कारण यह बहुत शुरुआती चरण में धुएं का पता लगा सकता है। यह सिस्टम एस्पिरेटर (EN-20 अनुपालक) का उपयोग करता है। नियंत्रण कक्ष के साथ एस्पिरेटर प्रदान किया जाता है तथा यात्री और अन्य क्षेत्रों में नमूना बिंदु (श्रेणी-ए अनुपालन) प्रदान किए जाते हैं। एस्पिरेटर नमूना बिंदुओं के माध्यम से डिब्बे की हवा को लगातार सोखता रहता है और यात्रियों को हूटर/ब्रेक एप्लिकेशन के माध्यम से धुएं की उपस्थिति के कारण अस्पष्टता स्तर को निर्धारित सीमा तक पहुँचने की स्थिति में सचेत करता है।

2.3 संक्षिप्त लाभ और सीमाएं

क्र.	विवरण	लाभ	सीमाएं
1	आरडीएसओ/2013/सीजी-06 के लिए फायर डिटेक्शन सह दमन प्रणाली	गैर-यात्री क्षेत्र में गर्मी/धुएं का पता लगाने के लिए लागत प्रभावी प्रणाली	वायु विलयन के कारण सीमाबद्ध स्थानों में कम प्रभाव
		यह संरक्षण उन्मुख नहीं है	जाँच निष्क्रिय है
2	आरडीएसओ/2008/सीजी-04 का एस्पिरेशन टाइप स्मोक डिटेक्शन सिस्टम	अत: सक्रिय सिस्टम पता लगाने में कम समय लगता है	निरंतर रख-रखाव की आवश्यकता है
		सीमाबद्ध स्तरों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार समायोजित किया जा सकता है	वायु विलयन के कारण सीमाबद्ध स्थानों में कम प्रभाव
		बड़े क्षेत्र को कवर कर सकता है	आग के स्थान का निर्धारण करने में कठिनाई

3. आग का पता लगाने पर एआरजीई की आवश्यकताएं

एआरजीई दिशानिर्देश भाग 1 'रेलवे वाहनों में आग का पता लगाना' वाहन में डिटेक्टर की स्थिति को अनुकूलित करने के लिए पहचान प्रतिक्रिया को मापने के लक्ष्य के साथ रेलवे वाहनों पर स्थापित अग्नि पहचान प्रणालियों के कार्यात्मक परीक्षण को परिभाषित करता है। यह अधिकृत क्षेत्रों के साथ-साथ तकनीकी क्षेत्रों दोनों से संबन्धित है। निर्धारित सीमा पर परिभाषित लक्ष्य मूल्यों का चयन रेलवे वाहन में व्यक्तिगत सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

पता लगाने का सिद्धांत

एआरजीई दिशानिर्देश आम तौर पर धुएं और गर्मी दोनों का पता लगाने पर विचार करता है। यह निम्नलिखित विकल्प को परिभाषित करता है:

- संभावित अधिकृत क्षेत्रों में धुएं का पता लगाना
- तकनीकी क्षेत्रों में धुएं या गर्मी का पता लगाना

संभावित रूप से अधिकृत क्षेत्रों को ऐसे क्षेत्र माना जाता है जिसमें यात्री या ट्रेन के कर्मचारी ठहर सकते हैं, उदाहरण हैं यात्री क्षेत्र, डिब्बे, स्टाफ डिब्बे, टॉयलेट, ड्राइवर के केबिन, रेस्तरां आदि।

तकनीकी क्षेत्र यात्री क्षेत्र में विद्युत कैबिनेट, छत पर या वाहन के नीचे तकनीकी डिब्बे, इंजन डिब्बे आदि हैं।

क्र.	क्षेत्र	समय सीमा
1.	संभावित अधिकृत क्षेत्र	1 मिनट
2.	तकनीकी क्षेत्र (दहन इंजन नहीं)	2 मिनट
3.	दहन इंजन	1 मिनट

निर्धारित समय

ये समय परीक्षण मूल्यांकन पर आधारित होते हैं और इसमें अलार्म प्रसारण का समय शामिल होता है। इसका मतलब है कि उसमें परीक्षण शुरू होने और अलार्म सिग्नल के बीच के समय का आकलन किया जाता है।

4. जाँच तंत्र

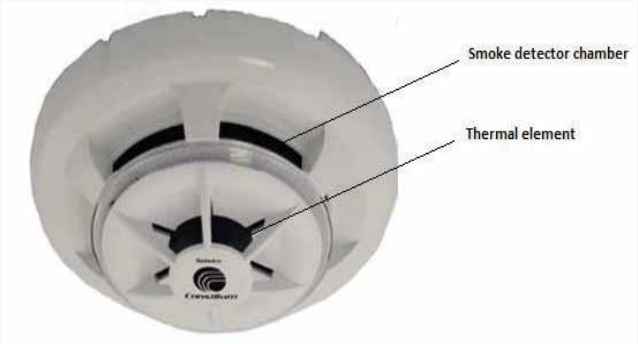
सामान्यत : आग का पता लगाने के लिए निम्नलिखित प्रकार के डिटेक्टरों का उपयोग किया जाता है

- धुएं का पता लगाना
- गर्मी का पता लगाना
- लौ का पता लगाना
- गैस का पता लगाना

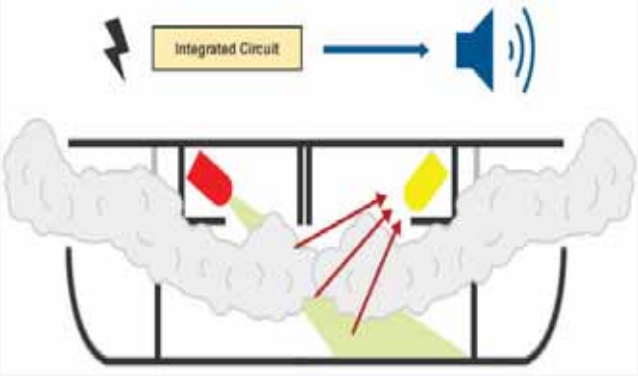
चूंकि यात्री अधिकृत क्षेत्रों में पता लगाने का समय केवल 60 सेकंड है, इसलिए आमतौर पर पॉइंट टाइप स्मोक डिटेक्टर (EN 54-7 तक) या एस्पिरेशन स्मोक डिटेक्टर (EN 54-20 तक) का उपयोग यात्री क्षेत्रों में किया जाता है, जबकि तकनीकी क्षेत्रों में, आमतौर पर हीट डिटेक्टर (से एन 54-5) का उपयोग किया जाता है।

आरडीएसओ ने ईएमयू/मेमू कोचों के लिए फायर डिटेक्शन कम अलार्म सिस्टम की आवश्यकता का आकलन करने के लिए विस्तृत विश्लेषण और साहित्य सर्वेक्षण किया है, जो न केवल कम लागत वाला होना चाहिए बल्कि एआरजीई दिशानिर्देशों को पूरा करने में भी सक्षम होना चाहिए। हितधारकों के साथ काफी विचार-विमर्श और चर्चा के बाद, आरडीएसओ ने ईएमयू/मेमू कोचों में संयुक्त/मल्टी डिटेक्टर का उपयोग करने का निर्णय लिया है।

संयुक्त/मल्टी डिटेक्टर-संयुक्त/मल्टी डिटेक्टर एक ऑप्टिकल स्मोक डिटेक्टर को हीट डिटेक्टर के साथ जोड़ते हैं जैसा कि नीचे दिखाया गया है। यह दोनों प्रणालियों को लाभ प्रदान करता है और अधिक भरोसेमंद भी है। प्राय: संकेत वे होते हैं, जो नियंत्रण इकाई द्वारा विश्लेषण किए गए प्रत्येक डिटेक्टर को सक्रिय करते हैं और संकेतों के एक पूर्व निर्धारित संयोजन से डिटेक्टर को सक्रिय करते हैं।



ऑप्टिकल स्मोक डिटेक्टर-इस डिटेक्टर में परस्पर कोण पर एक प्रकाश स्रोत और एक फोटोसेल स्थित होता है। सामान्य परिस्थितियों में प्रेषित प्रकाश एक 'प्रकाश भूलभुलैया' में जाता है जो रिसीवर पर प्रकाश के प्रतिबिंब को रोकता है। आग लगने की स्थिति में, डिटेक्टर के माध्यम से गुजरने वाले धुएं प्रकाश को फोटोकेल पर बिखेर देता है और प्रकाश की तीव्रता के एक विशिष्ट सीमा मूल्य पर डिटेक्टर सक्रिय हो जाता है।



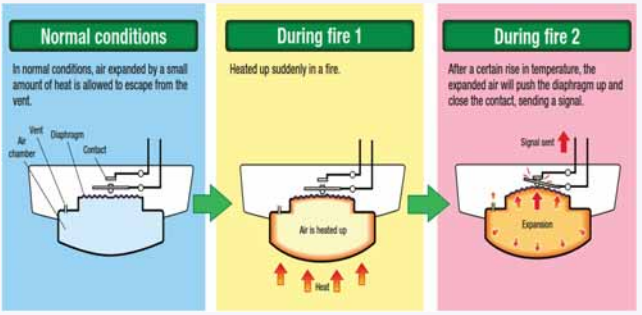
हीट डिटेक्टर-यह सिस्टम क्लासिकल हीट ट्रांसफर सादृश्य का उपयोग करता है; गर्मी को ठंडे इलाकों में ले जाया जाता है। प्वाइंट हीट डिटेक्टरों में एक या एक से अधिक थर्मल तत्व होते हैं, जो गर्म धुएं के डिटेक्टर से गुजरने पर गर्म हो जाते हैं। इन तत्वों में द्रव्यमान और विशिष्ट ताप क्षमता होती है, जिसके परिणामस्वरूप गर्म होने पर तापीय जड़ता होती है। ऊष्मीय जड़ता यह नियंत्रित करती है कि डिटेक्टर द्वारा अलार्म बजाने के लिए सतह कितनी तेजी से एक विशिष्ट तापमान तक पहुँचती है।

संचालन के आधार पर हीट डिटेक्टरों को सामान्यत: दो मुख्य वर्गीकरणों में विभाजित किया जाता है:

I- निश्चित तापमान, जो थर्मल तत्व के एक विशिष्ट तापमान तक पहुँचने के बाद सक्रिय हो जाएगा।

II- तापमान वृद्धि दर (आरओआर), जो एक निश्चित तापमान वृद्धि दर पर सक्रिय होगी।

साथ ही, ऐसे डिटेक्टर भी हैं जो सम्मिलित रूप से दोनों का उपयोग करके काम करते हैं। इस संयोजन में दोनों डिटेक्टरों के फायदे हैं और यह अधिक विश्वसनीय डिटेक्टर साबित हुआ है।



5. विनिर्देशों/दिशानिर्देशों का विकास

आरडीएसओ ने विभिन्न प्रकार के ईएमयू/एमईएमयू स्टॉक के लिए फायर डिटेक्शन कम अलार्म सिस्टम (एफडीएएस) के लिए निम्नलिखित दिशानिर्देश जारी किए हैं:

क्र.	स्थान	डीएमसी कोच	एनडीएमसी कोच	टीसी कोच
1.	यात्री क्षेत्र	एआरजीई दिशानिर्देशों को पूरा करने के लिए डिटेक्टरों की संख्या और स्थान		
2.	एचटी कम्पार्टमेंट			
3.	एलटी कम्पार्टमेंट			
4.	एमसीबी पैनल	1	1	-
5.	ईसीएबी पैनल	1	1	-
6.	ईडबल्यूपी1/ ईडबल्यूपी2/ ईडबल्यूपी3/ ईडबल्यूपीपी4 कैबिनेट	कोच में उपलब्धता के अनुसार प्रत्येक कैबिनेट में एक		

5.1 वातानुकूलित ईएमयू स्टॉक में एफडीएस का रेट्रो फिटमेंट

आमतौर पर, वातानुकूलित ईएमयू 12 कार का रेक होता है। तीन कोच एक बेसिक यूनिट बनाते हैं और चार ऐसी बेसिक यूनिट एक ट्रेन बनाने में काम आती है। आम तौर पर, ये ट्रेनें डीएमसी-टीसी-टीसी-टीसी-टीसी-एनडीएमसी-एनडीएमसी-टीसी-टीसी-टीसी-टीसी-डीएमसी के संयोजन में चलती हैं। निम्नलिखित तालिका के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों/क्यूबिकल्स में स्मोक-कम हीट डिटेक्टर प्रदान किए गए हैं-

इसके अलावा, प्रत्येक डीएमसी में फायर डिटेक्शन एंड कंट्रोल यूनिट (एफडीसीयू) और ड्राइवर डिस्प्ले (एचएमआई) प्रदान किए जाने हैं। सिस्टम की अन्य मुख्य विशेषताएँ नीचे दी गई हैं:

1. सिस्टम एसआईएल-2 के अनुरूप होना चाहिए।
2. रनिंग स्टाफ को ऑडियो अलर्ट का प्रावधान।
3. विफलताओं की तुरंत पहचान करने के लिए सिस्टम सेल्फ-डायग्नोसिस करने वाला होना चाहिए।
4. एफडीसीयू को प्रमुख सिस्टम स्थिति के लिए एचएमआई के साथ एलईडी एवं अन्य हार्डवेयर इंटरफेस प्रदान करना चाहिए।
5. उपयुक्त पहचान के माध्यम से संभावित धुएं/आग का पता चलने पर, सिस्टम में प्रतिक्रिया के विभिन्न स्तर होंगे (न्यूनतम दो यानी पूर्व अलार्म एवं अलार्म)।
6. गलत, या अवांछित अलार्म के खतरे को कम करने के लिए ड्रिफ्ट मुआवजे के प्रावधान के साथ यात्री क्षेत्रों में गतिशील दो डिटेक्टर डिपेंडेंसी (धुएं एवं/या गर्मी) प्रदान करने के लिए प्रणाली।
7. सभी प्रमुख घटनाओं (अलार्म, दोष आदि) को एफडीसीयू में दर्ज किया जाना चाहिए और किसी भी समस्या के विश्लेषण के लिए अनुरक्षण टर्मिनल पर पुनर्प्राप्ति योग्य होना चाहिए।
8. धुआं/अग्नि पहचान प्रणाली के सभी प्रमुख घटक प्रासंगिक मानकों जैसे ईएन54-5, ईएन 54-7, ईएन 50155 आदि का अनुपालन करेंगे।
9. डिटेक्टरों और एफडीसीयू के बीच संचार और डेटा के प्रसारण के लिए रेलगाड़ी नियंत्रण लाइनों हेतु रेलवे 6 कनेक्शन बिंदुओं को स्पेयर करेगा। आपूर्तिकर्ता के क्षेत्र में सिस्टम को पूरी तरह कार्यात्मक बनाने के लिए हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर की कोई अन्य आवश्यकता।

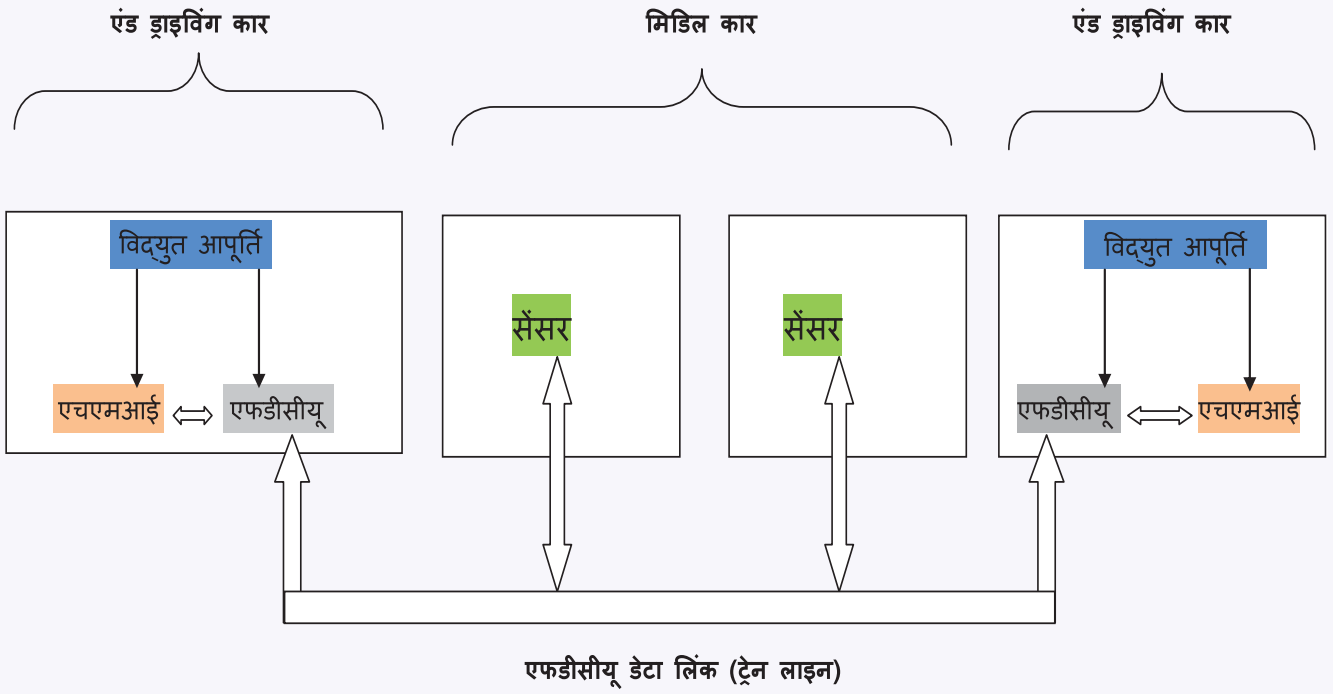
5.2 गैर-वातानुकूलित ईएमयू और मेमू स्टॉक में एफडीएएस का रेट्रो फिटमेंट

गैर वातानुकूलित ईएमयू रेक आमतौर पर एक 12 कार का फॉर्मेशन होता है जिसमें 3 कोच एक बेसिक यूनिट का निर्माण करते हैं और 4 बेसिक यूनिट एक रेक बनाने के लिए एकीकृत होती हैं। दूसरी ओर, मेमू रेक आमतौर पर एक 8 कार का फॉर्मेशन होता है जिसमें 4 कोच एक बेसिक यूनिट का निर्माण करते हैं और 2 बेसिक यूनिट एक रेक बनाने के लिए एकीकृत होती हैं।

सिस्टम की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

1. एलटी रूम, एचटी रूम और टेक्निकल इनक्लोजर्स/क्यूबिकल्स/कैबिनेट में स्मोक-कम-हीट डिटेक्टर (ईएन 54-7 और ईएन 54-5 तक) का प्रावधान। एलटी और एचटी डिब्बे में डिटेक्टरों की संवेदनशीलता और स्थान को एआरजीई की आवश्यकताओं को पूरा करना है।
2. दोनों सिरों पर ड्राइविंग कैब में फायर डिटेक्शन एंड कंट्रोल यूनिट (एफडीसीयू) और एचएमआई का प्रावधान। एफडीसीयू को प्रमुख सिस्टम स्थिति के लिए एचएमआई के साथ एलईडी और अन्य हार्डवेयर इंटरफेस प्रदान करना चाहिए।

सिस्टम का आर्किटेक्चर



3. सिस्टम एसआईएल-2 के अनुरूप होना चाहिए।

4. रनिंग स्टाफ को ऑडियो अलर्ट का प्रावधान।

5. विफलताओं की तुरंत पहचान करने के लिए सिस्टम सेल्फ-डायग्नोसिस करने वाला होना चाहिए।

6. उपयुक्त पहचान के माध्यम से संभावित धुएं/आग का पता चलने पर, सिस्टम में प्रतिक्रिया के विभिन्न स्तर होंगे (न्यूनतम दो यानी पूर्व अलार्म एवं अलार्म)।

7. सभी प्रमुख घटनाओं (अलार्म, दोष आदि) को एफडीसीयू में दर्ज किया जाना चाहिए और किसी भी समस्या के विश्लेषण के लिए अनुरक्षण टर्मिनल पर पुनर्प्राप्ति योग्य होना चाहिए।

8. गलत, या अवांछित अलार्म के खतरे को कम करने के लिए सिस्टम में ड्रिफ्ट मुआवजे का प्रावधान।

9. डिटेक्टरों और एफडीसीयू के बीच संचार और डेटा के प्रसारण के लिए रेलगाड़ी नियंत्रण लाइनों हेतु रेलवे 6 कनेक्शन बिंदुओं को स्पेयर करेगा। आपूर्तिकर्ता के क्षेत्र में सिस्टम को पूरी तरह कार्यात्मक बनाने के लिए हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर की कोई अन्य आवश्यकता।

10. धुआं/अग्नि पहचान प्रणाली के सभी प्रमुख घटक प्रासंगिक मानकों जैसे ईएन54-5, ईएन 54-7, ईएन 50155 आदि का अनुपालन करेंगे।

11. सिस्टम का आर्किटेक्चर एसी ईएमयू कोच के समान है।

6. निष्कर्ष

वर्तमान में भारतीय रेल एसी कोचों में एस्पिरेशन आधारित फायर डिटेक्शन कम अलार्म सिस्टम प्रदान कर रही है जो अनुरक्षण गहन हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल रेल नेटवर्क में लगभग 10000 ईएमयू/एमईएमयू कोच का परिचालन कर रही है, इसलिए कम लागत वाली आग का पता लगाने वाली सह अलार्म प्रणाली की आवश्यकता विशेष रूप से दिन के समय में संचालित होने वाले इस प्रकार के स्टॉक के लिए वांछनीय है। चूंकि प्रस्तावित प्रणाली कम अनुरक्षण आवश्यकताओं के अतिरिक्त लाभ के साथ-साथ लगभग 30-40% सस्ती है, इससे प्रारंभिक खरीद और अनुरक्षण दोनों के दौरान खर्च कम होने की संभावना है। सम्बन्धित क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से आरडीएसओ ने प्रदर्शनों की भी व्यवस्था की है जिसमें एआरजीई दिशानिर्देशों को पूरा करते हुए 60 सेकंड से भी कम समय में आग का पता लगाया गया।■

आप सबका **भारतीय रेल** के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ई-मेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री/लेख की जानकारी ई-मेल द्वारा दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

देवरगुड़िहल झील
दक्षिण पश्चिम रेल का गौरव

श्री अजय सिंह
सेवानिवृत्त, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर,
दक्षिण पश्चिम रेलवे



जब हम देश में रेलवे की संपत्तियों के बारे में सोचते हैं तो रेलवे स्टेशन, पुल, लोकोमोटिव, रेलगाड़ियां, रेल मार्ग इत्यादि दिमाग में आते हैं। ऐसा बहुत कम होता है कि जब हम रेलवे की बात करें तो किसी जलाशय का ख्याल मन में आए। दक्षिण पश्चिम रेल भारतीय रेल की कुछ ऐसी रेलवे में से एक है, जिसके पास रेलवे संपत्ति के रूप में हुबली शहर में देवरगुडिहल झील है। यह एक महत्त्वपूर्ण जल संसाधन होने के साथ-साथ एक महत्त्वपूर्ण विरासत भी है।

हुबली धारवाड़ क्षेत्र पश्चिमी घाट के उत्तरी कर्नाटक पठार पर उत्तर पश्चिम से दक्षिण पूर्व तक फैली एक चौड़ी पहाड़ी पर 600-755 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। धारवाड़ 710 मीटर की औसत ऊँचाई पर है, जबकि हुबली 620 मीटर की औसत ऊँचाई पर स्थित है। हुबली-धारवाड़ जुड़वां शहरों में पानी की आपूर्ति मुख्य रूप से मालाप्रभा जलाशय, नीरसागर झील और अन्य टैंकों के माध्यम से होती है। 200 एमएलडी की दैनिक आवश्यकता में से 160 एमएलडी की पूर्ति मालाप्रभा जलाशय से की जाती है और शेष 40 एमएलडी की आपूर्ति नीरासागर झील से की जाती है, जिसकी आपूर्ति पाँच दिनों में एक बार की जाती है। नीरासागर एक मानव निर्मित जलाशय है जिसका निर्माण 1955 में किया गया था और यह हुबली से लगभग 15 कि.मी. दूर स्थित है। शुरुआत में दोनों शहरों को पानी की आपूर्ति शहर में स्थित उनकल झील से की जाती थी। अधिक उपयोग, या कहें दुरुपयोग ने उनकल झील को पीने योग्य जल स्रोत के रूप में अनुपयुक्त बना दिया। देवरगुडिहल झील रेलवे प्रतिष्ठान की पानी की आवश्यकता के एक हिस्से की पूर्ति करके हुबली शहर में पानी की आपूर्ति बढ़ाने में मदद करती है।

हुबली में रेलवे केंद्रों से 12 किमी की दूरी पर स्थित यह झील एक मानव निर्मित जलाशय है जिस पर 1907 में मद्रास और दक्षिणी मराठा रेलवे द्वारा काम शुरू किया गया था। झील पर काम वर्ष 1917 तक पूरा हो गया था। यह झील भारतीय रेल के सबसे बड़े जलाशयों में से एक है, जिसका जल विस्तार 278 एकड़ और क्षेत्रफल 382 एकड़ है और जल धारण क्षमता 1935 मिलियन लीटर है। झील का शांत वातावरण पक्षियों के देखने का स्थान है, जिसमें बत्तख, टर्न, सारस, बगुले, किंगफिशर, प्रिनिया, बैबलर आदि सहित पक्षियों की 31 प्रजातियाँ देखी गई हैं। झील शहर से थोड़ा दूर होने के कारण यहाँ बड़ी संख्या में पर्यटक नहीं आते हैं। कुछ स्थानीय लोग मछली पकड़ने और अपने पशुओं को पानी पिलाने के लिए

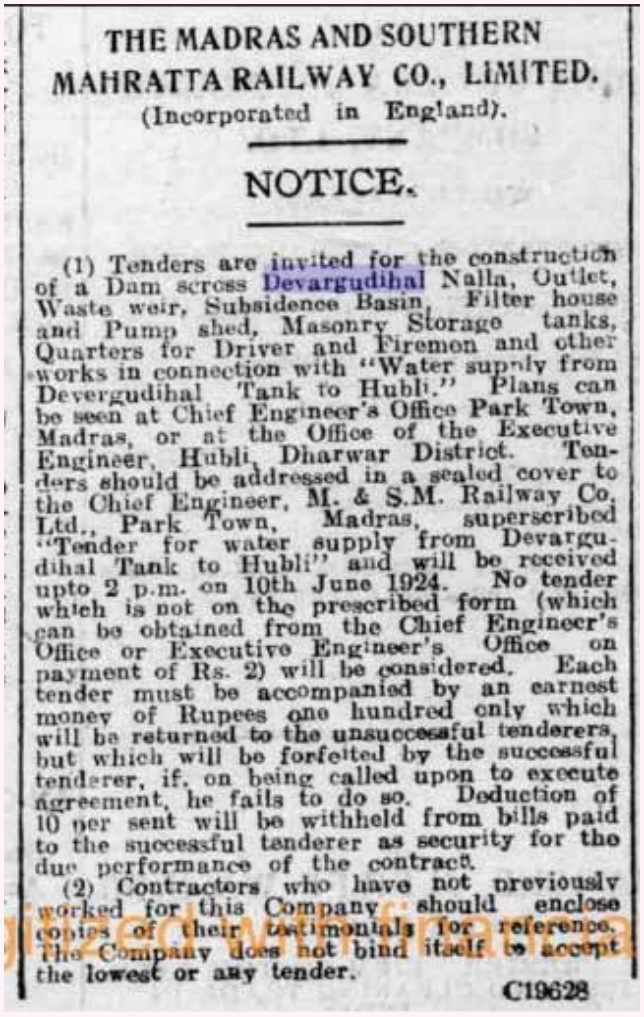
झील पर जाते हैं। सप्ताहांत पर शहर से भी पर्यटक यहां भ्रमण के लिए आते हैं। झील में पानी की गुणवत्ता इतनी अच्छी है कि स्थानीय लोग सीधे झील का पानी पीते हैं।

विरासत की बात करें तो हुबली धारवाड़ क्षेत्र में रेल की स्थापना अकाल राहत कार्य के रूप में हुई थी। रेलवे का निर्माण एक बड़े पैमाने पर लोगों को 'काम के बदले भोजन' से तत्काल राहत प्रदान करने के साथ-साथ ही अकाल प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न के परिवहन के लिए बुनियादी ढांचे के रूप में किया गया था। दक्षिणी मराठा रेलवे को 1 जून, 1882 को अकाल फीडर लाइन के रूप प्रतिस्थापित किया गया था। बेल्लारी-होसपेट का पहला खंड मार्च 1888 में खुला। 1890 तक गोवा से विजयवाड़ा और गुंतकल तक संपर्क स्थापित हो गया।

हुबली इस नेटवर्क पर एक महत्त्वपूर्ण जंक्शन था। दिसंबर 1891 के अंत तक हुबली में एक केंद्रीय कार्यशाला भी स्थापित की गई। हुबली में कार्यशाला, टाउनशिप और स्टेशन सुविधाओं के साथ ही भाप इंजन के लिए विश्वसनीय जल आपूर्ति की आवश्यकता हुई। हुबली धारवाड़ एक जल संकटग्रस्त क्षेत्र था, विशेषकर धारवाड़। यह एक कारण था कि एसएमआर का मुख्यालय धारवाड़ के बजाय हुबली में स्थापित किया गया था। हुबली उन दिनों बॉम्बे प्रेसीडेंसी के अधीन था और हुबली के लिए पानी की आपूर्ति बॉम्बे लोक निर्माण विभाग की सिंचाई शाखा को सौंपी गई थी। देवरगुडिहल झील और सम्बन्धित जलकार्यों का विकास मद्रास और दक्षिणी मराठा रेलवे द्वारा किया गया था।

देवरगुडिहल टैंक से हुबली तक 'जल आपूर्ति' के सम्बन्ध में मद्रास और दक्षिणी महरत्ता रेलवे कंपनी लिमिटेड ने देवरगुडिहल नाला पर एक बांध के निर्माण, आउटलेट, वेस्ट वियर, सबसिडेंस बेसिन, फिल्टर हाउस और पंप शेड, चिनाई भंडारण टैंक, ड्राइवर और फायरमैन के लिए क्वार्टर और अन्य कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित कीं हैं। निविदाएं 10 जून, 1924 को दोपहर 2 बजे तक प्राप्त होनी हैं।

हालाँकि झील 1917 तक तैयार हो गई थी, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि जल आपूर्ति प्रणाली का निर्माण 1924 के बाद शुरू किया गया। यह इस तथ्य पर आधारित है कि 12 मई 1924 के 'द बॉम्बे क्रॉनिकल' में एक निविदा सूचना प्रकाशित की गई थी। निविदा सूचना का उद्धरण नीचे दिया गया है।



THE MADRAS AND SOUTHERN MAHRATTA RAILWAY CO., LIMITED.
(Incorporated in England).

NOTICE.

(1) Tenders are invited for the construction of a Dam across Devargudihal Nalla, Outlet, Waste weir, Subsidence Basin, Filter house and Pump shed, Masonry Storage tanks, Quarters for Driver and Firemen and other works in connection with "Water supply from Devergudihal Tank to Hubli." Plans can be seen at Chief Engineer's Office Park Town, Madras, or at the Office of the Executive Engineer, Hubli, Dharwar District. Tenders should be addressed in a sealed cover to the Chief Engineer, M. & S.M. Railway Co, Ltd., Park Town, Madras, superscribed "Tender for water supply from Devargudihal Tank to Hubli" and will be received upto 2 p.m. on 10th June 1924. No tender which is not on the prescribed form (which can be obtained from the Chief Engineer's Office or Executive Engineer's Office on payment of Rs. 2) will be considered. Each tender must be accompanied by an earnest money of Rupees one hundred only which will be returned to the unsuccessful tenderers, but which will be forfeited by the successful tenderer, if, on being called upon to execute agreement, he fails to do so. Deduction of 10 per sent will be withheld from bills paid to the successful tenderer as security for the due performance of the contract.

(2) Contractors who have not previously worked for this Company should enclose copies of their testimonials for reference. The Company does not bind itself to accept the lowest or any tender.

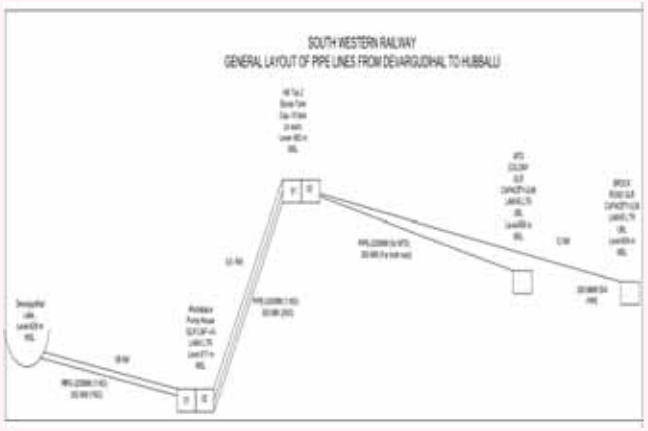
C19628

मद्रास और दक्षिणी मराठा रेलवे कंपनी लिमिटेड ने देवरगुडिहल नाले पर एक बांध, आउटलेट, वेस्ट वियर, सबसिडेंस बेसिन, फिल्टर हाउस और पंप शेड, चिनाई भंडारण टैंक, ड्राइवर और फायरमैन के लिए क्वार्टर और अन्य कार्यों का "देवेरगुडिहल टैंक से हुबली तक जल आपूर्ति" के तहत निविदाएं आमंत्रित कीं। । निविदाएं 10 जून 1924 को दोपहर 2 बजे तक प्राप्त होनी थीं।

देवरगुडिहल जलकार्य परियोजना 1924 में शुरू हुई होगी। संभवत: इस परियोजना ने हुबली को पानी की आपूर्ति 1927 में शुरू की थी।

देवरगुडिहल झील से पानी अहोबलपुर पंपहाउस तक, जो झील से 8 किमी नीचे की ओर है, गुरुत्वाकर्षण द्वारा दो पाइपलाइनों के माध्यम से बहता है-झील 629 मीटर की ऊँचाई पर है और पंपहाउस तथा वाटरवर्क्स 617 मीटर पर है। पंपहाउस में पानी को फिल्टर





किया जाता है और 14 लाख लीटर क्षमता के जमीनी स्तर के जलाशयों में संग्रहित किया जाता है। इस पानी को पास की पहाड़ी की चोटी पर बने 10 लाख लीटर क्षमता वाले दो भंडारण टैंकों में पंप किया जाता है, जो 663 मीटर की ऊँचाई पर आधा कि.मी. दूर है। वर्तमान में पहाड़ी की चोटी तक पानी पंप करने के लिए इलेक्ट्रिक पंप इस्तेमाल किए जाते हैं। मूल रूप से पम्पिंग भाप पंपों का उपयोग करके की जाती थी।

यह झील वर्ष 2014 तक हुबली में रेलवे के लिए पानी का स्रोत थी जिसके बाद यह बारिश की कमी के कारण सूख गई। 2014-2019 तक सूखने और झील से पानी की आपूर्ति में व्यवधान के कारण पाइपलाइन के साथ-साथ पंपिंग व्यवस्था को भी नुकसान हुआ।

वर्ष 2019 में झील पर्याप्त वर्ष के कारण फिर से भर गई। इसके बाद सितंबर 2020 से जल आपूर्ति प्रणाली को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया। पुनरुद्धार में झील, पम्पहाउस के साथ-साथ सभी पाइपलाइन, पहाड़ी पर इंजीनियरिंग और बिजली के कार्यों की मरम्मत और बहाली शामिल है। बहाली कोविद अवधि के दौरान हुई और 1 जनवरी 2021 को पुनर्जीवित झील का उद्घाटन किया गया। झील अब पानी से भरी हुई है और जल आपूर्ति प्रणाली को बहाल कर दिया गया है।

देवरगुडिहल झील के नवीनीकरण के साथ, अहोबालापुर पंप हाउस हुबली में रेलवे कॉलोनियों, कोचिंग डिपो, स्टेशन और कार्यशाला को 10 से 12 लाख लीटर पानी की आपूर्ति करता है। हुबली धारवाड़ नगर निगम की जल आपूर्ति पर पानी का भार कम करने के साथ-साथ पानी के बिलों में लगभग ₹9 लाख की मासिक बचत भी होती है। यह झील हुबली की रेलवे टाउनशिप के लिए पानी की आत्मनिर्भरता प्रदान करने में एक महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है।■

झील और जल आपूर्ति प्रणाली को बहाल करने वाली टीम का नेतृत्व दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अजय कुमार सिंह और श्री अरविंद मालखेड़े, मंडल रेल प्रबंधक, हुबली ने किया था, जिसमें श्री पीके मिश्रा, अतिरिक्त महाप्रबंधक और सुश्री रूपा श्रीनिवासन फाइनेंशियल सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी के मूल्यवान तकनीकी और परियोजना इनपुट शामिल थे। परियोजना निष्पादन टीम में श्री पी महेंद्र (वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वय), श्री वामशी के बुडारापु, श्री पी अष्टिकर (वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता), श्री पवन अडेवाड (वरिष्ठ मंडल दूरसंचार इंजीनियर), श्री जे वी रमण राव (वरिष्ठ मंडल अभियंता), श्री ईशान श्रीवास्तव (डिवीजनल इंजीनियर), श्री एचटी प्रकाश (सहायक डिविजनल इंजीनियर) और संजय कुमार (सीनियर सेक्शन इंजीनियर) शामिल थे।



सूचना

'भारतीय रेल' पत्रिका में लेखक के नाम के साथ प्रकाशित हुए लेख (फोटोग्राफ के साथ), लेखक द्वारा उपलब्ध करवाए जाते हैं। भविष्य में लेख तथा फोटोग्राफ्स से सम्बन्धित कॉपी राइट्स के उल्लंघन तथा अन्य किसी भी प्रकार के विवाद के लिए लेखक संपूर्ण रूप से जिम्मेदार होगा। रेल मंत्रालय या संपादकीय टीम किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगी। लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं, इनसे संपादक मंडल का सहमत होना जरूरी नहीं है। *-संपादक*

भारतीय रेल के 7 दशक

डॉ. सोपान काशीनाथ
एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग
रेलवे डिग्री कॉलेज, सिकंदराबाद



परिचय :

किसी भी अर्थव्यवस्था में तीन क्षेत्र होते हैं अर्थात् प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र और तृतीयक क्षेत्र। सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था की आर्थिक वृद्धि और विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है परिवहन क्षेत्र सेवा के ऐसे ही क्षेत्रों में से एक है।

भारतीय रेल भारत में यात्रियों और लंबी दूरी के लिए थोक माल के परिवहन के साधनों में से एक है। भारतीय रेल भारत की जीवन रेखा है। 12.52 लाख कर्मचारियों को रोज़गार भारतीय रेल दुनिया के सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है। भारतीय रेल सालाना 1,250 मिलियन यात्रियों को यात्रा कराती है। भारतीय रेल दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्कों में से एक है, जिसमें 68,103 किमी का मार्ग और 7,337 रेलवे स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय रेल में यात्री कि.मी. (PKMS) 2,31,126 मिलियन, जबकि नेट टन कि.मी. (NTKMS) 7,19,762 मिलियन रहा।

भारतीय रेल में कुल विद्युतीकृत नेटवर्क 44,802 किमी है। वर्ष 2020-2021 के दौरान भारतीय रेल ने शुद्ध राजस्व ₹2547.48 करोड़ अर्जित किया। यह अध्ययन निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं की मदद से भारतीय रेल के 7 दशकों पर एक नजर डालता है:

1. भारतीय रेल का संक्षिप्त इतिहास।
2. भारतीय रेल की संगठनात्मक संरचना।
3. भारतीय रेल का भौतिक निष्पादन।
4. भारतीय रेल का वित्तीय प्रदर्शन।
5. भारतीय रेल में उत्पादकता।
6. भारतीय रेल में मानव संसाधन।
7. भारतीय रेल में चिकित्सा सेवाएँ
8. भारतीय रेल की सुरक्षा एवं संरक्षा।
9. कुछ सुझाव।

इस अध्ययन की अनुसंधान पद्धति का लक्ष्य उपरोक्त मुख्य उद्देश्य हैं। डेटा द्वितीयक स्रोत से एकत्र किया गया है। अध्ययन की अवधि 1950-51 से 2020-2021 तक 7 दशकों के बीच सीमित है। सांख्यिकीय डेटा को अध्ययन की आवश्यकताओं के अनुसार प्रतिशत और अनुपात में लिया गया है।

ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे (जीआईपीआर) द्वारा निर्मित पहली रेल वर्ष 1853 में चली थी। पहली ट्रेन 16 अप्रैल 1853 को बॉम्बे और ठाणे के बीच चली थी, जो ब्रिटिश भारत के इतिहास में एक मील का पत्थर था।

वर्ष 1854 और 1860 के बीच के वर्षों में, ब्रिटिश भारत में आठ रेलवे कंपनियाँ थीं-पूर्वी भारत रेलवे, ग्रेट इंडिया पेनिनसुला कंपनी, मद्रास रेलवे, बॉम्बे बड़ौदा और सेंट्रल इंडिया रेलवे, सिंधिया रेलवे, पूर्वी बंगाल पूर्वी रेलवे और कलकत्ता और दक्षिण रेलवे कंपनी। वर्ष 1869 से 1881 के बीच ब्रिटिश सरकार ने ईस्ट इंडिया कंपनी से भारत में रेलवे लाइन बिछाने की जिम्मेदारी ली।

निजाम की गारंटीड स्टेट रेलवे 1879 से 1950 तक भारत में एक रेलवे कंपनी थी, और इसका स्वामित्व निजाम डोमिनियन के पास था या जिसे हैदराबाद राज्य के नाम से जाना जाता था। निजाम राज्य रेलवे ने भारत में लगभग 71 वर्षों तक शासन किया।

भारतीय रेल एक भारतीय राज्य के स्वामित्व वाला उद्यम है, जिसका स्वामित्व और संचालन 1951 से रेल मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार द्वारा किया जाता है।

भारतीय रेल प्रबंधन में प्रभावी और कुशल प्रबंधन के लिए तीन स्तरीय ऊर्ध्वाधर संरचना है। प्राधिकार का ऊपर से नीचे की ओर प्रवाहित होता है। इसलिए, भारतीय रेल का नेतृत्व और संचालन केंद्रीय रेल मंत्री, दो रेल राज्य मंत्री और अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड द्वारा किया जाता है।

रेलवे बोर्ड में रेलवे बोर्ड के अध्यक्षा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सदस्य होते हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ होते हैं जिनमें वित्त, अवसंरचना, ट्रैक्शन, संचालन और व्यवसाय विकास शामिल हैं। सीआरबी एवं सीईओ भारतीय रेल के दिमाग और आंखें हैं।

क्षेत्रीय रेलें महाप्रबंधकों द्वारा शासित होती हैं। उन्हें विशेषज्ञ टीम के सदस्यों जैसे : एजीएम, एसडीजीएम और प्रधान विभागाध्यक्षों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है जैसे : सीसीएम, सीओएम, सीई, सीएमई, सीईई, सीपीओ, सीएमडी, सीएसओ, सीओएस, सीएसटीई और एफए और सीएओ और ऑडिट। भारतीय रेल में 17 जोन हैं।

मंडल का प्रबंधन मंडल रेल प्रबंधक द्वारा किया जाता है। उनकी टीम में अपर मंडल रेल प्रबंधक, SrDE, SrDEE, SrDME, SrDOM, SrDPO, SrDCM, SrDMO, SrDSO, SrCVO, SrDOS, SrDSTE, SrDAO शामिल हैं। भारतीय रेल में 68 मंडल हैं।

उपरोक्त 17 रेलवे जोन और 68 मंडलों के अलावा, उत्पादन इकाइयाँ, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निगम और अन्य इकाइयाँ हैं, और भारतीय रेल के दायरे में अधिकारियों की प्रशिक्षण और विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सात केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान हैं। भारतीय रेल में संगठनात्मक संरचना स्पष्ट रूप से श्रेष्ठ और अधीनस्थ सम्बन्धों को दर्शाती है। संगठनात्मक संरचना संगठन की दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाती है।

भौतिक प्रदर्शन का विश्लेषण :

भारतीय रेल में भौतिक प्रदर्शन को रूट कि.मी., रेलवे स्टेशनों की संख्या, रोलिंग स्टॉक और विद्युतीकृत नेटवर्क जैसे मुख्य मापदंडों के माध्यम से अनुमानित किया जाता है:-

भारतीय रेल के नेटवर्क को रूट कि.मी. के माध्यम से दर्शाया गया है। भारतीय रेल में रूट कि.मी. वर्ष 1950-51 के दौरान 53,596 रूट कि.मी. की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 68,103 कि.मी. है। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान रूट कि.मी. में 27.9 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

भारतीय रेल में यात्रियों की माँग को पूरा करने के लिए अत्यधिक संभावित क्षेत्रों में नई रेलवे लाइनों का विस्तार किया जा सकता है। कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं-पुणे से औरंगाबाद, पार्लिवियाजनाथ से बीड, विजाग से सिम्हाचलम, तिरुपति से तिरुमाला, सोलापुर से तुलजापुर और पंढरपुर, कुरनूल से श्रीशैलम, रायगिर से यदादिरी इत्यादि।

भारत में सामाजिक-आर्थिक विकास का रेलवे स्टेशनों के विकास से अत्यधिक सम्बन्ध है। भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों की संख्या वित्त वर्ष 1950-51 के दौरान 5,976 रेलवे स्टेशनों की तुलना में वर्ष 2020-21 के दौरान 7,337 थी। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान रेलवे स्टेशनों की संख्या में 22.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालाँकि, यात्रियों और राष्ट्र हित में रेलवे स्टेशनों की संख्या और बढ़ाई जा सकती है।

भारतीय रेल में मुख्य रोलिंग स्टॉक डीजल लोकोमोटिव, इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव, वैगन और यात्री गाड़ियां और वाहन हैं। वित्त वर्ष 1950-51 के दौरान 17 डीजल इंजनों की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान डीजल इंजनों की संख्या 5108 थी। अध्ययन अवधि के दौरान डीजल लोकोमोटिव की संख्या में 355.82 गुना की वृद्धि हुई है। स्टीम लोकोमोटिव की तुलना में डीजल लोकोमोटिव ईंधन लागत में तेज और सस्ते होते हैं।

भारतीय रेल में इलेक्ट्रिक इंजनों की संख्या वर्ष 1950-51 के दौरान 72 की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 7,587 थी। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की संख्या में 84.15 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। डीजल लोकोमोटिव की तुलना में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव पर्यावरण-अनुकूल, सस्ते और तेज हैं। इसलिए, भारत में यात्रियों को सर्वोत्तम सेवाएँ प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रिक इंजनों की संख्या में और वृद्धि की जा सकती है।

वित्त वर्ष 1950-51 के दौरान 13,022 यात्री ट्रेनों की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय रेल में यात्री ट्रेनों की संख्या 58,760 है। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान यात्री ट्रेनों की संख्या

में 4 गुना वृद्धि हुई है। यात्रियों के हित में यात्री गाड़ियाँ अधिक आरामदायक, सुरक्षित और अग्निरोधी होनी चाहिए।

भारतीय रेल में मुनाफे का पहिया वैगन घुमाते हैं। वित्त वर्ष 1950-51 के दौरान 2.05 लाख वैगनों की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान वैगनों की संख्या 3.02 लाख थी। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान वैगनों की संख्या में 1.40 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

भारतीय रेल में विद्युतीकरण नेटवर्क वित्त वर्ष 1950-51 के दौरान 388 कि.मी. की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 44,802 कि.मी. था। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान भारतीय रेल में विद्युतीकरण नेटवर्क में 88.45 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय रेल के कुल रूट कि.मी. में विद्युतीकरण नेटवर्क का प्रतिशत 65.78 प्रतिशत था। हालाँकि, सिकंदराबाद से नांदेड़ और बीदर मार्ग के माध्यम से मनमाड मार्ग और भारतीय रेल के संभावित क्षेत्रों में यात्रियों को सर्वोत्तम सेवाएँ प्रदान करने के लिए विद्युतीकरण नेटवर्क को और भी अधिक बढ़ाना चाहिए। (तालिका नंबर एक)

भारतीय रेल में उत्पादकता :

भारतीय रेल में उत्पादकता को कुल यातायात आउटपुट यानी यात्री कि.मी. (पीकेएमएस) और नेट टन कि.मी. (एनटीकेएमएस) के माध्यम से दर्शाया जाता है।

भारतीय रेल में यात्री कि.मी. वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 2,31,126 मिलियन था, जबकि वित्त वर्ष 1950-51 के दौरान यह 66,517 मिलियन था। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान भारतीय रेल में यात्री कि.मी. में 17.39 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

भारतीय रेल में नेट टन कि.मी. वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 7,19,762 मिलियन था, जबकि वित्त वर्ष 1950-51 के दौरान यह 37,585 मिलियन था। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान भारतीय रेल में नेट टन कि.मी. में 19.15 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस प्रकार, भारतीय रेल में उत्पादकता अत्यधिक पर्याप्त है। हालाँकि, कोविड 19 के कारण पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2020-2021 के दौरान यात्री कि.मी. में उत्पादकता में गिरावट आई थी। (टेबल तीन)

वित्तीय प्रदर्शन विश्लेषण :

भारतीय रेल के वित्तीय प्रदर्शन का मूल्यांकन निम्नलिखित मुख्य मापदंडों, सकल राजस्व, शुद्ध राजस्व, कुल लागत, मानव संसाधन लागत और परिचालन अनुपात के माध्यम से किया जाता है।

वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय रेल का सकल राजस्व रूपये 1,40,783 करोड़ था, जबकि वर्ष 1950-51 के दौरान यह रूपये 263.30 करोड़ था। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान सकल राजस्व में 723.53 गुना की जबरदस्त वृद्धि हुई है।

वर्ष 2020-2021 के दौरान भारतीय रेल में यात्री आय रूपये 15,248 करोड़ है, जबकि माल ढुलाई से आय रूपये 1,15,738 करोड़ थी। हालाँकि, कोविड 19 के कारण वर्ष 2020-2021 के दौरान भारतीय रेल की कमाई में गिरावट आई। भारतीय रेल की कमाई में माल ढुलाई से होने वाली कमाई का बड़ा योगदान है।

शुद्ध राजस्व भारतीय राजकोष में भारतीय रेल का योगदान है। वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय रेल का शुद्ध राजस्व रूपये 2547 करोड़ था, जबकि वर्ष 1950-51 के दौरान यह रूपये 47.56 करोड़ था। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान भारतीय रेल में शुद्ध राजस्व में 78.49 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय रेल की कुल लागत रूपये 1,38,236 करोड़ थी, जबकि वर्ष 1950-51 के दौरान यह रूपये

भारतीय रेल का भौतिक निष्पादन तालिका–1

वित्त वर्ष	रूट कि. मी.	रेलवे स्टेशनों की संख्या	विद्युतीकृत नेटवर्क कि.मी. में	डीजल रेल इंजनों की संख्या	विद्युत रेलइंजनों की संख्या	वैगन की संख्या लाख में	यात्री डिब्बों की संख्या
वित्त वर्ष 1950-51	53,596	5,976	388	17	72	2.05	13,022
वित्त वर्ष 1960-61	56,247	6,523	748	181	131	3.07	20,062
वित्त वर्ष 1970-71	59,790	7,066	3,706	1,169	602	3.83	24,591
वित्त वर्ष 1980-81	61,240	7,035	5,345	2,403	1,036	4.00	27,410
वित्त वर्ष 1990-91	62,367	7,100	9,968	3,759	1,743	3.46	28,677
वित्त वर्ष 2000-01	63,028	6,843	14,856	4,702	2,810	2.22	33,236
वित्त वर्ष 2010-11	64,460	7,133	19,607	5,137	3,825	2.20	45,089
वित्त वर्ष 2020-21	68,103	7,337	44,802	5,108	7,587	3.02	58,760
विश्लेषण	127	123	115 गुना	300 गुना	105 गुना	1.47 गुना	4.5 गुना

स्रोत : भारतीय रेल वार्षिक लेखा और रिपोर्ट और भारतीय रेल की 'इयर बुक' वित्त वर्ष 1950-51 से वित्त वर्ष 2020-2021 तक

215.74 करोड़ थी। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान भारतीय रेल की कुल लागत में 865.55 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

भारतीय रेल में मानव संसाधन लागत कुल लागतों में से एक है। भारतीय रेल में वर्ष 2020-21 के दौरान मानव संसाधन लागत रूपये 156731 करोड़ थी जबकि वर्ष 1950-51 के दौरान यह रूपये 113.8 करोड़ थी। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान भारतीय रेल में मानव संसाधन लागत में 1180.70 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय रेल में कुल लागत में मानव संसाधन लागत 113 प्रतिशत है, जो काफी अधिक है।

परिचालन अनुपात भारतीय रेल में प्रबंधन की प्रभावशीलता का पैमाना है। परिचालन अनुपात और मुनाफा विपरीत रूप से सम्बन्धित हैं। भारतीय रेल में परिचालन अनुपात वर्ष 1950-51 के दौरान 81 प्रतिशत था, जबकि वर्ष 2020-21 के दौरान यह 97.4 प्रतिशत रहा। परिचालन अनुपात जितना अधिक होगा, लाभ उतना ही कम होगा और इसके विपरीत।

एसएनएफसी में परिचालन अनुपात 65 प्रतिशत है, भारतीय रेल को फ्रांस रेलवे से सबक लेना चाहिए। भारतीय रेल में परिचालन अनुपात बहुत अधिक है। इसलिए, ऑपरेटिंग अनुपात को नियंत्रित करने के लिए रणनीति को तैनात किया जाना चाहिए। भारतीय रेल में एक ओर जनशक्ति शक्ति और दूसरी ओर जनशक्ति लागत और अन्य लागतों को नियंत्रित करके परिचालन अनुपात को सुधारा जा सकता है। भारतीय रेल में अत्याधुनिक तकनीक शुरू करने के अलावा। (तालिका 2)

मानव संसाधन विश्लेषण :

भारतीय रेल में सभी संसाधनों के बीच मानव संसाधन ही वास्तविक संसाधन हैं। इसलिए, भारतीय रेल में मानव संसाधन का अध्ययन अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है।

भारतीय रेल में मानव संसाधनों को चार समूहों में वर्गीकृत किया गया है: समूह ए और बी, जिसमें अधिकारी संवर्ग शामिल हैं, जबकि समूह सी और समूह डी को गैर-राजपत्रित संवर्ग के रूप में शामिल किया गया है।

भारतीय रेल में मानव संसाधन की संख्या वर्ष 1950-51 के दौरान 9.14 लाख की तुलना में वर्ष 2020-21 के दौरान 12.52 लाख थी। उपरोक्त अध्ययन अवधि के दौरान भारतीय रेल में मानव संसाधन की ताकत में 1.34 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

भारतीय रेल में मानव संसाधन लागत रूपये 156731 करोड़ है। वर्ष 2020-2021 के दौरान भारतीय रेल में कुल लागत में मानव संसाधन लागत 113 प्रतिशत है। भारतीय रेल में मानव संसाधन लागत नियंत्रण बहुत जरूरी है। (तालिका-4)

वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय रेल में महिला कर्मचारियों की संख्या 98,540 थी। वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय रेल के कुल कर्मचारियों में महिला कर्मचारियों की संख्या 7.48 प्रतिशत है। इसलिए, भारतीय रेल में कुल कर्मचारियों में महिला कर्मचारियों की संख्या 33 प्रतिशत तक बढ़ाई जा सकती है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ :

भारतीय रेल चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं का गठन मुख्य रूप से रेलवे कर्मचारियों की चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं की देखभाल के लिए किया गया था। हालाँकि, कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को भी पास नियमों के अनुसार चिकित्सा सेवा प्रदान की जाती है।

भारतीय रेल चिकित्सा सेवाएँ न केवल चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करती हैं, बल्कि 2020 में कोरोना वायरस के रोगियों के लिए निवारक, प्रोत्साहन, व्यावसायिक और औद्योगिक स्वास्थ्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएँ और स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ भी प्रदान कीं।

भारतीय रेल का वित्तीय प्रदर्शन तालिका–2

वित्त वर्ष	कुल राजस्व करोड़ रूपये में	शुद्ध राजस्व करोड़ रूपये में	कुल लागत करोड़ रूपये में	मानव संसाधन लागत करोड़ रूपये में	परिचालन अनुपात प्रतिशत में
वित्त वर्ष 1950-51	263.30	47.56	215.74	113.8	81
वित्त वर्ष 1960-61	460.42	87.87	372.55	205.2	79
वित्त वर्ष 1970-71	1,006.95	144.73	862.22	459.9	84
वित्त वर्ष 1980-81	2,703.48	127.49	2,575.99	1,316.7	96
वित्त वर्ष 1990-91	12,451.55	1,113.78	11,337.77	5,166.3	92
वित्त वर्ष 2000-01	36,01,095	1,071.23	34,939.72	1,8841.4	98.34
वित्त वर्ष 2010-11	9,4535.63	6,346.14	90,334	5,1776.57	94.59
वित्त वर्ष 2020-21	1,40,783.55	2547	1,38,236	1,56,730	97.4
विश्लेषण	534.60 गुना	133.4 गुना	640 गुना	1,377 गुना	

स्रोत : भारतीय रेल वार्षिक लेखा और रिपोर्ट वित्त वर्ष 1950-51 से वित्त वर्ष 2020-2021 तक

भारतीय रेल में मानव संसाधन उत्पादकता तालिका–3

वित्त वर्ष	कुल मानव संसाधन लाख में	यात्री कि.मी. उत्पादकता मिलियन में	नेट टन कि.मी. उत्पादकता मिलियन में
वित्त वर्ष 1950–51	9.13	66,517	37,585
वित्त वर्ष 1960–61	11.57	76,665	72,333
वित्त वर्ष 1970–71	13.74	1,18,120	1,10,696
वित्त वर्ष 1980–81	15.72	2,08,558	1,47,652
वित्त वर्ष 1990–91	16.51	2,95,644	2,35,785
वित्त वर्ष 2000–01	15.45	4,57,022	3,12,371
वित्त वर्ष 2010–11	13.28	9,78,508	6,25,723
वित्त वर्ष 2020–21	12.52	231126	719762
विश्लेषण	137 प्रतिशत	3.47 गुना	19.15 गुना

स्रोत : भारतीय रेल वार्षिक लेखा और रिपोर्ट वित्त वर्ष 1950–51 से वित्त वर्ष 2020–2021 तक

भारतीय रेल में चिकित्सा अधिकारियों की संख्या 2,559 है। यह दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक स्वास्थ्य सेवा है। भारतीय रेल में फैले 129 अस्पतालों और 586 स्वास्थ्य इकाइयों की मदद से चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। भारतीय रेल ने वर्ष 2020–21 में 400 निजी पंजीकृत अस्पतालों के माध्यम से भी चिकित्सा उपचार उपलब्ध करवाया।

भारतीय रेल 37,087 पैरामेडिकल स्टाफ के नेटवर्क के साथ कुल 1,35,65,600 ओपीडी मामलों को देखा। भारतीय रेल में कर्मचारियों और उनके परिवारों की चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सही दिशा में उठाये गये एक कदम के तहत कोविड–19 वर्ष 2020–21 के दौरान रोगियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रदान की गई स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाएँ जबरदस्त थीं।

भारतीय रेल में ग्रुप अनुसार मानव संसाधन तालिका–4

वित्त वर्ष	भारतीय रेल में ए एंड बी अधिकारी	भारतीय रेल में ग्रुप सी कर्मचारी	भारतीय रेल में ग्रुप घ कर्मचारी	भारतीय रेल में मानव संसाधन हजार में	भारतीय रेल में मानव संसाधन की कुल लागत ₹ करोड़ में	भारतीय रेल में कुल लागत ₹ करोड़ में	भारतीय रेल में मानव संसाधन की कुल लागत प्रतिशत में
वित्त वर्ष 1950–51	2.3	223.5	687.8	913.6	113.8	215.74	53
वित्त वर्ष 1960–61	4.4	463.1	689.5	1157	205.2	372.55	55
वित्त वर्ष 1970–71	8.1	583.2	782.9	1,374.2	459.9	862.22	53
वित्त वर्ष 1980–81	11.2	721.1	839.9	1,572.2	1,316.7	2,575.99	51
वित्त वर्ष 1990–91	14.3	891.4	746.1	1,651.8	5,166.3	11,337.77	46
वित्त वर्ष 2000–01	14.8	900.3	630.2	1,545.3	18,841	34,939.72	53
वित्त वर्ष 2010–11	16.9	1,079.2	235.9	1,332	51,776.6	89,474.22	60
वित्त वर्ष 2020–21	18.6	1,233.7	0	1,252.3	1,56,730.29	1,38,236.06	113

स्रोत : भारतीय रेल वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 1950–51 से वित्त वर्ष 2020–2021 तक

बचाव और सुरक्षा :

यात्रियों में विश्वास पैदा करने के लिए सुरक्षा और संरक्षा भारतीय रेल के महत्त्वपूर्ण मुख्य उद्देश्यों में से एक है। प्रति दस लाख रेल कि.मी. पर रेल दुर्घटनाएं सुरक्षा सूचकांक का पैमाना हैं। भारतीय रेल में 2009-10 में 165 ट्रेन दुर्घटनाओं की तुलना में 2020-21 में 21 ट्रेन दुर्घटनाएँ हुईं। वर्ष 2009-10 के दौरान 0.17 की तुलना में 2020-21 में प्रति मिलियन कि.मी. पर रेल दुर्घटनाएँ 0.03 रह गईं, जो एक स्वस्थ प्रवृत्ति दर्शाती है।

रेलवे संपत्ति और यात्रियों की बेहतर सुरक्षा के लिए भारतीय रेल में रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस द्वारा ध्यान रखा जाता है।

हाई स्पीड रेल आजकल की माँग है। इसलिए, भारतीय रेल को एक ओर संभावित माँग का दोहन करने और दूसरी ओर यात्रियों को सर्वोत्तम सेवाएँ प्रदान करने के लिए बदलते परिदृश्य के अनुसार बदलाव करना चाहिए।

भारतीय रेल भारत में बुलेट ट्रेन की राह पर है। यह निकट भविष्य में देश की जरूरतों के पूरे ढांचे को बदल देगा। यह सही दिशा में एक सही कदम है।

कुछ सुझाव :

भारतीय रेल में संगठनात्मक संरचना स्पष्ट रूप से श्रेष्ठ और अधीनस्थ सम्बन्धों को दर्शाती है। संगठन संरचना संगठन की दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाने में मदद करती है।

यात्रियों की माँग को पूरा करने के संभावित क्षेत्रों में भारतीय रेल में रूट कि.मी. को और बढ़ाया जा सकता है।

यात्रियों के हित में रेलवे स्टेशनों की संख्या और बढ़ाई जा सकती है। विद्युतीकरण नेटवर्क को शत-प्रतिशत तक बढ़ाया जाना चाहिए। यात्रियों के हित में यात्री गाड़ियाँ अधिक आरामदायक, सुरक्षित, समयनिष्ठ, अग्निरोधी और दुर्घटनारोधी होनी चाहिए।

प्रौद्योगिकी का ज्यादा इस्तेमाल करते हुए मानव संसाधन लागत को कम किया जाना चाहिए।

महिला जनशक्ति को 33 प्रतिशत तक बढ़ाया जाना चाहिए

भारतीय रेल को बीपीओ और केपीओ के माध्यम से ट्रेन चलाने के मुख्य व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

भारतीय रेल को पड़ोसी देशों में भी अपना नेटवर्क बढ़ाना चाहिए और परिचालन अनुपात कम किया जाना चाहिए।

भारतीय रेल को और अधिक हाई स्पीड रेल चलाने पर ध्यान देना चाहिए।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि पिछले सात दशक में भारतीय रेल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है।■



भारतीय रेल

पत्रिका अब
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली
में भी उपलब्ध है

हम अपने पाठकों के भारतीय रेल से यात्रा के दौरान उनके प्रत्यक्ष अनुभव के बारे में लेखों का स्वागत करते हैं।

Email : editorindianrailways@gmail.com

अपना ज्ञान टटोलें

1 गुजरात में चलने वाली प्रथम स्टीम हेरिटेज ट्रेन किन दो स्टेशनों के बीच शुरू की गई है ?

(क) एकतानगर–अहमदाबाद | (ख) एकतानगर–सूरत | (ग) एकतानगर–गांधीनगर | (घ) अहमदाबाद–वडोदरा

2 हाल ही में माननीय राष्ट्रपति ने किस स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी है ?

(क) रायरंगपुर | (ख) टाटानगर | (ग) बादामपहाड़ | (घ) शालीमार

3 उत्तर मध्य रेलवे का मुख्यालय इस शहर में स्थित है ?

(क) लखनऊ | (ख) प्रयागराज | (ग) वाराणसी | (घ) चेन्नई

4 मानव तस्करी रोकने के लिए आर.पी.एफ. द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन का नाम ?

(क) सुरक्षा | (ख) पकड़ | (ग) मानव तस्करी | (घ) आहट

5 केवड़िया स्थित रेलवे स्टेशन का नाम ?

(क) एकतानगर रेलवे स्टेशन | (ख) केवड़िया रेलवे स्टेशन | (ग) वडोदरा रेलवे स्टेशन | (घ) एस.वी.पी. रेलवे स्टेशन

6 कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्ट्री का नाम ?

(क) बी.एल.डब्ल्यू. | (ख) एम.सी.एफ. | (ग) आर.सी.एफ. | (घ) आई.सी.एफ.

7 संसद में किस वर्ष से रेलवे बजट अलग से पेश नहीं किया जा रहा है ?

(क) 2022 | (ख) 2016 | (ग) 2002 | (घ) 2014

8 एक अनरिजर्व टिकट में कितने लोगों की टिकट बन सकती है ?

(क) 4 | (ख) 2 | (ग) 8 | (घ) 6

9 देश का सबसे लंबा रेल कम रोड ब्रिज किस नदी पर बना है ?

(क) ब्रह्मपुत्र | (ख) गंगा | (ग) साबरमती | (घ) कावेरी

10 रेल मंत्रालय द्वारा अंग्रेजी में प्रकाशित मासिक पत्रिका का नाम बताएं ?

(क) रेल बंधु | (ख) भारतीय रेल | (ग) इंडियन रेलवेज | (घ) भारतीय रेलवेज

1. (ख) 2. (ग) 3. (घ) 4. (घ) 5. (ख) 6. (ग) 7. (घ) 8. (ख) 9. (ख) 10. (ग)

पेज 37 पर

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यूआर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-
एक प्रति (विशेषांक)		70	-
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263
	दो वर्ष	460	483
	तीन वर्ष	675	709
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210
	दो वर्ष	370	389
	तीन वर्ष	540	567
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625

(वार्षिक सदस्यता शुल्क विशेषांक के साथ)

भुगतान का माध्यम

ऑनलाइन सदस्य www.irctctourism.com/IRBRMag पर सदस्यता शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ऑफलाइन डी.डी./चेक/म.ओ./पो.ओ./नगद देय-'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

पोस्ट..... जिला .....

राज्य ..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

रेल कर्मचारी: हाँ/नहीं वर्तमान सदस्यता (यदि हो तो) संख्या ..... तारीख .....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेल) **bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com**

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपने विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुँच बनाए

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में) नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथवा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार
28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र
23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्ककरें:

व्यापार प्रबंधक
310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलिफोन: 011-233822531, 23303665, 23304456
bmpr310rb@gmail.com

FLUID CONTROLS®
ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY



PERFORMANCE ENGINEERING FOR RAIL & METRO BRAKE PIPING CONNECTIONS



Fluid Controls Private Limited has over 45 years of experience in engineering connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS – ISO/TS 22163:2017), Aerospace AS9100 and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.

WE HAVE HERITAGE

45+ YEARS OF EXPERIENCE • IRIS & AS9100 CERTIFIED
IN-HOUSE R&D • OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS

+91-22-68238000 railways@fluidcontrols.com fluidcontrols.com

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2021-22-2023
आर.एन.आई. रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
आई.एस.एस.एन. 2457-0001
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित



मुद्रक व प्रकाशक : **ललित कुमार धनकड़** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.लि., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**